ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

आज का मौसम 30.0° अधिकतम तापमान 20.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.28 सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 6, अंक 69, पृष्ठ 16 मूल्य 6 रुपये

बंगाल-असम में भगवा आंधी

पूर्वी भारत के राजनीतिक मानचित्र पर आज एक ऐसा 'भगवा सूर्योदय' हुआ है, जिसने दशकों पुराने स्थापित समीकरणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। पश्चिम बंगाल से लेकर असम की वादियों तक चली प्रचंड 'भगवा आंधी' में विपक्ष के तमाम किले ताश के पत्तों की तरह ढह गए। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों से राज्य की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस का किला ढह गया है। भाजपा यहां 200 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करके पहली बार सत्ता पर काबिज होने जा रही है। असम के चुनावी नतीजों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर में भगवा रंग अब स्थायी हो चुका है। पहले गठबंधन के सहारे सरकार चलाने वाली भाजपा ने पहली बार स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

प.बंगाल में पहली बार खिला कमल, असम में हिमंता सरकार दोबारा, पुडुचेरी में भी एनडीए

कोलकाता/ नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सोमवार को एक नया इतिहास रचा गया। मां, माटी, मानुष के नारे को पीछे छोड़ते हुए बंगाल की जनता ने इस बार 'परिवर्तन' के पक्ष में मतदान किया। भाजपा ने 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में देर रात तक 206 सीटें पर जीत हासिल कर ली है। तृणमूल कांग्रेस ने केवल 78 सीटों पर जीत हासिल की और 3 सीटों पर बढ़त के साथ उसकी झोली में अधिकतम 81 सीट ही आ सकेंगी। कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं और आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) ने भी दो ही सीटों पर विजय हासिल की है। 2021 के विधानसभा चुनाव में बड़ा बदलाव देखा गया, जहां तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 213 सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की थी, जबकि भाजपा 38.13 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 77 सीटों पर सिमट गई थी। इस चुनावी मैदान में एक तरफ जुझारू ममता बनर्जी ने अपनी पूरी शक्ति झोंक दी थी, लेकिन सत्ता विरोधी लहर और विकास के वादों के सामने उनकी घेराबंदी विफल रही। आखिरकार, कोलकाता के मुख्यालय से लेकर सुदूर गांवों तक भगवा की लहर दौड़ गई है और बंगाल की धरती पर पहली बार कमल खिला है।

- **ऐतिहासिक परिवर्तन: तृणमूल के 15 साल के शासन का अंत**

असम में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाने के लिए तैयार है। राजग ने सोमवार को 126 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटों पर जीत दर्ज की। उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। भाजपा ने कुल 82 सीटें जीतीं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस उम्मीदवार बिदिशा नियोग को 89,434 मतों से हराकर लगातार छठी बार जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट में अनुभवी नेता और मौजूदा भाजपा विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी से 23,181 मतों के अंतर से हार गए। भाजपा के चुनाव जीतने वाले प्रमुख नेताओं में मंत्री अजंता नियोग (गोलाघाट), रानोज पेगु (धेमाजी), पीजूष हजारिका (जागीरोड), कौशिक राय (लखीपुर), प्रशांत फूकन (डिब्रूगढ़), कृष्णेंदु पॉल (पाथरकांडी) और बिमल बोरा (तिंगखोंग) शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने यूपीपीएल के पूर्व बीटीसी प्रमुख प्रमोद बरो को हराकर तामुलपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव में राजग के शानदार प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए सोमवार को कहा कि यह परिणाम सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर का प्रतिबिंब है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा।

पश्चिम बंगाल

सीट : 294 बहुमत : 147

भाजपा	टीएमसी	अन्य
206	81	06

असम

सीट : 126 बहुमत : 64

भाजपा+	कांग्रेस	अन्य
102	21	03

(आंकड़े रुझान और जीत के आधार पर)

सियासी भागीरथी का महासंगम

गंगोत्री से गंगासागर तक अब भगवा

भारतीय राजनीति के मानचित्र पर आज एक ऐसी इबारत लिखी गई है, जिसकी गूंज हिमालय की कंदराओं से लेकर बंगाल की खाड़ी तक सुनाई दे रही है। उत्तराखंड की पहाड़ियों में स्थित गंगोत्री से शुरू हुई भाजपा की वैचारिक धारा अब पश्चिम बंगाल के गंगासागर तक पहुंच कर एक अखंड राजनीतिक प्रवाह में बदल गई है। बंगाल चुनाव 2026 के इन ऐतिहासिक परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदला है, बल्कि भाजपा के गंगोत्री से गंगासागर तक वाले भाजपा के नारे को हकीकत बना दिया है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोनार बांग्ला के आह्वान, अमित शाह की अभेद्य रणनीति और योगी आदित्यनाथ के प्रखर नेतृत्व ने मिलकर बंगाल की खाड़ी में वह राजनीतिक सुनामी पैदा की, जिसने दशकों पुराने किलों को ध्वस्त कर दिया। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि यह उत्तर भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और पूर्वी भारत की बौद्धिक चेतना के मिलन का प्रतीक बन गई है।

देश के 21 राज्यों में एनडीए का दबदबा

विपक्ष के लिए नई चुनौतीबंगाल की इस जीत के साथ ही भारत के राजनीतिक नक्शे पर भाजपा और उसके सहयोगियों एनडीए का प्रभाव अब 21 राज्यों तक विस्तृत हो गया है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में अपनी जड़ें मजबूत करने के बाद, अब बंगाल और ओडिशा जैसे पूर्वी राज्य भाजपा के नए 'पावर हाउस' बनकर उभरे हैं। बंगाल की इस जीत ने भाजपा को वह ऊर्जा दी है जिससे वह कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक बार फिर नए सिरे से 'अजेय' होने का दावा कर रही है।

योगी के प्रखर हिंदुत्व और बुलडोजर मॉडल से बंधा जीत का सेहरा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक बढ़त के पीछे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 'प्रखर हिंदुत्व' और 'सुरक्षा मॉडल' एक बड़ा कारक बनकर उभरा है। योगी आदित्यनाथ ने इस चुनाव में भाजपा के पक्ष में 20 से अधिक रैलियां और रोड शो किए।विश्लेषणों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने जिन प्रमुख सीटों पर प्रचार किया, उनमें से 75% से अधिक सीटों पर भाजपा ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी सभाओं में 'बुलडोजर' और 'भ्रष्टाचार मुक्त शासन' के यूपी मॉडल की बात की, जिसे बंगाल की जनता ने हाथों-हाथ लिया। सोनामुखी, मालदा और पुरुलिया जैसे क्षेत्रों में उनकी रैलियों ने ध्रुवीकरण और जमीनी कार्यकर्ताओं के उत्साह को नई ऊंचाई दी।

मोदी-शाह-योगी: विजय के तीन शिल्पकार

पीएम मोदी ने जहां बंगाल के घर-घर में विकास की उम्मीद जगाई, वहीं अमित शाह के 'बूथ-मैनेजमेंट' ने हर चुनौती को मात दी। दूसरी ओर, योगी आदित्यनाथ की रैलियों ने पूरे बंगाल में हिंदुत्व और सांस्कृतिक गौरव का वह ज्वार पैदा किया, जिसने चुनाव को पूरी तरह 'भगवा' रंग में रंग दिया। आज ये तीनों नेता बंगाल के मानचित्र पर खड़े होकर देश को एक नए 'राजनीतिक एकीकरण' का संदेश दे रहे हैं।

यूडीएफ ने केरलम में सत्ता हासिल की

सीट : 140 बहुमत : 71

यूडीएफ	एलडीएफ	भाजपा
102	35	03

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने केरल विधानसभा चुनावों में 102 सीटें जीतकर दो तिहाई से अधिक बहुमत के साथ ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए 10 साल बाद सत्ता में जबरदस्त वापसी की है। 140 सदस्यीय विधानसभा के सोमवार को घोषित नतीजों के अनुसार कांग्रेस को 63 सीटें मिली हैं जबकि उसके गठबंधन यूडीएफ में शामिल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को 22, केरल कांग्रेस को सात और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी को तीन सीटें मिली हैं। यूडीएफ से संबद्ध चार निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी जीत हासिल की है। दूसरी ओर माकपा के नेतृत्व वाले एलडीएफ को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा। एलडीएफ की करारी हार के बाद पिनरायी विजयन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे उनका एक दशक लंबा कार्यकाल समाप्त हो गया। माकपा को 26 सीटें ही मिल पायी हैं।

अब टीवीके सबसे बड़ी पार्टी

थलपति विजय

चेन्नई। अपनी सुपरहिट फिल्मों की तरह, जिनमें वह एक हीरो के तौर पर दुश्मनों का सफाया करते हैं, अभिनेता विजय ने तमिलनाडु के चुनावी मैदान में धमाकेदार शुरुआत की है। विजय ने अपने पहले ही चुनाव में द्रविड़ राजनीति के उस मजबूत किले को ढहा दिया है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

उन्होंने अकेले अपने दम पर तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) को शानदार जीत दिलाई है। उन्होंने न केवल सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को पछाड़ा, बल्कि अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जैसी सशक्त पार्टी को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इस चुनाव में द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन को भी कोलाथुर सीट पर हार झेलनी पड़ी है। उनके साथ ही दिग्गज मंत्री दुरईमुरुगन समेत कई बड़े मंत्रियों को अपने ही गढ़ में शिकस्त मिली है।

स्टालिन को टीवीके उम्मीदवार वी.एस. बाबू ने 9,000 से ज्यादा मतों से हराया है। कोलाथुर से लगातार तीन बार जीत चुके श्री स्टालिन की यह पहली हार है। पहली बार चुनाव लड़ रही टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि वह बहुमत के लिए जरूरी 118 सीटों के जादुई आंकड़े से थोड़ी पीछे रह गई है। विजय ने खुद चेन्नई की पेरम्बूर और त्रिची पूर्व, दोनों सीटों से भारी मतों से जीत हासिल की है।

विजय ने अपने करोड़ों प्रशंसकों को एक मजबूत वोट बैंक में बदल दिया। उन्होंने खुद को एक 'द्रविड़ विकल्प' के रूप में पेश किया और वह सफलता पाई जो बड़ी राष्ट्रीय पार्टियां 1967 के बाद से कभी हासिल नहीं कर सकीं।

तमिलनाडु

सीट : 234 बहुमत : 118

टीवीके	एडीएमके+	डीएमके	अन्य
107	51	65	11

- **द्रविड़ राजनीति के मजबूत किले को ढहाकर विजय की शानदार शुरूआत**

पुडुचेरी में फिर खिला 'कमल' एनडीए की शानदार वापसी

सीट : 30 बहुमत : 16

एनडीए	कांग्रेस	अन्य
18	06	06

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव 2026 के परिणामों ने एक बार फिर एनडीए के पक्ष में स्पष्ट जनादेश दिया है। मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाले ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस और भाजपा गठबंधन ने अपनी सत्ता बरकरार रखते हुए बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया है। रंगासामी ने अपनी पारंपरिक सीट थट्टनचावडी से 4,441 मतों के अंतर से जीत दर्ज कर अपनी लोकप्रियता साबित की है।दिग्गजों की जीत और बड़े उलटफेरइस चुनाव में न केवल रंगासामी ने जीत हासिल की, बल्कि भाजपा के कद्दावर नेता ए. नमस्वयम ने भी मन्नडिपेट सीट से 6,110 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। कांग्रेस के दिग्गज नेता वी. वैथिलिंगम को थट्टनचावडी में करारी हार का सामना करना पड़ा, जहां वे चौथे स्थान पर रहे। विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम और विपक्ष के नेता आर. शिवा जैसे बड़े चेहरे भी अपनी सीटें बचाने में नाकाम रहे।

नई दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचने पर मोदी का किया गया भव्य स्वागत। ● एजेंसी

यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के साथ अब गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला हुआ है। उन्होंने सभी दलों से बदले के बजाय बदलाव के लिए काम करने का आह्वान किया। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि यह देश के उज्ज्वल भविष्य की उद्घोषणा का दिन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन है, काम करने की राजनीति पर भरोसे का दिन है, स्थिरता के संकल्प पर भरोसे का दिन है और एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना पर भरोसे का दिन है। उन्होंने विजय समारोह में कहा कि मैं पश्चिम बंगाल, असम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और केरल की जनता को नमन करता हूं। समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित पार्टी के अन्य नेता उपस्थित थे। पिछले साल 14 नवंबर को, जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हुए थे, मोदी ने इसी स्थान से भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक बहती है। उन्होंने कहा कि और आज, पश्चिम बंगाल में जीत के साथ, गंगोत्री (उत्तराखंड) से गंगा सागर (पश्चिम बंगाल) तक कमल ही कमल खिला हुआ है। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र के इस उत्सव में भय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीत हुई है।

भाजपा मुख्यालय पर जश्न

- **प्रधानमंत्री ने कहा -हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार**

प्रधानमंत्री ने कहा कि जीत और हार लोकतंत्र और राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन इन पांच राज्यों की जनता ने दुनिया को दिखा दिया है कि क्यों हमारा देश लोकतंत्र की जननी है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिर्फ एक व्यवस्था नहीं है, यह हमारी रगों में दौड़ता हुआ संस्कार है। आज भारत का संविधान भी जीता है। हमारी संवैधानिक संस्थाएं जीती हैं। हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जीती हैं। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लगभग 93 प्रतिशत मतदान अपने आप में ऐतिहासिक है तथा असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में भी मतदान के नये रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में महिलाओं की भागीदारी असाधारण रूप से अधिक रही और यह भारतीय लोकतंत्र की सबसे उज्ज्वल तस्वीर के रूप में उभर रही है।

जनादेश @ 2026

www.amritvichar.com

अमृत विचार

मंगलवार, 5 मई 2026

अंग बंग कलिंग जीता, मां माटी मानुष पड़ा फीका

10 साल में तीन से 77 के बाद भारतीय जनता पार्टी ने लगाया सीटों का दोहरा शतक

मनोज त्रिपाठी, अमृत विचार

पश्चिम बंगाल दशकों से भाजपा के लिए एक अधूरे प्रोजेक्ट जैसा था। भाजपा के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश में हिंदुत्व की दिशा को धार दी, इसी राज्य के थे। ऐसे में बंगाल की जीत भाजपा के लिए बड़ी वैचारिक सफलता की ध्वज वाहक भी है। इस बार पार्टी ने ममता की विफलताओं को उजागर करने के साथ रणनीतिक कौशल दिखाया। आक्रामक अभियान चलाकर हिंदू मतदाताओं का बड़ा हिस्सा अपनी तरफ आकर्षित करने के साथ महिला सुरक्षा को इतना बड़ा मुद्दा बना दिया कि ममता सरकार की कल्याणकारी योजनाएं फीकी पड़ गईं। इसी के साथ पार्टी का अंग-बंग और कलिंग' (बिहार, बंगाल और ओडिशा) में सत्ता हासिल करने का पुराना सपना भी साकार हो गया।

अंग-बंग और कलिंग' का जयघोष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किया था। किसी समय यही त्रिकोण भारत की दिशा और दशा तय करता था। भाजपा अंग और कलिंग पर तो पहले से ही काबिज ही थी, अब पहली बार बंग पर भी भगवा झंडा फहरा दिया है। पश्चिम बंगाल में साल 2016 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को तीन सीटें मिली थीं। यहां से 2021 के चुनाव में पार्टी 77 सीटों पर पहुंची और इस बार कमाल दिखाते हुए सीटों की संख्या के लिहाज से दोहरा शतक लगाने के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी भवानीपुर में धूल चटा दी।

एम फैक्टर से ही तोड़ा टीएमसी का तिलिस्म

पश्चिम बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए 'मां, माटी, मानुष' का गढ़ा और 2011 के विधानसभा चुनाव में 34 साल पुरानी वाम सरकार को हरा दिया। 2016 और 2021 में भाजपा पर भी यह नारा जमकर भारी पड़ा। लेकिन 2026 के चुनाव में यह नारा भाजपा और टीएमसी के बीच तीखे वैचारिक संघर्ष का केंद्र बन गया। मोदी ने प्रचार अभियान में हमला बोलते हुए कहा कि आज 'मां' रो रही है, 'माटी' असुरक्षित है और 'मानुष' भयभीत हैं। पार्टी ने टीएमसी के नारे को उसके मुस्लिम प्रेम, महिला असुरक्षा और ममता की विफलता का नैरेटिव बना दिया।

75 साल बाद साकार हुआ सपना

वर्ष 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ का गठन किया था। इसी भारतीय जनसंघ ने आगे चलकर मौजूदा भारतीय जनता पार्टी का रूप ले लिया। जनसंघ की स्थापना के 75 साल बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की अगुवाई में पार्टी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बंगाल के सपने को साकार कर दिखाया

6 साल ममता के साथी, 6 साल में पलटी पूरी बाजी

तृणमूल कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाने वाले नंदीग्राम आंदोलन के मुख्य वास्तुकार रहे शुभेंदु अधिकारी छह साल तक ममता बनर्जी सरकार में नंबर दो रहे, फिर नाराज हुए तो भाजपा के साथ आकर छह साल में ही पूरी बाजी पलट दी। ऐसे में बड़ा सवाल है कि शुभेंदु अब क्या भाजपा सरकार में नंबर वन यानी मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर ममता सरकार की तरह नंबर दो की भूमिका में ही नजर आएंगे। शुभेंदु ने वर्ष 2006 में पहली बार कांथी दक्षिण सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था।

- वर्ष 2009 में उन्होंने तमलुक सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ा और जीते। 2014 में उन्होंने इसी सीट पर कब्जा बनाए रखा वर्ष 2016 में उन्होंने नंदीग्राम सीट से विधानसभा का चुनाव जीता और ममता सरकार के दूसरे कार्यकाल में परिवहन मंत्री बने। इस दौरान उनको नंबर दो कहा जाने लगा। लेकिन दिसंबर 2020 में भाजपा का दामन थामने और चार माह बाद 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराने के बाद उनको न सिर्फ ख्याति मिली, बल्कि भाजपा के लिए भरोसेमंद बन गए। विधानसभा में विपक्ष के नेता बनाए गए। इसके बाद बीते पांच साल शुभेंदु लगातार ममता सरकार पर हमलावर रहे और तृणमूल के गढ़ों में सक्रियता और आंदोलनों के जरिये भाजपा की जमीन मजबूत में जुट गए।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

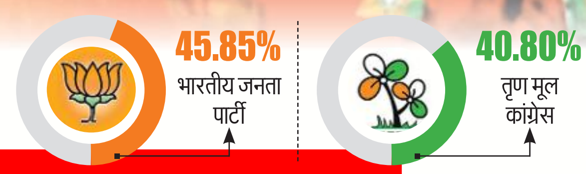

राजनीतिक दल	वोट %	कुल वोट
भाजपा	45.84%	28164498
टीएमसी	40.80%	25050526
सीपीआई(एम)	4.41%	2706940
कांग्रेस	3.00%	1844604
बसपा	0.18%	112709
एआईएमआईएम	0.09%	55226
अन्य	5.67%	-----

असम विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

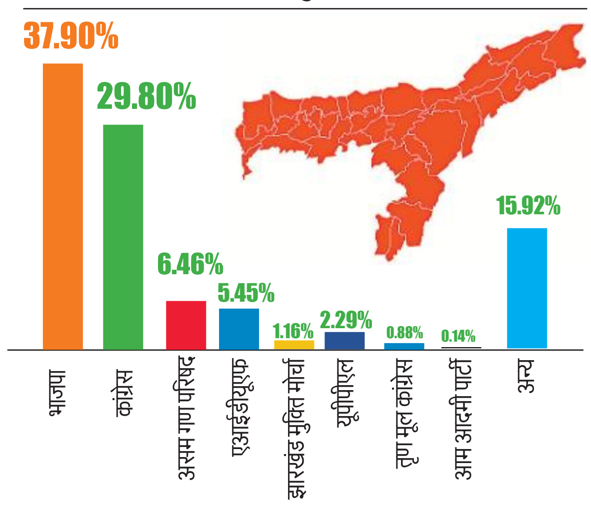

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

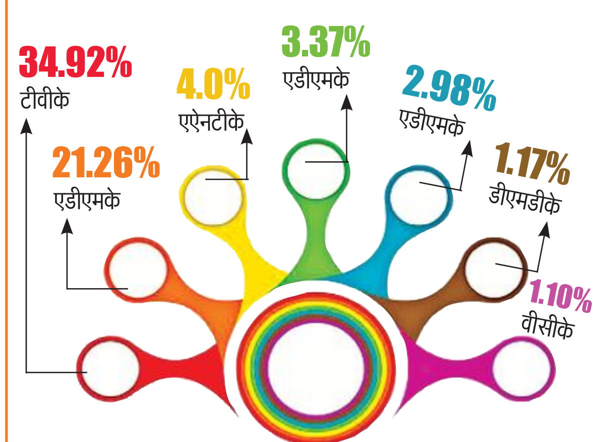

22 राज्यों में एनडीए सरकार 17 जगह भाजपा के मुख्यमंत्री

- देश के 22 राज्यों में अब एनडीए की सरकार और 17 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री होंगे। अब सिर्फ आठ राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, पंजाब, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में भाजपा या उसके गठबंधन की सरकार नहीं है। इससे पहले 2018 में 21 राज्यों में एनडीए की सरकार थी। लेकिन इन पांच राज्यों के चुनाव के साथ भाजपा ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

लोकसभा चुनाव की परछाई से पीछा छूटा

- वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में बहुमत के आंकड़े से पीछे रह जाने के बाद भाजपा ने महाराष्ट्र, हरियाणा, बिहार, दिल्ली, ओडिशा के बाद अब पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भगवा ध्वज लहराकर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है। खासकर पश्चिम बंगाल में मिली जीत ने पार्टी के दायरे को आगे बढ़ाने के साथ आत्मविश्वास आसमान पर पहुंचा दिया है।

85% रहा योगी का बंगाल में स्ट्राइक रेट

- बंगाल में उत्तर प्रदेश के मुखमंत्री आदित्यनाथ योगी ने पश्चिम बंगाल में जिन 22 सीटों पर प्रचार किया था, उनमें से 19 सीटों पर भाजपा ने विजय का भगवा ध्वज लहरा दिया। उत्तर 24 परगना, हुगली, पुरुलिया व बांकुड़ा में योगी की सभाओं में जुटी भारी भीड़ ने माहौल जोशीला बनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी। सोनामुखी (बांकुड़ा), नंदकुमार (पूर्व मेदिनीपुर), कांथी दक्षिण, बाराबनी, और रामपुरहाट उन प्रमुख सीटों में शामिल रहीं, जिन पर योगी की सभाओं के बाद भाजपा ने टीएमसी पर बढ़त बनाई। योगी ने अपनी रैलियों में कानून-व्यवस्था, बुलडोजर, भ्रष्टाचार और विकास के मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया।

हिमंत बने असम में हैट्रिक के नायक

श्रीप्रकाश, गुवाहाटी

असम में सत्तारूढ़ भाजपा ने अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा। साल 2014 से लेकर अब तक हुए हर चुनाव में भाजपा की स्थिति लगातार मजबूत होती जा रही है। इस बार राज्य में अपने दम पर पहली बार भाजपा की पूर्ण बहुमत सरकार बनने जा रही है। भाजपा के ही दम पर उसके सहयोगी दल असम गण परिषद तथा बीपीएफ की भी इस चुनाव में स्थिति अच्छी रही है। भाजपा की इस बड़ी जीत के नायक मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा रहे, जिन्होंने 11 साल के भीतर पार्टी को शिखर पर पहुंचा दिया। साल 2015 में जब वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, तो भाजपा के सिर्फ पांच विधायक थे, जो 2011 के चुनाव में जीते थे।

भाजपा ने 2021 चुनाव में संकल्प पत्र में जो वादे किए थे, उन्हें न सिर्फ शत प्रतिशत, बल्कि उससे आगे जाकर पूरा किया। बीते 5 वर्षों में डेढ़ लाख से अधिक बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां स्वच्छ तरीके से दी गईं, जबकि घोषणा पत्र में एक लाख नौकरी का ही वादा था। महिलाओं के लिए अरुणोदय योजना का सफल क्रियान्वयन हुआ। प्रत्येक महीने की 10 तारीख को महिलाओं के खाते में 1250 रुपये पहुंचते रहे। 'लखपति बाईदेउ', 'निजूत मोइना' योजनाओं के साथ ही युवाओं के रोजगार, छात्र-छात्राओं की पढ़ाई से लेकर किसानों तक के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू की गईं। भाजपा सरकार ने बड़े-बड़े पुल, ओवरब्रिज, चौड़ी सड़कें, रिंग रोड, ब्रह्मपुत्र में टनल और कई पुल बनवाए या निर्माणाधीन हैं। डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक युद्धस्तर पर काम किया तो संगठन ने भी हर दिन चुनाव प्रचार के तरीके से कार्य किया।

विपक्ष के धराशायी होने का कारण

- राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस नेतृत्व को लेकर खींचतान से कमजोर होती गई। जनहित से जुड़े मुद्दे उठाने के बदले इसके नेता मुख्यमंत्री के परिवार और भाजपा नेताओं के विरुद्ध प्रचार में लगे रहे। विदेशी घुसपैठियों के विरुद्ध भाजपा सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का कांग्रेस ने लगातार विरोध किया। पार्टी अध्यक्ष गौरव गोगोई नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले जोरहाट में मजार पर माथा टेकने पहुंचे। कांग्रेस की इसी नीति से नाराज पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा और सांसद प्रद्युत बरदलै जैसे दिग्गज नेता चुनाव के मौके पर भाजपा में शामिल हो गए और चुनाव जीत गए। गठबंधन पर भ्रम की स्थिति रही। विपक्षी गठबंधन संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार भी नहीं कर सका। ऐसें में कांग्रेस विदेशी घुसपैठी बहुल सीटों तक ही सिमट कर रह गई। रही सही कसर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने पूरी कर दी। उन्होंने मुख्यमंत्री की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए, फिर उन पर डटकर खड़े रहने के बदले भागते फिरे, जिसका उल्टा असर मतदाताओं पर पड़ा।

50 साल बाद देश में कहीं नहीं वाम दल की सरकार

- केरल में यूडीएफ की जीत और एलडीएफ की हार के साथ वाम दलों का आखिरी किला भी ढह गया। ऐसा पहली बार होगा जब 1970 के दशक के बाद देश के किसी भी राज्य में वाम दल की सरकार नहीं होगी। देश में सबसे लंबे समय तक 1977 से 2011 तक पश्चिम बंगाल में सीपीआईएम की सरकार रही थी। इसके साथ ही 1998 से से लेकर 2018 तक त्रिपुरा में भी लेफ्ट फ्रंट की सरकार रही थी। केरल में साल 2016 से 2026 तक दो बार लेफ्ट फ्रंट की सरकार सत्ता में रही।

केरल विधानसभा चुनाव वोट प्रतिशत

भाजपा	11.42%	2466178
भाकपा	6.64%	1434524
सीपीआई(एम)	21.77%	4700662
कांग्रेस	28.79%	6217918
आईयूएमएल	11.01%	2378053
केईसी	2.43%	525323
केईसी(एम)	2.60%	561157
अन्य	15.37 %	---

(रात्रि 11 बजे तक परिणाम-रुझान के अनुसार)

अहंकार और भ्रष्टाचार ने डुबोई ममता दीदी की नैया

जेके सिंह, कोलकाता

अमृत विचार। अहंकार और भ्रष्टाचारियों के बचाव के साथ मुस्लिम परस्ती के कारण ममता बनर्जी का पतन हुआ और पश्चिम बंगाल में भगवा लहर बनी। साल 2011 के बाद से कोलकाता सहित बंगाल में सफेद साड़ी में लिपटी ममता बनर्जी के पोस्टर लगाए जाते थे, जिनमें नीचे लिखा रहता था- ईमानदारी की प्रतीक। लेकिन 2026 आते-आते इस सफेद साड़ी पर भ्रष्टाचार के बहुत सारे धब्बे लग चुके थे।

सरकारी कर्मचारियों ने इस बार टीएमसी का साथ छोड़ दिया, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उनके बकाया डीए का भुगतान नहीं किया गया। नियुक्ति घोटाले के कारण 26 हजार टीचरों की बरखास्तगी गले की हड्डी बन गई। इस मामले में भ्रष्टाचारियों के

खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनके समर्थन में ममता सुप्रीम कोर्ट तक गई थीं। तत्कालीन शिक्षा मंत्री परेश अधिकारी की बेटी की नियुक्ति अध्यापिका के पद पर अवैध रूप से की गई थी। हाई कोर्ट के आदेश पर उनकी बर्खास्तगी हुई थी। लेकिन इस बार उन्हें फिर टिकट दे दिया गया, नतीजन पुरुलिया जिले में तृणमूल का सूपड़ा साफ हो गया है। राशन घोटाले के प्रमुख अभियुक्त व पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को फिर पार्टी ने टिकट दिया, जिससे उत्तर 24 परगना में टीएमसी की हवा निकल गई।

सोना, सिलिंडर और फ्री यात्रा ने थलपति विजय को सीएम की कुर्सी के करीब पहुंचाया, सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए कर डाले बड़े- बड़े वादे

49 साल बाद तमिलनाडु में एमजी रामचंद्रन जैसा करिश्मा

दिग्विजय सिंह, अमृत विचार

तमिलनाडु में अभिनेता थलपति विजय की ताजपोशी होना तय है। विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम ने इतिहास रच दिया है। थलपति विजय मुख्यमंत्री बनने पर पिछले 49 साल का रिकार्ड तोड़ देंगे। एमजी रामचंद्रन द्वारा 1977 के विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद राज्य में अपनी नई पार्टी खड़ी करके अभिनेता से मुख्यमंत्री बनने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे। अभिनेता विजय के सात वादों ने उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी के करीब पहुंचा दिया।सोना, सिलिंडर, महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा, 12 वीं तक के बच्चों को प्रत्येक वर्ष 15 हजार रुपये की आर्थिक मदद और बेरोजगारी भत्ता जैसे उनके वादे डीएमके को सत्ता से हटाने में बड़े मददगार बने। सत्ता पाने की सीढ़ी कहीं छोटी न रह जाए, इसलिए उन्होंने बड़े- बड़े वादे कर डाले।

'मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा'

थलपति विजय का फिल्म 'बिगिल' के हिट डॉयलाग ' मैंने एक बार मैदान में कदम रख दिया तो जीतना ही होगा' के साथ सीटी बजाना उनकी जनसभाओं में उमड़ती भीड़ का उत्साह आसमान पर पहुंचा देता था। इससे उनकी फैन फालोइंग वोटों में तब्दील हो गई। चुनाव अभियान आगे बढ़ने के साथ जेन-जी और युवा वोटर्स जो अपनी पारंपरिक पार्टियों से नाराज और बदलाव की तलाश में थे, उनके साथ तेजी से जुड़ते चले गए। ऐसे में विजय को लगा कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का वादा करके वे सत्ता के शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने ऐसा किया भी। गांव- गांव, शहर की हर गली में समर्थक युवाओं की मजबूत टोली ने उनके हर वादे को घूम-घूमकर घर- घर तक पहुंचाया। इसलिए उन्होंने न सिर्फ अन्नाद्रमुक और भाजपा नेताओं के गठबंधन प्रस्ताव को ठुकराया बल्कि द्रमुक की सहयोगी पार्टी कांग्रेस के गठजोड़ के प्रयास को भी सिरे से खारिज किया।

- थलपति विजय न सिर्फ सत्तारूढ़ डीएमके मुखिया एमके स्टालिन पर आक्रमक रहे बल्कि अन्नाद्रमुक और भाजपा को भी उन्होंने खूब खरी खोटी सुनाई। वे यह स्थापित करने में कामयाब रहे कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक नहीं बल्कि वे ही सत्ता में आकर वहां के लोगों की तकदीर और तमिलनाडु की तस्वीर बदल सकते हैं। थलपति विजय ने 60 साल उम्र तक की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का वादा किया। कहा कि इस उम्र की ऐसी महिलाएं जो घर की मुखिया होंगी, उन्हें 2,500 रुपये प्रतिमाह देंगे। इसके साथ ही उन्होंने हर परिवार को छह एलपीजी गैस सिलिंडर फ्री में देने की बात कही थी। इसके साथ ही बहन-बेटियों के विवाह के लिए आठ ग्राम सोना देने का वादा किया। सिल्क साड़ी देने की उनकी योजना ने भी मतदाताओं का ध्यान खींचा। सोने की बढ़ती कीमतों के बीच आठ ग्राम सोना फ्री मिलने की बात हर मतदाता को अच्छी लगी। कक्षा 1 से 12 तक के स्टूडेंट्स के लिए हर साल 15 हजार की मदद का एलान अभिभावकों को लुभा गया तो सरकारी बसों में महिलाओं के लिए फ्री का वादा भी काम कर गया। ग्रेजुएट्स को चार हजार रुपये और डिप्लोमा धारकों को ढाई हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने के वादे ने युवाओं को विजय के साथ आने पर मजबूर किया। 5 एकड़ तक जमीन वाले छोटे किसानों का पूरा कर्ज माफ करने और 5 एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों का 50 फीसदी कर्ज माफ करने के वादे ने किसानों को उनकी तरफ मोड़ा। अब देखना यह है कि सत्ता शीर्ष पर बैठने के बाद विजय इन वादों को कब और कैसे पूरा करते हैं।

पश्चिम एशिया संकट : बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी-12

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में लौटी तेजी सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा-12

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग-13

घरेलू मैदान पर अपने रिकॉर्ड में सुधार करने का प्रयास करेगी दिल्ली कैपिटल्स-14

आज का मौसम
30.0° अधिकतम तापमान
20.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.28
सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:54 उपरांत मूल विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 5 मई 2026, वर्ष 6, अंक 69, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

समीक्षा बैठक में बिना तैयारी पहुंचे अधिकारी, मुख्यमंत्री ने फटकारा

विभागों के बीच समन्वय की कमी पर सीएम धामी ने अधिकारियों को दी चेतावनी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित मुख्यमंत्री घोषणाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों के बिना तैयारी के उपस्थित होने पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए फटकार लगाई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इस प्रकार की बैठकों में बिना पूरी तैयारी के आना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में सभी अधिकारी पूरी तैयारी और तथ्यात्मक जानकारी के साथ ही बैठक में उपस्थित हों।

मुख्यमंत्री ने विभागों एवं अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय और संवाद की कमी पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई मामलों में विभागीय तालमेल के अभाव के कारण विकास कार्य अनावश्यक रूप से लंबित हो रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने सभी सचिवों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों की घोषणाओं की एक बार पुनः गहन समीक्षा करने के कड़े निर्देश दिए।

सीएम धामी ने कहा कि जनता से किए गए वादों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने निर्देश दिए कि किस विभाग में कितने प्रतिशत घोषणाएं पूर्ण हो चुकी हैं और कितनी लंबित हैं, इसकी विस्तृत रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत की जाए। उन्होंने सभी लंबित घोषणाओं के संबंध में 15 जून तक शासनादेश जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन कार्यों के शासनादेश जारी हो चुके हैं, उन पर तत्काल कार्य प्रारंभ सुनिश्चित करने को कहा। कहा कि अनावश्यक देरी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों को सख्त हिदायत देते सीएम धामी

- **15 जून तक सभी लंबित घोषणाओं के शासनादेश जारी करने के साथ कार्य शुरू करने के सख्त निर्देश**

शिलापट्ट न लगाने पर जिलाधिकारी होंगे जवाबदेह

मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की कि कई स्थानों पर घोषणाओं के अनुरूप कार्य प्रारंभ होने के बावजूद शिलापट्ट नहीं लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित कार्यस्थलों पर शिलापट्ट लगाना सुनिश्चित करें वरना संबंधित जिलाधिकारी इसकी जिम्मेदारी तय करेंगे। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि जो विषय जिला स्तर पर हल हो सकते हैं, उन्हें अनावश्यक रूप से शासन स्तर पर लंबित रखना उचित नहीं है।

केदारनाथ यात्रा को लेकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने की हिदायत

देहरादून, अमृत विचार : राज्य सरकार ने केदारनाथ यात्रा को लेकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने की हिदायत अफसरों को दी है। निर्देश दिए गए हैं कि इससे संबंधित भ्रामक खबरों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और ऐसी स्थिति में विभाग तत्काल अपना पक्ष जारी करे, ताकि अफवाहों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। वहीं, हेली सेवाओं में टिकटों का निर्धारित दरों पर ही विक्रय सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा गया कि यदि मनमाने तरीके से टिकट बिक्री या वसूली की शिकायत मिलती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोनप्रयाग में रजिस्ट्रेशन काउंटर पर भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्लान लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

आयुक्त गढ़वाल मंडल विनय शंकर पांडेय व आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने सोमवार को रुद्रप्रयाग पहुंचकर श्री केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में यात्रा व्यवस्था नोडल अधिकारियों, संबंधित विभागीय अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ जिला कार्यालय सभागार रुद्रप्रयाग में समीक्षा की। बैठक में जानकारी दी गई कि अब तक की यात्रा संचालन स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि अब तक 3 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए हैं। 31 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने हेली सेवाओं का उपयोग किया है। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा घोड़ा-खच्चर एवं डंडी-कंडी के माध्यम से यात्रा की गई है।

उन्होंने बताया कि यात्रा कंट्रोल रूम के माध्यम से निरंतर निगरानी की जा रही है, गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, सभी अस्पताल पूर्णत: क्रियाशील हैं तथा म्यूल टास्क फोर्स तैनात है। 8 हजार से अधिक घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण एवं बीमा किया गया है। निर्धारित मानकों के उल्लंघन पर ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई की जा रही है तथा अतिक्रमण वाले डेरे हटाए गए हैं। पशु चिकित्सालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं रेंडम चेकिंग भी कराई जा रही है।

अद्भुत दृश्य

अयोध्या में सोमवार दोपहर आंधी-पानी के दौरान राम मंदिर परिसर से एक अद्भुत तस्वीर सामने आई है। कड़कती बिजली के प्रकाश के बीच मंदिर की निराली छटा बिखर गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस पल के साक्षी बने। ट्रस्ट पहले ही दावा कर चुका है कि राम मंदिर को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए मंदिर के शिखर पर तड़ित चालक यंत्र स्थापित किया गया है। यह तस्वीर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर साझा की है।

प्रदेश में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, ऑरेंज अलर्ट जारी

संवाददाता, देहरादून

- **हल्द्वानी में सोमवार तड़के मकान पर गिरी बिजली, क्षतिग्रस्त**
- **चमौली, पिथौरागढ़ समेत कई जगहों पर जनजीवन प्रभावित**

अमृत विचार : उत्तराखंड में भारी बारिश, तेज आंधी और बिजली गिरने की घटनाओं से जन-जीवन अस्तव्यस्त है। प्रशासन ने पर्वतीय जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, चमौली, पिथौरागढ़ समेत कई जगहों पर भी जनजीवन प्रभावित है। हालांकि, चारधाम यात्रा जारी है। हल्द्वानी में सोमवार तड़के एक मकान पर बिजली गिरी। इससे मकान क्षतिग्रस्त हुआ लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सोमवार को सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को छुट्टी घोषित कर दी गई। जिले में सुबह से ही तेज बारिश के साथ गरज-चमक जारी है। मौसम विभाग की चेतावनी के चलते प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डीएम आशीष कुमार भटगांई ने चेताया कि मानसून के दौरान भूस्खलन, अतिवृष्टि और मार्ग अवरोध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रखी जाएं।

इधर, रुद्रप्रयाग और चमोली में देर रात से लगातार बारिश हो रही है। चमोली जिले के निजमूला घाटी में आकाशीय बिजली गिरने से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। जानकारी कि मुताबिक, एक ही झटके में 500 से अधिक बकरियों की जान चली गई। स्थानीय लोग इस घटना से बेहद सदमे में हैं।

राजधानी देहरादून में रविवार देर रात तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश के बीच कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए। बिजली के खंभे प्रभावित हुए और बिजली आपूर्ति कई घंटों तक बाधित रही. लोगों को घरों में अंधेरे में बैठना पड़ा। कई जगहों पर सुबह तक भी बिजली नहीं आई। वहीं, ऊधम सिंह नगर और खटीमा क्षेत्र में तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने आम और लीची के बागों को काफी नुकसान पहुंचाया है।

वहीं, मौसम की मार के बावजूद चारधाम यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ा। बदरीनाथ धाम में झमाझम बारिश और ठंड के बावजूद भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। केदारनाथ यात्रा भी सुचारू रूप से चल रही है। मौसम विभाग ने पर्वतीय जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लोगों से अपील की गई है कि अनावश्यक बाहर न निकलें।

न्यूज ब्रीफ

रुपया 39 पैसे टूटा, अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95 .23 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 23.40 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली। सरकार का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह वित्त वर्ष 2025-26 में 5 .12 प्रतिशत बढ़कर 23 .40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। हालांकि यह मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए तय संशोधित बजट लक्ष्य से कम है। 2025-26 के संशोधित अनुमान में संग्रह 24 .21 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान जताया था। मूल बजट अनुमान 25 .20 लाख करोड़ रुपये था।

प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या, परिजनों का हंगामा

संवाददाता, बिलारी

- **बिलारी में गांव में सरकारी स्कूल के पास टहल रहा था रणजीत चौहान**
- **पैसों के लेन-देन के विवाद में हिंदूवादी नेता की हत्या का आरोप**

अमृत विचार। बिलारी कोतवाली क्षेत्र के गांव कमालपुर चांदोरा में सोमवार को गांव में टहल रहे प्रॉपर्टी डीलर की पांच हमलावरों ने गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी। घटना से गांव में दहशत का माहौल पैदा हो गया। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ मौके पर पहुंचे। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी गांव से फरार हो गए। पैसों के लेन-देन को लेकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। पीड़ित परिवार ने हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के मुताबिक कोतवाली क्षेत्र के गांव कमालपुर चांदोरा निवासी 32 वर्षीय रणजीत चौहान हिंदूवादी संगठनों से जुड़े हुए थे। इस समय वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। जानकारी के मुताबिक रणजीत चौहान सोमवार की देर शाम गांव के सरकारी स्कूल के पास टहल रहे थे। तभी गांव के ही पांच लोगों ने उन्हें घेर कर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दिया। खुद पर गोली चलते देख रंजीत ने पास के ही घर में घुसकर जान बचाना चाही। हमलावर भी पीछे से घर में घुस गए और रंजीत की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। दुस्साहसिक वारदात से गांव और आसपास में दहशत का माहौल हो गया। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भिजवा दिया। वहीं, मृतक के परिजन पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। इस पर पुलिस ने शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी करने का आश्वासन दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह भी देर शाम को घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों के मुताबिक रणजीत प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। उन्होंने बताया कि पैसे के लेन-देन को लेकर गांव के ही कुछ लोगों से विवाद चल रहा था। बताया कि परिवार में गर्भवती पत्नी नेहा के अलावा एक 5 वर्षीय बेटा दक्ष है।

होर्मुज से फंसे पोतों को सुरक्षित निकालने में करेंगे मदद : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना होर्मुज में फंसे अन्य देशों के पोतों को सुरक्षित निकालने में सोमवार से मदद करेगी।

इसके साथ ही ट्रंप ने साथ ही ईरान को चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में किसी भी तरह के हस्तक्षेप से सख्ती से निपटा जाएगा। ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि प्रोजेक्ट फ्रीडम का उद्देश्य उन विदेशी पोतों की मदद करना है जो प. एशिया में हो रहे घटनाक्रम से किसी भी तरह जुड़े नहीं हैं।

विकास, सुरक्षा और राष्ट्रहित को मिला स्पष्ट जनादेश : धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- **मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यालय में ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ विजय उत्सव मनाया**
- **धामी ने कहा- प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण और अथक परिश्रम ने इस विजय को संभव बनाया**

अमृत विचारः उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत का जश्न उत्साह के साथ मनाया गया। प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए और ढोल-नगाड़ों के साथ जीत की खुशी मनायी। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास, सुरक्षा और राष्ट्रहित को इस चुनाव में स्पष्ट जनादेश मिला। कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक झालमुड़ी का भी आनंद लिया और एक-दूसरे को बधाई दी।

उत्तराखंड भाजपा मुख्यालय में कुछ इस अंदाज में दिखे सीएम धामी। ● अमृत विचार

प्रदेश भाजपा कार्यालय में सोमवार को उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। सीएम धामी स्वयं इस मौके पर कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे। उनके साथ मिलकर खुशी साझा की। कार्यालय परिसर में ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच कार्यकर्ताओं ने नाच-गाकर जीत का उत्सव मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह ऐतिहासिक जीत देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की कुशल रणनीति और पार्टी संगठन के मजबूत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण और अथक परिश्रम ने इस विजय को संभव बनाया है।

ऋषिकेश में 489 करोड़ से भूमिगत होंगी बिजली लाइनें

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- **शहरों में सुपरवाईजरी कंट्रोल एंड डाटा एक्विजिशन के तहत भी 59 करोड़ रु. की धनराशि मिली**
- **विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्यमंत्री मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री धामी को भेजा पत्र**

अमृत विचारः केन्द्र सरकार द्वारा ऋषिकेश में विद्युत लाइनों को भूमिगत किये जाने के लिए 489 करोड़ रु. की धनराशि के साथ ही ऋषिकेश हरिद्वार और देहरादून शहरों में सुपरवाईजरी कण्ट्रोल एण्ड डाटा एक्विजिशन के तहत भी राज्य को 59 करोड़ रु. की धनराशि प्रदान की गई है। केन्द्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे पत्र में यह जानकारी दी गयी है।

मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विद्युत और शहरी कार्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, साथ ही गंगा कॉरिडोर क्षेत्र में सौंदर्यीकरण एवं व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वीकृत परियोजनाओं का शीघ्र एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा क इससे कुंभ मेले के आयोजन के दृष्टिगत आवश्यक अवस्थापना सुविधाओं के विकास में भी सहायता मिलेगी।

चार बच्चों और मां का हत्यारा मुठभेड़ में ढेर

अंबेडकरनगर, अमृत विचार। चार मासूम बच्चों और उनकी मां की हत्या के आरोपी आमिर को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। मुठभेड़ सोमवार सुबह टांडा-बांदा हाईवे किनारे अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में हुई। मुठभेड़ में एसओजी प्रभारी विनोद यादव के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। पुलिसकर्मी जाकिर हुसैन और एसआई राजेश यादव भी घायल हुए हैं, जो जिला अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस के अनुसार आरोपी आमिर हत्या और दुष्कर्म के मामलों में जमानत पर है। बता दें कि अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में बीते दो मई को चार मासूम भाई-बहनों की बेरहमी से ईंट से कूचकर हत्या की गई थी। घटना के बाद बच्चों की मां गासिया खातून संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी।

टिप्पणी

ईडी को नोटिस जारी नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही कार्यालय के अधिकारियों पर साधा निशाना

रजिस्ट्री कार्यालय के अधिकारी खुद को समझते हैं सुपर सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही रजिस्ट्री कार्यालय पर निशाना साधते हुए उसके रवैये को अनुचित करार दिया और कहा कि उसके अधिकारी खुद को सुपर सीजेआई समझते हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने 37,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धोखाधड़ी के मामले में आरोपी आयुषी मित्तल उर्फ आयुषी अग्रवाल द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

सीजेआई ने याचिका पर 23 मार्च को पारित एक आदेश का हवाला दिया और आश्चर्य जताया कि रजिस्ट्री अधिकारियों ने यह कैसे समझा कि पीठ ने याचिका पर ईडी और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी नहीं किया। सीजेआई ने कहा, रजिस्ट्री ने बिल्कुल अनुचित व्यवहार किया है। रजिस्ट्री का यह रवैया बिल्कुल ठीक नहीं है। यहां बैठा हर व्यक्ति खुद को 'सुपर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया' समझता है। पीठ ने अपने नए आदेश में कहा, ईडी निदेशक को कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है और कहा गया कि ऐसा कोई आदेश पारित नहीं किया गया था। (शीर्ष अदालत के) न्यायिक रजिस्ट्रार इस बात का तथ्यान्वेषण करें कि 23 मार्च के हमारे आदेश का अर्थ ईडी को नोटिस जारी न करना कैसे है। प्रवर्तन निदेशालय को नोटिस भेजा जाए। याचिकाकर्ता आयुषी मित्तल, उनके पति और उनकी कंपनी पर बड़े पैमाने पर निवेश संबंधी धोखाधड़ी करने के आरोप हैं। बचाव पक्ष का दावा है कि निवेशकों को धनराशि का एक बड़ा हिस्सा लौटा दिया गया है, लेकिन फिलहाल ईडी द्वारा 'फ्रीज' किए गए बैंक खातों में कई सौ करोड़ रुपये फंसे हुए हैं।

- **37,000 करोड़ के निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए की टिप्पणी**

पीठ ने 23 मार्च को ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने का दिया था आदेश

पीठ ने 23 मार्च के अपने आदेश में मामले में पक्षकार राजस्थान सरकार के वकील द्वारा ईडी को कार्यवाही में पक्षकार बनाने के मौखिक अनुरोध को स्वीकार कर लिया था। इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना था कि याचिकाकर्ता और उसके परिवार से संबंधित सभी चल और अचल संपत्ति को विधिवत कुर्क किया गया है या नहीं। पीठ ने दोहराया कि संपत्ति का ''विस्तृत विवरण'' प्रदान किए जाने तक वह जमानत याचिका के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए कानूनी प्रतिनिधि को याचिकाकर्ता, उसके पति, उनके बच्चों, माता-पिता, भाई-बहनों और सास-ससुर की अचल संपत्ति का विस्तृत ब्योरा देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। अदालत ने कंपनी के निदेशकों, प्रबंधकों और प्रमुख कर्मचारियों की संपत्ति का विवरण भी मांगा था। पीठ ने कहा था, जब तक ये संपूर्ण विवरण उपलब्ध नहीं कराए जाते, हम जमानत याचिका पर विचार नहीं करेंगे। न्यायिक रजिस्ट्रार को रजिस्ट्री के भीतर प्रशासनिक चूक की जांच करने का कार्य सौंपा गया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अदालत के पिछले निर्देशों की अनदेखी क्यों की गई। पीठ ने कहा कि वह याचिका को मई में किसी दिन सूचीबद्ध करेगी।

स्टेट ब्रीफ

लैब तकनीशियनों को संशोधित वेतनमान देने का आदेश

नैनीताल : उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य के लैब तकनीशियनों के हक में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए उन्हें वर्ष 2010 से संशोधित वेतनमान देने का आदेश दिया है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा दायर विशेष अपील को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लैब तकनीशियन भी उसी वेतनमान के हकदार हैं जो डेंटल हाइजीनिस्ट और एक्स-रे तकनीशियनों को दिया जा रहा है। यह मामला मुख्य रूप से माधव प्रसाद डोभाल और अन्य द्वारा दायर रिट याचिका से संबंधित था, जिसमें उन्होंने 17 दिसंबर 2015 के सरकारी आदेश को चुनौती दी थी।

कांस्टेबल की विधवा को बीमा लाभ देने का निर्देश

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की अपील को खारिज करते हुए मृतक कांस्टेबल की विधवा को 25 लाख रुपए का बीमा लाभ देने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक कमियों के कारण किसी लाभार्थी को उसके वैध अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। मृतक कांस्टेबल नरेंद्र सिंह नेगी की अगस्त 2021 में एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनकी पत्नी दमयंती नेगी ने बैंक की कॉम्पलिमेंट्री पुलिस एक्सीडेंटल डेथ इंश्योरेंस कवर योजना के तहत 25 लाख रुपये के दावे के लिए आवेदन किया था।

ढोल-नगाड़ों पर नाचे भाजपाई, बांटी मिठाई

पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी में भाजपा की जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, आतिशबाजी की

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पश्चिम बंगाल, असम और पांडुचेरी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी और मिठाई बांट कर जश्न मनाया।

सोमवार को मुखानी स्थित कुमाऊं संभाग कार्यालय में कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। जहां उन्होंने मिष्ठान वितरण और आतिशबाजी के बीच ढोल-नगाड़ों पर डांस कर विजय का जश्न मनाया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने कहा कि असम, पांडुचेरी और पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने यह सिद्ध कर दिया कि देश की जनता का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गहरा विश्वास है। यह विजय उन विपक्षियों के लिए मुंहतोड़ जवाब है, जो तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास रखते हैं। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री सुरेश भट्ट , ध्रुव रौतेला, कौस्तुभानंद जोशी, जिला महामंत्री रंजन बर्गली, विनीत अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, प्रतिभा जोशी, प्रताप बोहरा, प्रगति जैन आदि रहे।

इधर, लालकुआं में भी असम और पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत से सरकार बनने पर लालकुआं में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई। इस अवसर पर कोतवाली तिराहे पर मिष्ठान वितरण कर जश्न मनाया गया। इस दौरान क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन बिष्ट, मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, दीवान सिंह बिष्ट, बॉबी संभल, राजकुमार सेतिया, नारायण बिष्ट, अरुण प्रकाश, विनोद श्रीवास्तव, ओमपाल कश्यप मौजूद रहे।

बंगाल समेत तीन राज्यों में भारी जीत पर हल्द्वानी में मिठाई खिलाकर हर्ष जताते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

नैनीताल में गदगद नजर आए भाजपा समर्थक

नैनीताल : पश्चिम बंगाल और असम समेत अन्य राज्यों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद नैनीताल में पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर जीत की बधाई दी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत देश की जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों की जीत है। उन्होंने इसे पार्टी की नीतियों और जनसमर्थन का परिणाम बताया। जश्न के दौरान शांति मेहरा, विमला अधिकारी, आशीष बजाज, मनोज जोशी, भारत मेहरा, हेमंत बेदी, पूरन बेस्ट, भगवत रावत, शैलेंद्र बर्गली, भूपेंद्र बेस्ट, आनंद बेस्ट, अरविंद पडियार, मनोज कुमार, संतोष शाह, युवराज, शालू बेस्ट, मोहित लाल शाह, हरीश राणा, कैलाश मिश्रा, भुवन आर्य, कमल जोशी, राहुल जोशी और ज्योति ढोंडियाल रहे।

नैनीताल में पश्चिम बंगाल में जीत पर खुशी जताते भाजपाई। ● अमृत विचार

भारत से तोड़ने का काम कर रही थीं ममता

नैनीताल : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। इसी क्रम में नैनीताल पहुंचे आचार्य प्रमोद कृष्णन ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी बंगाल को भारत से अलग करने की दिशा में काम कर रही थीं, लेकिन राज्य की जनता ने समय रहते इसे समझकर भाजपा को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि यदि इस बार भी तृणमूल कांग्रेस की सरकार बनती, तो देश की एकता और अखंडता को खतरा पैदा हो सकता था। आचार्य प्रमोद कृष्णन ने कहा कि बंगाल रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की भूमि है, जहां देशविरोधी विचारों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। भाजपा की जीत को उन्होंने देश की एकता के लिए महत्वपूर्ण बताया और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व पर जनता के भरोसे का परिणाम कहा। उन्होंने अपने बयान में धार्मिक संदर्भ जोड़ते हुए कहा कि बंगाल में सतयुग की शुरुआत हो चुकी है।

रामनगर में मिष्ठान वितरण करते भाजपाई। ● अमृत विचार

रामनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई

रामनगर : बंगाल और असम में भाजपा की जीत के बाद रामनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई। लखनपुर चौक और बाजार सहित कई स्थानों पर मिष्ठान वितरण किया गया और आतिशबाजी कर जीत का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का प्रभाव जारी है। दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में एक बार फिर भाजपा का परचम लहराएगा। राकेश नैनवाल, भूपेंद्र सिंह खाती, मदन जोशी, सलभ मित्तल, गणेश रावत, रुचि गिरी शर्मा, नीमा मठपाल, संजय डोर्बी, सत्य प्रकाश शर्मा, भगीरथ लाल चौधरी, भावना भट्ट, ममता पांडे, अंजना सुंदरीयाल रहे।

कालाढूंगी में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कालाढूंगी में भी दिखा कार्यकर्ताओं में उत्साह

कालाढूंगी : पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की जीत पर कालाढूंगी में कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता बस अड्डे पर एकत्रित हुए और भारत माता की जय के नारों के बीच एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं में खास तौर पर पश्चिम बंगाल के परिणामों को लेकर उत्साह देखा गया। मंडल अध्यक्ष विक्रम जंतवाल ने कहा कि असम, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर गहरा विश्वास जताया है। हरीश मेहरा, कुंदन बसेड़ा, कैलाश बुढलाकोटी, सुच्चा सिंह, दयानंद आर्या, गोपाल बिष्ट, गोपाल बुढलाकोटी, ललित कांडपाल, दीवान बिष्ट रहे।

चिन्हीकरण, रेस्क्यू व पुनर्वास प्रक्रिया को गंभीरता से करें पूरा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बाल श्रम उन्मूलन को लेकर सोमवार को उप श्रम आयुक्त कार्यालय के सभागार में एक समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य योगेश सिंह रजवार ने की। समीक्षा बैठक के दौरान आयोग के सदस्य ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए चल रहे प्रयासों को और तेज करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बाल श्रम की रोकथाम के लिए चिन्हीकरण, रेस्क्यू और पुनर्वास की सभी प्रक्रियाओं को गंभीरता और दक्षता के साथ पूरा किया जाए। इसके साथ ही कूड़ा बीनने वाले, गुब्बारे-पेन आदि बेचने वाले और भीख मांगने वाले बच्चों पर विशेष निगरानी रखने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास करने पर जोर दिया गया।

कहा कि बाल श्रम उन्मूलन के कार्य में सक्रिय लोगों को जिला टास्क फोर्स से जोड़ा जाए ताकि अभियान को और मजबूती मिल सके। बैठक में उप श्रम आयुक्त कमल जोशी, सहायक श्रम आयुक्त आशा पुरोहित, श्रम प्रवर्तन अधिकारी संजीव कण्डारी, दिनेश कटियार, राबिया परवीन, किरन पंत सहित अश्रम विभाग, पुलिस विभाग महिला व बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

श्रम कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

फार्मासिस्ट के घर से लाखों के जेवर साफ

हल्द्वानी : देवलचौड़ क्षेत्र में चोरों ने फार्मासिस्ट के घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

रामपुर रोड स्थित देवलचौड़ निवासी फार्मासिस्ट मनोज कुमार जोशी ने पुलिस को बताया कि वह बीती एक अप्रैल को परिवार सहित अपने पैतृक गांव कोटाबाग गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोर उनके घर में घुस आए और घर में रखे करीब 15 तोले से अधिक सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए।

परिवार जब वापस लौटा तो घर का सामान बिखरा मिला और जेवर गायब थे। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में संदिग्ध गतिविधियां कैद हुई हैं। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले में तहरीर मिली है। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने लंबित मामलों में शीघ्र प्रगति लाने के दिए निर्देश
- सीएम ने की अल्मोड़ा जिले विकास घोषणाओं की समीक्षा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को अल्मोड़ा जनपद के विधानसभा क्षेत्र सल्ट, रानीखेत, सोमेश्वर एवं जागेश्वर से संबंधित विभिन्न विकास घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के संतुलित विकास के लिए प्रतिबद्ध है और दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जिन घोषणाओं पर शासनादेश जारी हो चुके हैं, उनके कार्यों में तेजी लाई जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा के दौरान विधानसभा क्षेत्र सोमेश्वर की कुल 90 घोषणाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। इनमें बड़ी संख्या में घोषणाओं पर शासनादेश जारी किए जा चुके हैं तथा अनेक कार्यों पर तेजी से कार्यवाही चल रही है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से पेयजल, सिंचाई, चिकित्सा-स्वास्थ्य, विद्यालयी शिक्षा, ऊर्जा, कृषि एवं कृषक कल्याण सहित विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित मामलों में शीघ्र प्रगति लाने के निर्देश दिए।

विधानसभा क्षेत्र सल्ट की कुल 69 घोषणाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अनेक घोषणाओं पर शासनादेश जारी कर कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने धर्मस्व, ग्राम्य विकास, चिकित्सा-स्वास्थ्य, पर्यटन, लोक निर्माण, शिक्षा एवं शहरी विकास से जुड़े लंबित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधानसभा क्षेत्र रानीखेत की कुल 33 घोषणाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, पर्यटन, सिंचाई, स्वास्थ्य, खेल और आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाएं स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपूर्ण एवं लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए।

जवान लापता, पत्नी ने दर्ज कराई गुमशुदगी

हल्द्वानी: आईआरबी में तैनात एक जवान के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। जवान की पत्नी ने चोरगलिया थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। भगवतपुर निवासी कामना बिष्ट ने पुलिस को बताया कि उनके पति दिलीप सिंह बिष्ट आईआरबी बैलपड़ाव में तैनात हैं। वह बीती 9 मार्च को ड्यूटी के दौरान कुछ समय के लिए घर आए थे। दोबारा ड्यूटी पर जाने की बात कहकर निकले और फिर लौट कर नहीं आए। पत्नी के अनुसार पति के पास मोबाइल फोन नहीं होने के कारण उनसे संपर्क भी नहीं हो सका। जानकारी तब हुई जब 24 मार्च को विभागीय कार्रवाई से संबंधित पत्र घर पहुंचा। पत्र के जरिए पता चला कि दिलीप सिंह ड्यूटी पर उपस्थित नहीं हैं। इसके बाद विभाग की ओर से दो नोटिस मिलने से परिवार की चिंता और बढ़ गई।

सीलबंद भवन में कारोबार मकान मालिक पर मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण ने नियमों को ताक पर रखकर सीलबंद भवन में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित किए जाने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। प्राधिकरण की ओर से थाना मुखानी में तहरीर देकर भवन स्वामी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

प्राधिकरण के सहायक अभियंता सुधांशु सिंह की तहरीर के अनुसार छड़ायल नयाबाद स्थित गैस गोदाम रोड निवासी भुवन चंद्र चौबे ने स्वीकृत मानचित्र से अलग निर्माण कराया। आरोप है कि करीब 350 वर्ग मीटर क्षेत्र में प्रयोजन परिवर्तन करते हुए सेटबैक और मार्गाधिकार का उल्लंघन कर भूतल और प्रथम तल पर व्यावसायिक निर्माण किया गया। मामले में वर्ष 2023 में उत्तराखंड नगर एवं ग्राम नियोजन तथा विकास अधिनियम के तहत वाद भी दर्ज किया गया था। इसके बाद 13 जून 2023 को प्राधिकरण की ओर से भवन को यथास्थिति में सीलबंद कर दिया गया था। तहरीर में कहा गया है कि सीलिंग की कार्रवाई के बावजूद भवन स्वामी ने निर्माण कार्य पूरा कर लिया और वहां व्यवसायिक गतिविधियां भी शुरू कर दीं। इसे सरकारी कार्रवाई की अवहेलना माना गया। मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

हाथी के हमले में मारे गए व्यक्ति का पोस्टमार्टम हुआ

हल्द्वानी : लालकुआं के टांडा रेंज क्षेत्र में हाथी के हमले में जान गंवाने वाले अज्ञात व्यक्ति के शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार कर दिया।

घटना 28 अप्रैल की रात पहाड़ी खत्ता क्षेत्र की है, जहां हाथी ने झोपड़ी के बाहर सो रहे झारखंड निवासी पहरेदार बांधो प्रजापति और एक अन्य व्यक्ति को कुचल दिया था। हमले में दोनों की मौत हो गई थी। बांधो प्रजापति के परिजन शव को पोस्टमार्टम के बाद झारखंड ले गए, जबकि दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष थी और वह मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा था। 72 घंटे तक पहचान नहीं होने पर पुलिस ने नियमानुसार शव का अंतिम संस्कार करा दिया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्टों का भारत बंद का ऐलान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: केमिस्ट भवन में दवा व्यापारियों की बैठक हुई, जिसमें ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध को लेकर चर्चा हुई। बैठक में आगामी 20 मई को प्रस्तावित भारत बंद का समर्थन करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। व्यापारियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से स्थानीय मेडिकल स्टोरों के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है और इससे दवा वितरण की पारंपरिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

बैठक में बंद को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई और सभी व्यापारियों से इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में बंद का समर्थन करते हुए इसे सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजकुमार सेतिया, हल्द्वानी के अध्यक्ष गोपाल सिंह अधिकारी, गिरीश जोशी, संतोष तिवारी, अमित मिश्रा, चंद्रशेखर दानी, नरेंद्र साहनी, प्रेम मदान, चंद्र शेखर पंत, उमेश जोशी, राजकुमार अग्रवाल, विशाल साहनी, राकेश राणा और गोविंद अग्रवाल सहित कई दवा व्यापारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान मौजूद दवा व्यापारी। ● अमृत विचार

ओखलकांडा के बीडीओ का डिमोशन, बनाया एबीडीओ

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नैनीताल डीएम ललित मोहन रयाल ने प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों में लापरवाही, उदासीनता बरतने पर बीडीओ का डिमोशन कर एबीडीओ बना दिया है।

अधिकारियों के अनुसार, ओखलकांडा ब्लॉक में बीडीओ देशराज से संबंधित एक प्रकरण आया जिसमें विभागीय कार्यों में लापरवाही, उदासीनता बरतने की शिकायत थी। इसके बाद डीएम ने सीडीओ अरविंद कुमार पांडे को जांच के निर्देश दिए। सीडीओ ने प्रकरण की विस्तृत जांच की जिसमें खंड विकास अधिकारी पर लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सत्य पाए गए। जांच में शासकीय कार्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं कर्तव्यों के प्रति उदासीनता परिलक्षित होने के फलस्वरूप सीडीओ की ओर से बीडीओ के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की गई। तदनुसार, बीडीओ देशराज को ओखलकांडा से तत्काल प्रभाव से हटाते हुए सहायक खंड विकास अधिकारी के पद पर डिमोट कर दिया और उनका ट्रांसफर रामनगर में किया गया है। इसी के साथ ही सीडीओ ने रामनगर में तैनात एबीडीओ कुंवर सिंह सामंत को तत्काल प्रभाव से ओखलकांडा का प्रभारी बीडीओ बनाया है। डीएम रयाल ने स्पष्ट किया कि जनपद में किसी भी स्तर पर शासकीय कार्यों में लापरवाही अथवा अनुशासनहीनता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आस्था | यात्रा को लेकर कुमाऊं मंडल विकास निगम ने तैयारियां पूरी कीं

8 मई को पहला दल आदि कैलास को होगा रवाना

- पहले दल में शामिल होंगे 20 यात्री
- आदि कैलास यात्रा के लिए अब तक कुल 80 यात्रियों ने कराया है पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं मंडल विकास निगम ने हल्द्वानी से आदि कैलास यात्रा की तैयारियां पूरी कर ली हैं। पहला दल रवाना होने में अब महज तीन दिन ही बाकी हैं, आठ मई को पहला दल रवाना होगा।

कुमंविनि अधिकारियों के अनुसार, आदि कैलास यात्रा के लिए अब तक 80 यात्रियों ने पंजीयन कराया है। हल्द्वानी से रवाना होने वाले पहले में 20 यात्री हैं इनमें 13 महिलाएं व 7 पुरुष शामिल हैं। यह दल आठ मई को सुबह आठ बजे तिकोनिया स्थित लोनिवि विश्राम गृह से रवाना होगा। यह दल हल्द्वानी से कैंचीधाम, गोलज्यू देवता, जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद पर्यटक आवास गृह जागेश्वर में दर्शन करेगा। फिर पिथौरागढ़ के लिए रवाना होगा। यात्रा के दौरान यात्रियों को उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक परंपरा और स्थानीय संस्कृति से भी रूबरू कराया जाएगा।

नौ दिवसीय होगी आदि कैलास यात्रा

हल्द्वानी : आठ मई को हल्द्वानी से शुरू होने वाली यात्रा नौ दिवसीय होगी। इसमें यात्री हल्द्वानी से पिथौरागढ़, धारचूला, गुंजी, नाभीढांग और ज्योलिंगकॉन्ग तक पहुंचेंगे। यहां पवित्र आदि कैलास व ऊं पर्वत के दर्शन करेंगे। फिर उनकी वापसी मुनस्यारी, चौकोड़ी और अल्मोड़ा के पर्यटन स्थलों से होगी।

> आदि कैलास यात्रा के लिए कुमाऊं मंडल विकास निगम की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। अब तक 80 यात्रियों ने पंजीयन कराया है। पहला दल 20 यात्रियों का है जो आठ मई को हल्द्वानी से रवाना होगा। **-विजय नाथ शुक्ला**
> महाप्रबंधक, कुमाऊं मंडल विकास निगम

मंत्री ने बस यात्रियों की सुविधा को परखा

देहरादून : परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने सोमवार को उत्तराखंड परिवहन निगम के कुल्हान, सहस्त्रधारा स्थित मुख्यालय का दौरा किया। इस मौके पर उन्होंने निगम की कार्यप्रणाली, यात्री सुविधाओं तथा परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता परखी।

मंत्री ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की, जिसमें तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें बस अड्डों की निर्माणाधीन परियोजनाएं, बस सेवाओं की समयबद्धता एवं दक्षता में सुधार, यात्रियों की सुविधा को आधुनिक तकनीकों का उपयोग, इलेक्ट्रिक एवं पर्यावरण अनुकूल वाहनों को बढ़ावा, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कनेक्टिविटी मजबूत करना और कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कार्य परिस्थितियों में सुधार शामिल रहा।

विश्व अग्निशमन दिवस पर हल्द्वानी स्थित फायर स्टेशन में फायर फाइटर्स की टीम। ● अमृत विचार

वसुंधरा झील को पायलट साइट के रूप में किया जाएगा विकसित

देहरादून : वसुंधरा झील को एक पायलट साइट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम एवं मॉनिटरिंग मैकेनिज्म स्थापित किए जाएंगे। वाडिया संस्थान के इस मॉडल को भविष्य में अन्य संवेदनशील ग्लेशियल झीलों पर भी लागू करने की योजना है, जिससे राज्य में ग्लेशियर झीलों से जोखिम प्रबंधन को वैज्ञानिक एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ किया जा सके। यह जानकारी सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने शासन की एक बैठ में दी। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में भूकम्प पूर्व चेतावनी प्रणाली, राष्ट्रीय भूकम्प जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम आदि कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

सिटी इंवेट्स

● अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग के जीएनजी मैदान दो मुकाबले खेले जाएंगे सुबह 10 बजे से।

सिटी ब्रीफ

गौला का जलस्तर बढ़ा 225 क्यूसेक पहुंचा

हल्द्वानी: सोमवार की मध्य रात्रि करीब 2 बजे से शुरू हुई तेज बारिश का सिलसिला सोमवार सुबह 9 बजे तक लगातार जारी रहा। मूसलाधार बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं नदियों के जलस्तर में भी तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई। बारिश के असर से गौला नदी का जलस्तर बढ़ गया। बारिश से पहले जहां पहले जलस्तर करीब 95 क्यूसेक था, वहीं लगातार बारिश के बाद यह बढ़कर 225 क्यूसेक पहुंच गया हैं। सिंचाई विभाग की टीमें हालात पर नजर बनाए हुए हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

दो दिन की बारिश में बने गड्ढों ने बढ़ाई मुसीबत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: लगातार दो दिन हुई बारिश के बाद देवीधूरा-बसानी 32 किलोमीटर मार्ग की हालत और खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे उभर आए हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है। कई स्थानों पर सड़क की परत उखड़ चुकी है वहीं कई हिस्सों में सड़क धंस रही है।

बता दें कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2023 में करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से देवीधूरा बसानी मार्ग का निर्माण किया गया था। निर्माण के बाद इसे नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग के विकल्प के रूप में विकसित करने की योजना थी, लेकिन पहली ही बरसात में सड़क कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गई। वर्ष 2024 और 2025 की बारिश में भी सड़क बार-बार टूटती रही। इधर दो दिन की बारिश में सड़क में कई स्थानों पर गड्ढे उभर आए हैं। जिसके चलते लोगों को वाहन चलाने में दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश का पानी गड्ढों में भर जाने से वाहन चालकों को सड़क की वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लग पा रहा। खासकर रात में पापड़ी, बोहरागांव, कोट, मौना, बाना, नाइसेला और बेल गांवों के घर लौटने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले सड़क के गड्ढों को भरा जाए और कमजोर हिस्सों की मरम्मत की जाए।

रामगढ़-धारी से आ रहे आड़ू, खुमानी व आलूबुखारा, स्वाद और सेहत दोनों के लिए बेहतर माने जाते हैं सीजनल फल

हल्द्वानी बाजार में छाई ताजा पहाड़ी फलों की बहार

- नजदीकी पर्वरीय क्षेत्रों से आने वाले फलों की गुणवत्ता है बेहतर
- रामगढ़ का आड़ू अपने बड़े आकार व बेहतरीन स्वाद के लिए है प्रसिद्ध

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर के मुख्य बाजार में इन दिनों पहाड़ों से आने वाले ताजे फलों की बहार देखने को मिल रही है। रामगढ़, धारी, भीमताल, ओखलकांडा और अल्मोड़ा जनपद से आड़ू, आलूबुखारा (प्लम) और खुमानी बड़ी मात्रा में हल्द्वानी मंडी पहुंच रहे हैं। इन फलों ने बाजार में अपनी खास पहचान बना ली है और खरीदारों की पहली पसंद बने हुए हैं।

हल्द्वानी बाजार में पहुंचा रामगढ़ का आड़ू, खरीदारी करती महिला। ● अमृत विचार

व्यापारी विशाल ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ इन मौसमी फलों की मांग में तेजी आई है। शहर के बाजारों में आड़ू, प्लम और खुमानी हर जगह आसानी से उपलब्ध हैं। रामगढ़, नथुवाखान और गरमपानी जैसे पर्वतीय क्षेत्रों में इन फलों की अच्छी पैदावार होने से बाजार में ताजगी और गुणवत्ता बनी रहती है। पहाड़ी फलों का स्वाद मैदानी इलाकों के फलों की तुलना में अधिक मीठा और रसीला होता है। खासतौर पर रामगढ़ का आड़ू अपने बड़े आकार और बेहतरीन स्वाद के कारण ग्राहकों को खूब आकर्षित कर रहा है। यही वजह है कि लोग इन फलों को खरीदने के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं।

कीमतों की बात करें तो आड़ू लगभग 100 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से बिक रहा है, जबकि खुमानी और आलूबुखारा 100 से 120 रुपये प्रति किलोग्राम तक उपलब्ध हैं। स्वाद के साथ-साथ ये फल स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माने जाते हैं।

सेहत के लिए भी वरदान

हल्द्वानी: पहाड़ी फल न केवल स्वाद में श्रेष्ठ होते हैं, बल्कि गर्मियों में शरीर के लिए भी अत्यंत लाभदायक हैं। इनमें पानी की प्रचुर मात्रा और आवश्यक विटामिन पाए जाते हैं, जो शरीर को तरोताजा रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक होते हैं। बेस अस्पताल के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र भट्ट के अनुसार मौसमी फल प्राकृतिक रूप से शुद्ध होते हैं और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, इसलिए इन्हें आहार में शामिल करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

हल्द्वानी में आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त

सोमवार तड़के करीब सात घंटे हुई भारी बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव, लोगों को करना पड़ा दिक्कतों का सामना

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः मौसम विभाग के ऑरेंज अलर्ट के बाद शहर में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि करीब 2 बजे से सुबह 9 बजे तक तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। लगातार बारिश के चलते शहर के निचले इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति बन गई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया और यातायात प्रभावित रहा। लोगों को दैनिक कार्यों के लिए घरों से निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर जाम की स्थिति भी बनी रही।

इसी बीच हीरानगर क्षेत्र की संजय कॉलोनी में सोमवार सुबह करीब 4 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब गोविंद सिंह बिष्ट के मकान पर आकाशीय बिजली गिर गई। तेज धमाके के साथ गिरी बिजली से मकान की छत का लेंटर क्षतिग्रस्त होकर नीचे आ गिरा। मलबा गिरने से गली में खड़ी एक कार बुरी तरह दबकर क्षतिग्रस्त हो गई। गोविंद बिष्ट ने बताया कि घटना के समय तेज बारिश के साथ गरज-चमक हो रही थी। गनीमत रही कि हादसे के वक्त परिवार के सदस्य सुरक्षित स्थान पर थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। लगातार बारिश का असर ग्रामीण क्षेत्रों और बागवानी पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। यदि बारिश का यह दौर जारी रहा तो सेब, आड़ू सहित अन्य बागवानी फसलों को नुकसान की आशंका है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन की टीमें स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। जलभराव वाले क्षेत्रों में पानी निकासी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं और नुकसान का आकलन भी शुरू कर दिया गया है। हल्द्वानी तहसीलदार कुलदीप पांडे ने बताया कि जरूरत पड़ने पर राहत और बचाव कार्यों को और तेज किया जाएगा।

हल्द्वानी के हीरानगर क्षेत्र में घर पर बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त हुई छत। ● अमृत विचार

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें, अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संबंधित विभागों को सूचना दें।

जिला प्रशासन ने किया बरसाती नालों का निरीक्षण

हल्द्वानी: जिला प्रशासन ने मानसून से पूर्व बरसाती नालों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि तीनों नालों में संवेदनशील स्थलों को चिन्हित किया गया। देवखड़ी नाले में शुरूआती स्थान पर ही तीन भिन्न भिन्न स्थानों पर चेक डैम बनाना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त इस नाले का चैनेलाइजेशन किया जाना जरूरी है। यह नाला इन स्थानों पर रामनगर वन डिवीजन के अंतर्गत आता है। इस संबंध में वन विभाग और सिंचाई विभाग को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्व के भूमि के अंतर्गत रकसिया नाले में रिवर ड्रेजिंग नीति के तहत प्रक्रिया गतिमान है। कलसिया नाले में भी सिंचाई विभाग और वन विभाग को चैनेलाइजेशन के लिए निर्देशित किया गया। एसडीएम प्रमोद कुमार ने सोमवार को देवखड़ी, कलसिया और रकसिया नाले का निरीक्षण किया। निरीक्षण में राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता और खनन विभाग के अधिकारी जिला खान अधिकारी उपस्थित थे।

आंधी-तूफान से बिजली ठप, परेशान रहे लोग

हल्द्वानी: सोमवार सुबह आई तेज आंधी-तूफान और बारिश ने शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। कई स्थानों पर बिजली की लाइनें टूट गईं, जबकि कुछ जगहों पर पेड़ गिरने से आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही। इससे उपभोक्ताओं को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। शहरी क्षेत्र के नवाबी रोड में सोमवार सुबह करीब 4 बजे बिजली की लाइन पर पेड़ गिरने से आपूर्ति ठप हो गई। इसके चलते सुबह 9 बजे तक क्षेत्र में बिजली गुल रही, जिससे लोगों को दैनिक कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी कठघरिया, कमलुवागांजा, कुसुमखेड़ा और फूलचौड़ क्षेत्रों में रात करीब 3 बजे से सुबह 7:30 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर बिजली की लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। ऊर्जा निगम के ग्रामीण क्षेत्र के अधिशासी अभियंता (ईई) एसके गुप्ता ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण कई जगहों पर लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं। विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुट गईं जिसके बाद आपूर्ति बहाल की गई। ईई एसके गुप्ता ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान लोग सतर्कता बरतें।

मई में पूरे उत्तराखंड में बारिश ने तोड़े रिकॉर्ड

हल्द्वानी: मई माह में पूरे उत्तराखंड में बारिश हो रही है। कई जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। पौड़ी में सामान्य से 10 गुना, चंपावत में आठ गुना, नैनीताल और टिहरी जिले में सामान्य से पांच गुना बारिश हो चुकी है। यही नहीं पश्चिमी विक्षोभ अभी 9 मई तक सक्रिय रहने के आसार हैं। पहाड़ में दिसंबर-जनवरी जैसी कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो वहीं मैदानी इलाकों में मौसम सुहावना बना है।

ऑरेंज अलर्ट के चलते पुलिस व प्रशासन सतर्क

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- एसएसपी ने बिना वजह यात्रा करने से परहेज करने को कहा
- आपात स्थित में पुलिस को त्वरित कार्रवाई के दिए हैं निर्देश

अमृत विचार: जिले में लगातार बिगड़ते मौसम और मौसम विभाग की ओर से जारी ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने सभी थाना प्रभारियों, सर्किल अधिकारियों और एसडीआरएफ टीमों को आपदा से निपटने के लिए हर समय तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

डॉ. मंजूनाथ टीसी।

एसएसपी ने कहा है कि भारी बारिश के चलते जिले के कई क्षेत्रों में भूस्खलन, पहाड़ों से पत्थर गिरने, जलभराव और सड़क मार्गों पर तेज बहाव जैसी स्थितियां बन सकती हैं। ऐसे में किसी भी सूचना पर पुलिस और राहत टीमें बिना देरी मौके पर पहुंचें और तत्काल राहत कार्य शुरू करें।

पुलिस ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों से अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। एसएसपी ने लोगों को अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी-नालों और संवेदनशील इलाकों से दूर रहने की सलाह दी है। साथ ही वाहन चालकों से खराब मौसम के दौरान धीमी गति से वाहन चलाने और यात्रा से पहले मौसम व यातायात की जानकारी लेने को कहा गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस या आपदा नियंत्रण कक्ष को सूचना दें।

पूरे राज्य में सामान्य से ज्यादा हुई बारिश

हल्द्वानी: पश्चिमी विक्षोभ के चलते पूरे राज्य में पहाड़ से लेकर मैदान तक मूसलाधार बारिश हो रही है। कई जिलों में सामान्य से 10 गुना ज्यादा बारिश इस माह में दर्ज हो चुकी है।

अल्मोड़ा जिले में 50.1 मिमी, बागेश्वर जिले में 27.6 मिमी, चमोली जिले में 25.8 मिमी, चंपावत जिले में 52.3 मिमी, देहरादून जिले में 39 मिमी, पौड़ी जिले में 35.3 मिमी बारिश हो चुकी है। इसके अलावा टिहरी जिले में 49.3 मिमी, हरिद्वार जिले में 31.5 मिमी, नैनीताल जिले मे 68.2 मिमी, पिथौरागढ़ जिले में 34 मिमी, रुद्रप्रयाग जिले में 41.4 मिमी, यूएसनगर जिले में 59.5 मिमी, उत्तरकाशी जिले में 15.6 मिमी बारिश हुई है जबकि इन दिनों इन जिलों में औसतन पांच से सात मिमी ही बारिश होती है।

मई में मानसून जैसा बना मौसम

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में भारी बारिश का दौर जारी है। पिछले एक सप्ताह से बार-बार बारिश हो रही है। सोमवार तड़के भी बारिश का दौर शुरू हुआ और सुबह नौ बजे तक बारिश होती रही।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून का अनुमान लगातार सही साबित हो रहा है। सोमवार को नैनीताल जिले में भारी बारिश का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया था। रविवार की रात को ही मौसम बनने लगा और सोमवार तड़के बारिश का दौर शुरू हो गया। आसमान में काले बादल छा गए। बिजली कड़कने की आवाज से मौसम पूरा तूफानी बन गया। बारिश सुबह नौ बजे तक होती रही। सुबह के समय हल्द्वानी में ठंड का अहसास होने लगा। लोगों को यकीन ही नहीं आ रहा था कि यह मई माह चल रहा है। कुदरत ने ऐसा नजारा दिखाया कि मानसून का अहसास मई में ही होने लगा। हल्द्वानी में करीब 30 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया है। उधर पहाड़ों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 14.4 डिग्री रहा जो सामान्य से करीब 10 डिग्री कम है। यहां रात के समय पारा 5.9 डिग्री तक पहुंच रहा है। सर्द हवाएं चल रहीं हैं।

हल्द्वानी में बारिश के बाद सड़कों के गड्ढों में भरे पानी के बीच आवाजाही करते लोग।

मंडी में अभियान | कैल्शियम कार्बाइड के प्रयोग पर सख्ती, सब्जियों का रंग न बदलने के निर्देश

बिना लाइसेंस राइपनिंग चैंबर से पकाए जा रहे केले

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: फलों और सब्जियों में अप्राकृतिक रंगों के प्रयोग की जांच के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान चलाया। विभाग की टीम उपायुक्त खाद्य संरक्षा डॉ. राजेन्द्र सिंह कठायत के नेतृत्व में मंडी समिति पहुंची। समिति के अधिकारियों के साथ फलों और सब्जियों के नमूने लिए गए। यहां पता चला कि फल विक्रेता फलों को बिना लाइसेंस पका रहे हैं।

विशेष अभियान के तहत नवीन कृषि और फल सब्जी मंडी से फल व सब्जी के थोक व फुटकर विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों से एक नमूना पपीते का, एक नमूना केले का लिया गया। इनके नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके अतिरिक्त नवीन कृषि और फल सब्जी मंडी में निरीक्षण के दौरान टीम ने देखा कि एक खाद्य पदार्थ कारोबारी केले को पकाने के लिए राइपनिंग चैंबर का इस्तेमाल कर रहा है लेकिन उसके पास चैंबर का एफएसएसएआई लाईसेंस पंजीकरण नहीं था। तुरंत ही विभाग ने नोटिस जारी किया। उपायुक्त खाद्य संरक्षा डॉ. कठायत ने फलों, सब्जी विक्रेताओं और आढ़तियों को आर्टिफिशल राइपनिंग चैंबर का प्रयोग न करने के निर्देश दिए और कहा कि सब्जियों का जैसा रंग है वैसा ही रखा जाए, इसे बदलने के लिए किसी भी प्रकार के कैमिकल का इस्तेमाल न करें। यह भी निर्देश दिए कि एफएसएसएआई द्वारा स्वीकृत एथिलीन रिपनर का ही प्रयोग करें और किसी भी सूरत में कैल्शियम कार्बाइड का प्रयोग न करें। सहायक आयुक्त अजब सिंह रावत ने कहा कि बाजार में बिक रहे कटे हुए फलों का सेवन न करें। इस दौरान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी हल्द्वानी अभय कुमार सिंह रहे।

मंडी में छापेमारी करती खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम। ● अमृत विचार

खुले में मीट-मांस बेचा तो होगी कार्रवाई

नगर निगम में व्यवस्था सुधार को लेकर मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने सोमवार को बैठक की। जिस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि शहर में कोई भी मीट-मांस विक्रेता खुले में मांस की बिक्री नहीं करेगा। मेयर ने कहा कि सभी विक्रेताओं को मांस को ढककर ही बिक्री के लिए रखना अनिवार्य होगा, ताकि स्वच्छता मानकों का पालन किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस आदेश का सख्ती से अनुपालन कराया जाए। नगर निगम ने चेतावनी दी है कि तीन दिनों के भीतर नियमों का पालन नहीं करने वाले मीट मांस विक्रेताओं के खिलाफ चालान सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

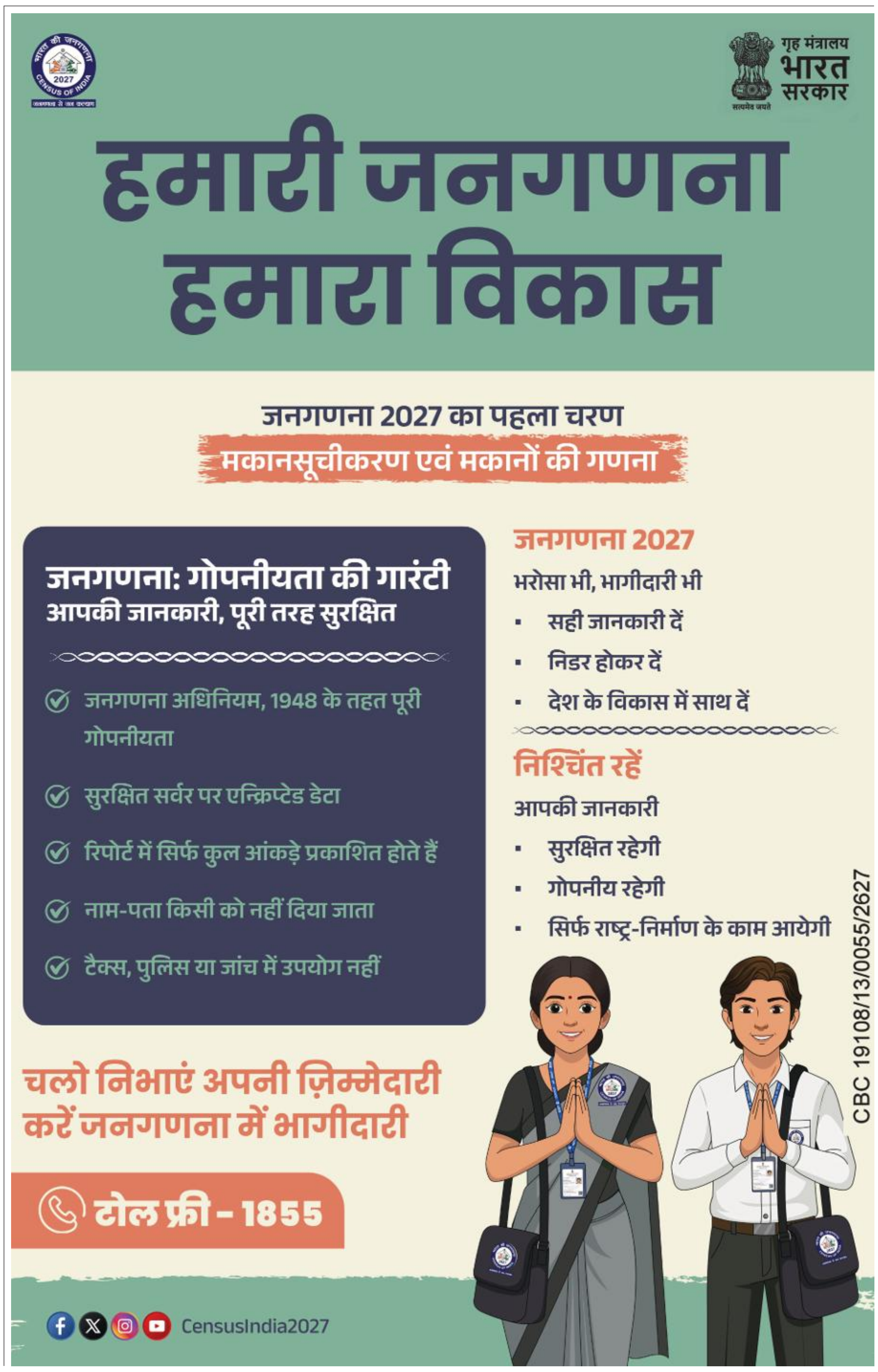

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

मनमानी पर 11 और स्कूलों को प्रशासन ने भेजे नोटिस

ज्यादा फीस लेने व निजी प्रकाशकों की किताबें थोपने का आरोप

संवाददाता, हल्द्वानी

निजी स्कूल का एआई फोटो।

अमृत विचार : जिले में निजी स्कूलों की मनमानी अब प्रशासन के निशाने पर है। महंगी किताबें, ज्यादा फीस लेने और नियमों का पालन न करने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डीएम ललित मोहन रयाल के निर्देश पर कार्रवाई तेज कर दी गई है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी गोविन्द राम जायसवाल इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। पहले हल्द्वानी, लालकुआं, रामनगर और भीमताल के 17 स्कूलों को नोटिस दिया गया था। अब कई और स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इनमें श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल रामनगर, ग्रीनवुड ग्लोबल स्कूल हल्द्वानी, ओकवार्ड पब्लिक स्कूल रामनगर, ग्रीन फील्ड एकेडमी रामनगर, मदर ग्लोरी पब्लिक स्कूल रामनगर, शाइनिंग स्टार स्कूल रामनगर, डी विटो स्कूल भवाली, महर्षि विद्या मंदिर भवाली, निर्मला कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल हल्द्वानी, क्वींस सीनियर सेकेंडरी स्कूल हल्द्वानी और द सनबीम पब्लिक स्कूल हल्द्वानी शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि कुछ स्कूल एनसीईआरटी के बजाय महंगी प्राइवेट किताबें खरीदने के लिए अभिभावकों पर दबाव बना रहे हैं। कुछ स्कूलों द्वारा खास दुकानों से ही कापी-किताबें खरीदने को कहा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह नियमों के खिलाफ है। स्कूलों को "नो प्रॉफिट, नो लॉस" के आधार पर चलना चाहिए, लेकिन कई जगह ऐसा नहीं हो रहा। मुख्य शिक्षाधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय में नियमों का पालन नहीं किया गया तो स्कूलों की मान्यता रद्द या सस्पेंड की जा सकती है। जुर्माना व अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। मामले की जांच के लिए ब्लॉक स्तर पर टीम बना दी गई है, जो जल्द रिपोर्ट देगी।

15 दिन में सुधार करें, नहीं तो होगी मान्यता रद्द

प्रशासन ने साफ कहा है कि सभी स्कूल 15 दिन के भीतर अपनी बुक लिस्ट ठीक करें, एनसीईआरटी की किताबों को प्राथमिकता दें, बेवजह की महंगी किताबें हटाएं और अपनी वेबसाइट पर फीस व बुक लिस्ट की पूरी जानकारी डालें। साथ ही स्कूलों को अभिभावकों से ज्यादा ली गई रकम वापस या एडजस्ट करनी होगी।

प्रदेश में अब ग्रीष्म और शीतकाल के अनुसार संचालित होंगे स्कूल

हल्द्वानी : प्रदेश के सभी राजकीय और निजी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के लिए नई समय-सारिणी लागू कर दी गई है। अब स्कूलों का संचालन ग्रीष्मकाल और शीतकाल के अनुसार अलग-अलग समय पर किया जाएगा। शासन के निर्देशों के अनुसार यह फैसला छात्रों की सुविधा, मौसम की स्थिति और पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

शासन से जारी आदेश के अनुसार, इससे पहले 6 अप्रैल को जारी समय-सारिणी में आंशिक संशोधन किया गया है और अब नई व्यवस्था तुरंत प्रभाव से लागू होगी। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि पढ़ाई के निर्धारित समय में किसी भी तरह की कटौती नहीं की जाएगी। ग्रीष्मकालीन समय-सारिणी 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक लागू होगी, जिसमें प्रार्थना सभा सुबह 7:15 से 7:30 बजे तक होगी, जिसके बाद कक्षाएं शुरू होंगी। स्कूल का संचालन दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। शीतकालीन समय-सारिणी 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक लागू की जाएगी, जिसमें ठंड के मौसम में स्कूल देर से खुलेंगे।

इस दौरान प्रार्थना सभा सुबह 8:45 से 9 बजे तक होगी, जिसके बाद नियमित कक्षाएं चलेंगी। शासन ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि नई समय-सारिणी का सख्ती से पालन किया जाए।

जयदेवपुर में पेयजल लाइन बिछाई पर सड़क नहीं बनाई

जयदेवपुर क्षेत्र का निरीक्षण करते भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत।

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- क्षेत्रवासियों ने विधायक प्रतिनिधि विकास भगत से की शिकायत
- विकास ने एक सप्ताह के भीतर मरम्मत के दिए निर्देश

अमृत विचार : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विकास भगत ने उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी के साथ सोमवार को आरटीओ रोड स्थित जयदेवपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों में पेयजल लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है, वहां तत्काल सड़क बनाई जाए।

जयदेवपुर में निरीक्षण के दौरान क्षेत्रवासियों ने विधायक प्रतिनिधि विकास भगत से शिकायती लहजे में बताया कि पेयजल लाइन बिछाने के लिए सड़क की खुदाई की थी लेकिन अभी तक सड़क की मरम्मत नहीं की गई है। जहां सड़क मरम्मत की जा रही है, उसकी रफ्तार बेहद धीमी है। इस अवसर पर यूयूएसडीए के एई देवेंद्र गोनियाल ने भी प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी। भगत ने कहा कि जहां पेयजल लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है, वहां जल्द ही सड़क निर्माण किया जाए ताकि मानसून सीजन में जलभराव से कोई जानलेवा हादसा नहीं हो। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में सड़कों की मरम्मत दिखाई देगी। इस दौरान जेई अंकुश खेड़ा, हेमंत, दीपक सनवाल, मोहन चंद भट्ट, शमशेर सिंह विर्क, इंद्रपाल सिंह विर्क, पानदेव खोलिया, रमेश सिंह, कुंदन सिंह अधिकारी, गिरीश चंद बेलवाल, कल्याण सिंह धामी, नंदन सिंह बिष्ट आदि रहे।

पिता के बाद घायल बेटे ने भी दम तोड़ा

हल्द्वानी : कालाढूंगी मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां पूरी तरह छीन लीं। करीब दस दिन पहले अज्ञात वाहन की टक्कर में घायल हुए युवक ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले हादसे में उसके पिता की मौत हो चुकी थी। पिता-पुत्र दोनों की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल की रात चकलुवा रामपुर निवासी प्रेम बहादुर थापा अपने बेटे दीपक थापा के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कालाढूंगी हाईवे पर शीशमगेट के समीप पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही प्रेम बहादुर थापा ने दम तोड़ दिया था। वहीं गंभीर रूप से घायल दीपक का इलाज डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में चल रहा था।

कई दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद रविवार रात उसने भी अंतिम सांस ली। घटना के बाद से परिवार सदमे में है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। कालाढूंगी पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है।

खिलाड़ियों ने प्रशिक्षण के लिए कराया पंजीकरण

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: खिलाड़ियों के लिए सोमवार से शुरू हुई पंजीकरण प्रक्रिया के पहले ही दिन अच्छा उत्साह देखने को मिला। खेल विभाग की ओर से हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों को 100 से अधिक रजिस्ट्रेशन फॉर्म वितरित किए गए। खिलाड़ियों ने सुबह से ही स्टेडियम पहुंचकर प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए पंजीकरण कराया और फॉर्म प्राप्त किए।

खेल विभाग के अनुसार हल्द्वानी स्टेडियम और गौलापार स्टेडियम में विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण कैंप शुरू किए गए हैं, जिसमें 10 से 16 वर्ष तक के खिलाड़ी आवेदन कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शूटिंग, स्विमिंग और एथलेटिक्स जैसे खेलों में कोचिंग दी जाएगी। करीब 11 माह तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में अनुभवी कोच खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारेंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत ने बताया कि इच्छुक खिलाड़ी स्टेडियम पहुंचकर पंजीकरण कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद जल्द ही प्रशिक्षण सत्र शुरू कर दिया जाएगा। पहले दिन बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की भागीदारी को देखते हुए विभाग ने आने वाले दिनों में और अधिक खिलाड़ियों के जुड़ने की उम्मीद जताई है।

विधायक भगत का जताया आभार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

विधायक बंशीधर भगत का उनके आवास पर जाकर आभार जतातीं आंकनबाड़ी वर्कर्स।

अमृत विचार : आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने भाजपा विधायक बंशीधर भगत के ऊंचापुल स्थित आवास पर पहुंचकर पुष्प गुच्छ दिया और उनका आभार जताया।

विधायक भगत ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ोत्तरी समेत विभिन्न मांगों को लेकर 16 अप्रैल से धरना प्रदर्शन कर रही थीं। इसके बाद दो मई को विधायक भगत बुद्ध पार्क पहुंचे और संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। इसके बाद उन्होंने मौके पर ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की फोन पर ही सीएम पुष्कर सिंह धामी से वार्ता कराई। सीएम धामी ने विषय को गंभीरता से सुना और सकारात्मक आश्वासन दिया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

विधायक ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री समाज के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने संभावना जताई कि जल्द सीएम की ओर से सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान आंगनबाड़ी संगठन अध्यक्ष गीता मोनी, रमा पांडे, कांति बिष्ट, पुष्पा राठौर, ममता जोशी, द्रौपदी कुंवर, गंगा बिष्ट, मंजू खाती, बिमला बिष्ट, गीता खाती, कमला बिष्ट, तनुजा बिष्ट, मंजू बोरा, कंचन उप्रेती, आभा गोस्वामी, प्रेमा जोशी आदि रहीं।

पर्यावरण मित्रों ने की भुगतान बढ़ाने की मांग

संवाददाता, हल्द्वानी

- 805 रुपये रोजाना भुगतान देने की मांग उठाई
- नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितता का आरोप लगाया

अमृत विचार : नगर निगम में सफाई कर्मचारियों की भर्ती और वेतन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अखिल भारतीय मजदूर संघ की ओर से मेयर को भेजे गए पत्र में निगम में कार्यरत अस्थायी पर्यावरण मित्रों को देहरादून की तर्ज पर 805 रुपये प्रतिदिन भुगतान किए जाने की मांग उठाई गई है।

साथ ही, पत्र में अलग-अलग नगर निगमों के बीच वेतन दर में अंतर को लेकर भी सवाल खड़े किए गए हैं। संगठन ने आरोप लगाया है कि कुछ वार्डों में नए सफाई कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताएं की गई हैं। इस पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि संगठन को सूत्रों से जानकारी मिली है कि कुछ वार्डों में आपसी मिलीभगत से सफाई नायकों और कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इसे लेकर संगठन ने कड़ा विरोध जताया है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शी जांच कराई जाए।

पुलिस ने बरामद की चोरी हुई बुलेट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़े बाइक चोर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पुलिस को जिस बाइक की तलाश थी शातिर चोरों ने उसे नेपाल में बेच दिया। शातिर हत्थे चढ़े तो बाइक तो नहीं मिली, लेकिन कुछ माह पहले चोरी की गई एक बुलेट हाथ लग गई। अब बाइक को नेपाल से सही सलामत वापस लाना पुलिस के लिए चुनौती है। फिलहाल, हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने शातिरों को न्यायालय के आदेश पर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

हल्दूचौड़ निवासी विशांत टम्टा कुछ दिन पहले डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय गए थे। उन्होंने अपनी पल्सर मोटर साइकिल को अस्पताल के बाहर खड़ा किया था। वह कुछ देर बाद लौटे तो बाइक गायब थी। विशांत की तहरीर पर पुलिस ने तफ्तीश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो स्कूटी सवार दो नकाबपोश सामने आए। सीसीटीवी के सहारे पीछा करती पुलिस ऊधमसिंह नगर जिले के नानकमत्ता और रुद्रपुर पहुंच गई। जांच में सामने आया कि नानकमत्ता के दलवीर सिंह और रुद्रपुर के संजय कालरा ने ही एसटीएच के बाहर से बाइक चोरी की थी। पीछे पड़ी पुलिस ने दोनों शातिरों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन पल्सर नहीं मिली। शातिरों ने बताया कि उन्होंने पल्सर को नेपाल में बेच दिया है। हालांकि पुलिस को आरोपियों के पास से एक बुलेट मिली और यह भी बनभूलपुरा कोतवाली क्षेत्र से बरामद की गई थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह भीड़भाड़ और सूनसान स्थान पर खड़ी मोटर साइकिलों को अपना निशाना बनाते थे।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

हल्द्वानी : काया आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की ओर से सोमवार को क्वींस पब्लिक स्कूल, दमुवाढूंगा में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अशोक पाल और स्कूल के डायरेक्टर आरपी सिंह ने किया।

डॉ. विनय खुल्लर ने बताया कि शिविर में कुल 216 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान मरीजों की नाड़ी परीक्षण, प्रकृति परीक्षण, शुगर जांच और ईसीजी जैसी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर को सफल बनाने में डॉ. स्वाति भट्ट, डॉ. महेंद्र बोरा, डॉ. नेहा उपाध्याय, डॉ. कल्पना, डॉ. दीपाली, डॉ. स्वप्निल, डॉ. देवेश समेत दिनेश सनवाल, दीपक बिष्ट, कविता कलकोटी, निकिता, संजीव रहे।

175 से अधिक मरीजों का उपचार

संवाददाता, हल्द्वानी

भट्ट कॉलोनी में आयोजित शिविर में चिकित्सक व समिति के पदाधिकारी।

अमृत विचार: तल्ली बमोरी रोड स्थित भट्ट कॉलोनी में फूलदेई जन कल्याण समिति द्वारा रविवार, 03 मई 2026 को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान आंखों की जांच, शुगर और बीपी की जांच की गई।

संपूर्ण नेत्र परीक्षण ज्योति नेत्रालय, तिकोनिया चौराहा, ठंडी सड़क की टीम द्वारा किया गया, जिसमें ऑप्टोमेट्रिस्ट विवेक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, जनरल फिजिशियन डॉ. आदित्य एस कुटियाल ने सामान्य बीमारियों का उपचार किया और डॉ. गीतिका ह्यांकी कुटियाल ने त्वचा एवं बालों से संबंधित समस्याओं का इलाज किया। शिविर में 175 से अधिक मरीजों की ओपीडी की गई। सभी मरीजों को निशुल्क दवाइयां एवं जरूरतमंदों को चश्मे भी वितरित किए गए, जो पूर्व मेयर प्रत्याशी ललित जोशी की ओर से प्रदान किए गए।

समिति के अध्यक्ष ने बताया कि फूलदेई जन कल्याण समिति लंबे समय से शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान दे रही है और भविष्य में भी समाजहित में इसी तरह कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष राजीव पांडेय, नीतू पांडेय, सुमित नैलवाल, गौरव जोशी, सुमित भट्ट, शुभम पाल, दिनेश मेहरा और प्रियंशु तिवारी आदि रहे।

दुकान का ताला तोड़कर नकदी व दस्तावेज उड़ाए

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- 29 अप्रैल की रात हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दर्ज मुकदमा
- पुलिस सीसीटीवी की जांच कर चोरों का लगा रही पता

अमृत विचार : बनभूलपुरा थाना क्षेत्र के जवाहर नगर में चोरों ने एक परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए नकदी और जरूरी दस्तावेजों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर शातिर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में अकरम पुत्र मेहंदी निवासी जवाहर नगर ने बताया कि वह वार्ड नंबर 15 क्षेत्र में किराये की दुकान में परचून की दुकान चलाते हैं। रोज की तरह 29 अप्रैल की रात वह दुकान बंद कर घर चला गया था। अगली सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचा तो शटर थोड़ा खुला मिला और लगाए गए ताले गायब थे। अंदर जाकर देखा तो गल्ला खुला पड़ा था।

गल्ले में रखी पॉलीथिन से करीब 10500 रुपये की नकदी, आधार कार्ड की फोटो कॉपी और अन्य जरूरी कागजात गायब थे। हालांकि दुकान में रखा बाकी सामान सुरक्षित था। बनभूलपुरा कोतवाल डीएस फर्त्याल ने बताया कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही शातिरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

असमंजस

तीनपानी जाम, घनी आबादी व नहर चौड़ीकरण की वजह से आईएसबीटी के लिए अनुपयुक्त

दस साल बाद आईएसबीटी का सफर फिर गौलापार की ओर

संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी बस अड्डे पर खड़ी रोडवेज बसें। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर का बहुप्रतीक्षित आईएसबीटी प्रोजेक्ट एक बार फिर उसी जगह लौटता दिख रहा है, जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। करीब एक दशक से चल रही स्थान चयन की कवायद में पहले गौलापार को उपयुक्त माना गया, फिर उसे छोड़कर तीनपानी को चुना गया, लेकिन अब एक बार फिर गौलापार को ही अधिक उपयुक्त बताया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि 2017 में गौलापार में लगभग आठ हेक्टेयर भूमि पर 75 करोड़ रुपये की लागत से आईएसबीटी की योजना पर काम शुरू भी हो गया था। उस समय यह स्थान तकनीकी और भौगोलिक दृष्टि से उपयुक्त माना गया था, लेकिन बाद में काम रोक दिया गया। इसके बाद तीनपानी क्षेत्र में यूओयू के पास आईएसबीटी के लिए जगह चिन्हित की गई। भूमि विवाद का मामला जनहित याचिका के माध्यम से हाईकोर्ट तक भी पहुंचा। आरटीओ डॉ. गुरदेव सिंह और परिवहन निगम की आरएम पूजा जोशी की संयुक्त रिपोर्ट में तीनपानी क्षेत्र को आईएसबीटी के लिए अनुपयुक्त बताया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीपीनगर, मंडी, यूओयू और आसपास की घनी आबादी के कारण यहां भारी जाम लगने की संभावना है। इसके अलावा सड़क विस्तार, नहर चौड़ीकरण और वन भूमि स्वीकृति जैसी प्रक्रियाओं में भी लंबा समय लगने की संभावना जताई गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, तीनपानी से पर्वतीय रूट की बसों को हाथीखाल के रास्ते हाईवे पर चढ़ना होगा, जो व्यवहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण है। वहीं, मैदानी क्षेत्रों की बसों के संचालन से टीपीनगर क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव और बढ़ सकता है। अब विभागीय रिपोर्ट के आधार पर फिर से गौलापार को ही सबसे उपयुक्त विकल्प माना जा रहा है, जबकि यही वह स्थान है जहां पहले काम शुरू होकर रोक दिया गया था। इस बीच परिवहन मंत्री ने बीते रविवार को शहर के एक कार्यक्रम में दिए गए बयान में संकेत दिए हैं कि सरकार आईएसबीटी निर्माण को लेकर गंभीर है और इसके लिए शीघ्र बजट जारी किया जाएगा।

नई डीपीआर में बढ़ेगी लागत

आईएसबीटी प्रोजेक्ट के लिए नई डीपीआर तैयार की जाएगी। जिसमें प्रोजेक्ट की लागत बढ़ने का अनुमान है। पूर्व में बनाए गए प्रोजेक्ट में 75 करोड़ की प्रस्तावित लागत थी। अब करीब दस साल बीतने के बाद अधिकांश परिस्थितियों में बदलाव होने से प्रोजेक्ट की लागत बढ़ना तय है।

सिटी ब्रीफ

कांग्रेस नेता वर्मा के निधन पर जताया शोक

कालाढूंगी : वरिष्ठ कांग्रेस नेता जीवनलाल वर्मा के निधन पर कार्यकर्ताओं ने शोक जताया है। सोमवार को वर्मा के आवास पर पहुंचकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राहुल छिम्वाल ने परिजनों से मिल शोक संवेदना व्यक्त की। कहा कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष पांडे, पूर्व राज्य मंत्री सुहेल सिद्दीकी, वरिष्ठ कांग्रेसी विजय लटवाल सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में व्यवस्था सुधारेगा ऊर्जा निगम

नैनीताल : नैनीताल के आसपास के क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से लो वोल्टेज, टेढ़े बिजली पोल और बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को अब जल्द बेहतर बिजली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के कई हिस्सों में बिजली के पोल टेढ़े और सड़ चुके हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली की लाइनें झुकी हुई हैं। इसके अलावा आधे गांव में लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों की शिकायतें उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद अब ऊर्जा निगम ने स्थिति सुधारने की तैयारी शुरू कर दी है। उर्जा निगम के ईई एसके सहगल ने बताया कि बिजली लाइनों को भी ठीक किया जा रहा है, ताकि बिजली आपूर्ति सुरक्षित और सुचारु बनी रहे।

खाई में गिरी पर्यटकों की कार, एक युवक की मौत

नैनीताल में दर्दनाक हादसा, हल्द्वानी निवासी युवक ने तोड़ा दम, दो गंभीर रूप से घायल, पुलिस और एसडीआरएफ ने चलाया रेस्क्यू अभियान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के पाइंस क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। राजस्थान के पर्यटकों का वाहन अनियंत्रित होकर करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर कड़ी मशक्कत के बाद तीनों घायलों को खाई से बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद सभी को बीडी पांडे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने हल्द्वानी निवासी राहुल कुमार को मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल अन्य दो लोगों में से एक को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। जानकारी के अनुसार, डांगियावास (जोधपुर, राजस्थान) निवासी अरविंद सिंह (26) अपने मित्र युवराज सिंह (20) के साथ कैंची धाम दर्शन के लिए आ रहे थे। हल्द्वानी पहुंचने के बाद उन्होंने अपने दोस्त राहुल कुमार को भी साथ ले लिया। तीनों ने सुबह कैंची धाम और उसके बाद घोड़ाखाल मंदिर में दर्शन किए थे। बताया जा रहा है कि राहुल कुमार की दोपहर में नैनीताल में परीक्षा थी, जिसके चलते तीनों तेजी से नैनीताल लौट रहे थे। इसी दौरान पाइंस श्मशान घाट के समीप बैंड काटते समय वाहन अचानक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सीओ अंजना नेगी ने बताया कि मृतक राहुल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है और वे नैनीताल पहुंच रहे हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन व रेस्क्यू करते पुलिस-एसडीआरएफ कर्मी। ● अमृत विचार

अस्पताल में रोते-बिलखते परिजन। ● अमृत विचार

एक वर्ष पूर्व बस में हुई थी अरविंद-राहुल की दोस्ती

जानकारी के अनुसार अरविंद और राहुल की दोस्ती करीब एक वर्ष पहले नैनीताल यात्रा के दौरान हुई थी। दोनों की मुलाकात बस में हुई थी और तभी से संपर्क में थे। इस बार भी अरविंद ने राहुल को कैंची धाम चलने का न्योता दिया था। राहुल ने परीक्षा का हवाला दिया था, लेकिन अरविंद ने उसे समय पर वापस छोड़ने का भरोसा दिया था। दर्शन के बाद लौटते समय यह हादसा हो गया, जिसने एक गहरी दोस्ती को हमेशा के लिए खत्म कर दिया।

कार की टक्कर से दो महिलाओं की मौत, चालक फरार

रामनगर, अमृत विचार : बैलपड़ाव क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे पैदल जा रही दो महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक कार छोड़कर फरार हो गया। घटना गैबुआ के पास फूड क्रिस्टल होटल के समीप की है। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं सुबह घास लेने के लिए जा रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद दोनों महिलाओं को रामनगर के रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। चालक वाहन संख्या यूके 19 बी 8791 को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान कमला देवी (55) पत्नी शिवराज सिंह और पुष्पा देवी (55) पत्नी केवलानंद भट्ट निवासी पत्तापानी, बैलपड़ाव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार कमला देवी के परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है, जबकि पुष्पा देवी की चार बेटियां हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है। हादसे के बाद से दोनों परिवारों में कोहराम मचा है और पूरे गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने आरोपी चालक को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शी दयाल सिंह पन्नू ने बताया कि कार गलत दिशा से आ रही थी और सीधे महिलाओं को टक्कर मार दी। उन्होंने हादसे को बेहद दर्दनाक बताया। संयुक्त चिकित्सालय के डॉक्टर हर्ष ने बताया कि दोनों महिलाओं को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फरार चालक की तलाश जारी है।

कमला व पुष्पा। (फाइल फोटो)

पिता के बाद हादसे में घायल बेटे की भी मौत

कालाढूंगी। सड़क हादसे में घायल बेटे दीपक थापा (22) की भी मौत हो गई, जिससे पहले उनके पिता प्रेम बहादुर (55) की मौत हो चुकी थी। दोनों रामपुर चकलुवा निवासी थे और 24 अप्रैल की देर शाम बाइक से घर लौटते समय कालाढूंगी-हल्द्वानी स्टेट हाईवे पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और फरार हो गया।

हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें पहले सीएचसी ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर एसटीएच रेफर किया गया। रास्ते में प्रेम बहादुर ने दम तोड़ दिया, जबकि दीपक को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां रविवार देर रात उनकी भी मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत से परिवार और गांव में शोक की लहर है। परिजनों के अनुसार, वर्ष 2024 में निहाल नाले के बहाव में उनका घर बह गया था, जिसके बाद परिवार मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। ग्रामीणों ने दीपक के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग भी किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। परिवार अभी पिता का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाया था कि बेटे की मौत की खबर ने सभी को गहरे सदमे में डाल दिया। बीते फरवरी में दीपक के घर पुत्र जन्म हुआ था। अब पिता और पुत्र दोनों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

व्यापार मंडल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: आगामी ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन को देखते हुए मां नयना देवी नैनीताल व्यापार मंडल ने कमर्शियल गैस की सुगम आपूर्ति और वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग उठाई है। इस संबंध में व्यापार मंडल ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कई सुझाव दिए हैं।

व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पुनीत टंडन ने बताया कि सीजन के दौरान नैनीताल में पर्यटकों की भारी आमद होती है, जिससे स्थानीय रेस्टोरेंट और छोटे व्यवसायियों पर काम का दबाव बढ़ जाता है। ऐसे में गैस आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था बेहद जरूरी है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से कमर्शियल गैस वितरण केंद्र को नारायण नगर और धामपुर बैंड से हटाकर बीडी पांडे अस्पताल के पास या फ्लैट्स ग्राउंड में स्थानांतरित करने की मांग की गई है। व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान स्थानों पर ट्रैफिक जाम और भीड़ के कारण सिलेंडर लाने-ले जाने में काफी समय और अतिरिक्त खर्च लगता है, जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर को उनकी आवश्यकता का 70% गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने की भी मांग की है, ताकि सीजन के चरम समय में ईंधन की कमी न हो। व्यापारियों ने यह भी कहा कि गैस की बढ़ती कीमतों के बीच यदि वितरण केंद्र शहर के नजदीक होगा तो परिवहन खर्च में कमी आएगी और वे पर्यटकों को बेहतर और उचित दरों पर सेवाएं दे सकेंगे। उपजिलाधिकारी ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उपाध्यक्ष विकास जायसवाल, कार्यकारिणी सदस्य विश्वदीप टंडन, रेस्टोरेंट व्यवसायी गिरीश कांडपाल आदि मौजूद रहे।

गैस सिलेंडर मूल्य वृद्धि पर कांग्रेस का विरोध

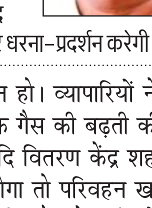

रामनगर : सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के दाम में एकमुश्त 993 रुपये और छोटे सिलेंडर में 550 रुपये की वृद्धि पर कांग्रेस ने कड़ा विरोध जताया है। जिलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने कहा कि यह बढ़ोतरी गरीबों, मजदूरों, छात्रों और अल्प वेतनभोगियों पर अतिरिक्त बोझ डालने वाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की रसोई पर सीधा असर डाल लोगों के मुंह से निवाला छीन रही है। अग्रवाल ने चेतावनी दी कि यदि कीमतें वापस नहीं ली गईं तो कांग्रेस व्यापक आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करेगी।

सांसद अजय भट्ट ने संगीत शिक्षा केंद्र का किया शुभारंभ

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: सांसद अजय भट्ट ने मां अवंतिका शक्तिपीठ मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना कर मां अवंतिका के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मां अवंतिका कुंज में निःशुल्क संगीत शिक्षा केंद्र का शुभारंभ किया। इसे क्षेत्र के युवाओं को सकारात्मक दिशा देने और उनकी प्रतिभा निखारने की महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट ने मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 5 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। वहीं समाजसेवी भुवन जोशी ने मंदिर समिति को एक कंप्यूटर भेंट किया, जबकि समाजसेवी चंदन जोशी की ओर से मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। इस अवसर पर मंदिर परिसर में निस्वार्थ सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं एवं सेवाभावी व्यक्तियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एवं मंदिर समिति अध्यक्ष लक्ष्मण खाती ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल के उपाध्यक्ष नरेश चंद्रा, नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह लोटनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण जोशी, मुख्य पुजारी चंद्रशेखर जोशी, गोपाल जोशी, सभासद धन सिंह बिष्ट, संजीव शर्मा, राहुल मित्तल, राजकुमार सेतिया, हरीश नैनवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग, मातृशक्ति एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने लगाई न्याय की गुहार

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: काशीपुर क्षेत्र के जुड़का-कुंडेश्वरी के ग्रामीणों ने भाजपा नेता राजेश कुमार के नेतृत्व में तराई पश्चिमी वन प्रभाग, रामनगर कार्यालय पहुंचकर डीएफओ प्रकाश चंद्र आर्य को ज्ञापन सौंप अपनी समस्याएं रखीं।

ग्रामीणों ने बताया कि वे ग्राम जुड़का नंबर-2, पोस्ट कुंडेश्वरी, तहसील काशीपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के निवासी हैं और वर्षों से पुश्तैनी भूमि पर खेती-बाड़ी व पशुपालन कर जीवनयापन कर रहे हैं। उनका कहना है कि भूमि संबंधी मामला वर्तमान में उच्च न्यायालय नैनीताल और सिविल कोर्ट काशीपुर में विचाराधीन है। इसके बावजूद वन विभाग की ओर से पुलिस बल के साथ जमीन पर कब्जे की कार्रवाई की जा रही है, जिससे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार वे 1980 से इस भूमि पर काबिज हैं और बंजर जमीन को उपजाऊ बनाया है। उनका कहना है कि यदि जमीन उनसे छीन ली गई तो उनकी आजीविका पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी और पशुओं के लिए चारे का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि 19 जनवरी 2026 को वन विभाग की कार्रवाई के दौरान तनाव के बीच एक 50 वर्षीय महिला की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से न्याय की मांग करते हुए कार्रवाई पर रोक लगाने की अपील की है। इस दौरान संतोष कुमार, मोहन सिंह, संजय कुमार, जीत सिंह, रणवीर सिंह, राम सिंह, रिंकू सिंह और राकेश कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

डीएफओ के समक्ष अपनी समस्या रखते काशीपुर के लोग। ● अमृत विचार

हाईस्कूल टॉपर को सम्मानित करते अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष। ● अमृत विचार

हाईस्कूल टॉपर को किया सम्मानित

रामनगर, अमृत विचार : अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं उत्तराखंड सरकार में राज्यमंत्री मुकेश कुमार ने उत्तराखंड बोर्ड की दसवीं कक्षा के टॉपर अक्षत गोपाल को उनके निवास पर जाकर सम्मानित किया। इस मौके पर ठाकुरद्वारा (मुरादाबाद) के ब्लॉक प्रमुख वीर सिंह सैनी, राकेश नैनवाल, इंदर सिंह रावत, भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती, पूर्व पालिकाध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी, आशीष कुमार, इंदरपाल सिंह, शुभम कुमार, नीलम आर्या, किशोरी लाल, मनीष अग्रवाल, दिनेश मेहरा, भावना भट्ट रहे।

जर्द पत्ते की सदा पुस्तक का विमोचन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सरोकार साहित्यिक संस्था और लैंग्वेज एकेडमी, रामनगर के संयुक्त तत्वावधान में रूमी पब्लिक स्कूल के सभागार में उत्तराखंड भाषा संस्थान से सम्मानित हिंदी-उर्दू के साहित्यकार डॉ. सगीर अशरफ के नवीन कहानी-संग्रह जर्द पत्ते की सदा का विमोचन किया गया। यह अवसर साहित्य प्रेमियों के लिए विशेष रहा।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने कहा कि साहित्य का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील होने के नाते साहित्यकार विभिन्न विधाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है, और सगीर अशरफ की रचनाएं इस दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार प्रो. डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहानी को साहित्य की सबसे प्रभावी विधा बताते हुए कहा कि यह संग्रह साहित्य में एक विशिष्ट स्थान बनाएगा। विशिष्ट अतिथि यूओयू के उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. शहपर शरीफ ने डॉ. सगीर अशरफ के कृतित्व पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. अनुपम शुक्ल ने किया। यहां रूमी पब्लिक स्कूल के निदेशक सैय्यद रियाज अहमद, राजाराम विद्यार्थी, मितेश्वर आनंद, कौशल एकेडमी के संचालक गिरीश घुघत्याल, भाजपा जिला अध्यक्ष गणेश रावत, डॉ. अशोक जोशी, मोहन नैनवाल, पत्रकार जफर सैफी, नदीम वारसी, अरबाज खान, जयंत जोशी आदि रहे।

रामनगर में पुस्तक के विमोचन में उपस्थित साहित्यकार। ● अमृत विचार

नैनीताल के ट्रैकिंग रूटों को संवारेगा वन विभाग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल में ट्रैकिंग पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग ने प्रमुख ट्रैकिंग रूटों को विकसित करने की तैयारी शुरू कर दी है। योजना के तहत ट्रैकिंग मार्गों की मरम्मत, व्यू प्वाइंटों पर विश्राम व्यवस्था और वन्य जीवों व वनस्पतियों से जुड़ी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

वन विभाग की ओर से जिन प्रमुख ट्रैकिंग मार्गों को विकसित किया जाना है उनमें किलबरी-पंगोट, टांकी-चीनापीक, किलबरी-चीनापीक, बारा पत्थर-टिफिनटॉप, शेरवुड-टिफिनटॉप, आयरपाटा-टिफिनटॉप और कैमल्स बैक मार्ग शामिल हैं। ये सभी रूट प्राकृतिक सौंदर्य, हिमालयी दृश्यों और जैव विविधता के लिए पर्यटकों के बीच खासे लोकप्रिय हैं। योजना के तहत ट्रैकिंग मार्गों पर जगह-जगह सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें क्षेत्र में पाए जाने वाले वन्य जीवों, पक्षियों और वनस्पतियों की जानकारी दी जाएगी। प्रमुख व्यू प्वाइंटों पर पर्यटकों के बैठने और विश्राम करने की व्यवस्था की जाएगी। वन क्षेत्राधिकारी ललित मोहन कार्की ने बताया कि कई ट्रैकिंग मार्गों के रास्ते कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिन्हें जल्द ठीक कराया जाएगा। उद्देश्य पर्यटकों को सुरक्षित और बेहतर ट्रैकिंग अनुभव उपलब्ध कराना है।

आउटसोर्स कर्मचारियों की वेतन बढ़ाने की मांग

नैनीताल: उत्तराखंड देवभूमि कर्मचारी संघ ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंप संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी की मांग की है।

ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारी संघ ने कहा कि देहरादून, हरिद्वार सहित कई नगर निकायों में कर्मचारियों को 805 रुपये प्रतिदिन की दर से वेतन दिया जा रहा है, जबकि नैनीताल में कार्यरत कर्मचारियों को निर्धारित मानकों से कम वेतन मिल रहा है। इससे कर्मचारियों को अपने परिवार के भरण-पोषण में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ईओ ने कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी मांग को आगामी बोर्ड बैठक में प्रस्ताव के रूप में रखा जाएगा, जिसके बाद इस पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

आंदोलन — बारिश के बावजूद धरने में जुटे बड़ी संख्या में लोग, 6 मई को लालकुआं तहसील परिसर तक विशाल रैली निकाल जताएंगे विरोध

राजस्व गांव की मांग को लेकर बिंदुखत्ता में क्रमिक अनशन शुरू

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: राजस्व गांव की अधिसूचना जारी करने की मांग को लेकर वन अधिकार संगठन, बिंदुखत्ता ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार को शहीद स्मारक के समीप क्रमिक अनशन शुरू कर दिया। लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद संगठन के पदाधिकारी और स्थानीय लोग बड़ी संख्या में धरना स्थल पर पहुंचे।

अनशन शुरू करने से पहले संगठन के पदाधिकारियों और क्षेत्रीय लोगों ने शहीद स्मारक पहुंचकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद बिंदुखत्ता को राजस्व गांव घोषित करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण क्रमिक अनशन प्रारंभ किया। क्रमिक अनशन की शुरुआत वन अधिकार समिति के अध्यक्ष अर्जुन नाथ, पूर्व ब्लॉक प्रमुख संध्या डालाकोटी, मोहनी मेहता, ममता बिष्ट, राज्य आंदोलनकारी पूरन सिंह परिहार, प्रकाश उत्तराखंडी, ललित कांडपाल, विक्की पाठक, कुंवर सिंह पंवार, भूपेश पाठक और बलवीर सिंह रावत ने की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी होने तक क्रमिक अनशन के साथ जनांदोलन जारी रहेगा। बारिश के बावजूद प्रदर्शनकारियों का उत्साह बना रहा और वे अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। वहीं, स्थानीय प्रशासन भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। संगठन के अध्यक्ष उमेश भट्ट ने कहा कि राजस्व गांव की अधिसूचना जारी न होना सरकार की मंशा पर सवाल खड़ा करता है। बताया कि इस मुद्दे पर जन-जन की सरकार कब आएगी, बिंदुखत्ता वासियों के द्वार कार्यक्रम के तहत 4 और 5 मई को क्रमिक अनशन तथा 6 मई को विशाल जनसभा की जाएगी। चेतावनी दी कि यदि जनसभा में अधिकारी व जनप्रतिनिधि सरकार का पक्ष रखने को उपस्थित नहीं होते हैं, तो 6 मई को लालकुआं तहसील परिसर तक विशाल रैली निकाली जाएगी। सचिव बलवंत सिंह बिष्ट, कैप्टन हीरा सिंह बिष्ट, बलवंत संभल, सैनिक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी, प्रकाश मिश्रा, दीपक नेगी, कैप्टन पीएस बिष्ट, भगवान धामी, नंदन सिंह बिष्ट, राम सिंह चिलवाल, कौशल्या चन्याल, सुरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रकाश जोशी, रणजीत गढ़िया, भरत नेगी व बीना जोशी रहे।

राजस्व गांव की मांग को लेकर अनशन पर बैठे वन अधिकार संगठन के सदस्य। ● अमृत विचार

दोबारा परीक्षण पर उठाए सवाल

लालकुआं : बिंदुखत्ता वन अधिकार समिति के अध्यक्ष अर्जुन नाथ ने बताया कि क्षेत्र का सामूहिक दावा पहले ही तत्कालीन जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ शासन को भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय की 2013 की संशोधित अधिसूचना के तहत शासन ने यह कहते हुए पत्रावली वापस कर दी थी कि इस पर निर्णय लेने का अधिकार जिलाधिकारी को है। अब वर्तमान जिलाधिकारी द्वारा उसी पत्रावली को पुनः परीक्षण के लिए भेजे जाने पर समिति ने सवाल उठाए हैं। समिति का कहना है कि सभी औपचारिकताएं पूरी कर उपखंड स्तरीय समिति को दस्तावेज पहले ही सौंपे जा चुके हैं, ऐसे में दोबारा परीक्षण किस आधार पर कराया जा रहा है, यह स्पष्ट किया जाना चाहिए।

बीडी पांडे में अन्य अस्पतालों से बुलाने पड़ रहे तकनीशियन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल के बीडी पांडे जिला अस्पताल में इन दिनों एक्सरे जांच के लिए मरीजों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। इसकी वजह है तकनीशियनों की कमी। हालात ऐसे हैं कि अस्पताल प्रशासन को दूसरे अस्पतालों से तकनीशियन बुलाकर काम चलाना पड़ रहा है।

अस्पताल में एक्सरे तकनीशियन के तीन पद स्वीकृत हैं, लेकिन लंबे समय से एक पद खाली है। शेष दो तकनीशियनों में से एक की ड्यूटी इन दिनों चारधाम यात्रा में लगी हुई है, जबकि दूसरा अवकाश पर है। ऐसे में अस्पताल की एक्सरे सेवाएं पूरी तरह प्रभावित हो गई हैं। स्थिति यह है कि बाहर से बुलाए गए तकनीशियन के देर से पहुंचने के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जांच के लिए अस्पताल पहुंचे लोगों में खासतौर पर बुजुर्ग और गंभीर मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि पहले से ही बीमार होने के बावजूद उन्हें जांच के लिए लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है, जिससे उनकी दिक्कतें और बढ़ जाती हैं। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक (पीएमएस) डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि फिलहाल अन्य अस्पतालों से तकनीशियन बुलाकर व्यवस्था को संभाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि रिक्त पद को भरने के लिए शासन स्तर पर पत्राचार किया गया है, ताकि जल्द स्थायी समाधान निकाला जा सके।

सिटी ब्रीफ

बागेश्वर स्थानांतरित हुए एसआई पूरन चंद

खटीमा : कोतवाली के अंतर्गत आने वाली सत्रहमील पुलिस चौकी पर तैनात एडिशनल एसआई पूरन चंद पांडे के बागेश्वर जनपद के लिए स्थानांतरित होने पर सोमवार को उन्हें भाव पूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट ने एडिशनल एसआई पूरन चंद पांडे को स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान भाजपा नेता देवेंद्र सिंह रिंकू, गुरप्रीत सिंह खिंडा, निजामुद्दीन, बब्बन अंसारी, झुंगरी राम, जगदीश नगरकोटी, दुर्गा नाथ आदि मौजूद रहे।

भूमि हस्तांतरण की जांच की मांग उठाई

बाजपुर : बुक्सा जनजाति समाज के युवाओं ने सोमवार को पत्रकार वार्ता कर अपनी जमीनों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश सिंह और एडवोकेट कृष्णा सिंह ने आरोप लगाया कि अनुसूचित जनजाति आयोग के 2018 के आदेशों का अब तक पालन नहीं हुआ है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि वर्ष 2000 के बाद बुक्सा समाज की भूमि के अन्य वर्गों को हुए हस्तांतरण (229बी व 143जेडए) की विस्तृत जांच कराई जाए। युवाओं ने किसान नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्हें जनजाति समाज का साथ देने की अपील की। चेतावनी दी गई कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई और अवैध कब्जे वापस नहीं मिले, तो समाज उच्च न्यायालय की शरण लेगा।

यूरिया को लेकर किसानों में आक्रोश

मुख्य कृषि अधिकारी ने कृषि निदेशक को भेजा पत्र, प्रति एकड़ के हिसाब से यूरिया देने का अनुरोध

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः ऊधमसिंह नगर जनपद में किसानों के आक्रोश के बाद मुख्य कृषि अधिकारी ने कृषि निदेशक को पत्र भेजा है। इसमें कृषकों को यूरिया उनकी खाता खतौनी के अनुसार दर्ज कृषि भूमि पर एक एकड़ प्रति बैग की दर से उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

सोमवार को कृषि निदेशक को भेजे पत्र में मुख्य कृषि अधिकारी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के वितरण के संबंध में जो निर्देश दिए इससे किसानों में असंतोष पनप रहा है। साथ ही उर्वरक वितरण में समस्या भी आ रही है। उन्होंने कृषकों को यूरिया उनकी खाता खतौनी के अनुसार दर्ज कृषि भूमि पर एक एकड़ प्रति बैग की दर से उपलब्ध कराया जाए। साथ ही आंगल कैलेंडर के अनुसार अप्रैल, मई, जून आदि माह में एक-एक बैग एक फसल मौसम में कम से कम 3 बैग खरीफ सीजन एवं रबी सीजन में अलग-अलग उपलब्ध कराया जाए। इसी प्रकार डीएपी/एनपीके आदि उर्वरक भी कृषक की मांग पर एक एकड़ में एक बैग प्रति सीजन (फॉस्फेटिक उर्वरकों का प्रयोग मात्र फसल बुवाई/ रोपाई के समय होता है) एक बार उपलब्ध कराया जाना उचित रहेगा। ऐसे कृषक जिन्होंने जायद में फसल लगाई है, उनको एक अतिरिक्त फसल सीजन मानते हुए उर्वरक उपलब्ध कराए जाएंगे। ताकि कृषकों को यूरिया आदि आसानी से मिल सके।

किसानों को एक साथ उपलब्ध कराएं यूरिया और डीएपी

रुद्रपुर : किसान विक्रम जीत सिंह विर्क ने कहा कि किसानों के पास पांच एकड़ जमीन होने पर 5 कट्टे यूरिया के दिए जा रहे हैं। 12 एकड़ वाले को भी इतने ही कट्टे यूरिया के दिए जा रहे हैं। जबकि एक एकड़ में 4-5 कट्टे यूरिया और डीएपी लग जाता है। ऐसे में किसान खेती कैसे करेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को मई से 30 सितंबर तक 5 कट्टे यूरिया और एक कट्टा डीएपी उपलब्ध करा दे उसे वह कभी भी उठा सकता है। इसके बाद उसकी आईडी को लॉक कर दे। इस बीच उसे कुछ नहीं दिया जाए। फिर अक्टूबर माह से फसल के एक साथ यूरिया और डीएपी उपलब्ध कराए। इससे किसानों को सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्राइवेट दुकानों में अंकुश लगाने के साथ ही पारदर्शिता के साथ यूरिया और डीएपी बेची जानी चाहिए।

दिनेशपुर में किसानों को नहीं मिल पा रही यूरिया

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचारः युवा किसान नेता बलविंदर साहू ने शासन-प्रशासन से बेमौसमी धान की फसल के लिए तराई क्षेत्र के किसानों को सहकारी समितियों से यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समितियों में पर्याप्त उर्वरक होने के बावजूद किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। जबकि बाजार में यूरिया के दाम आसमान छू रहे हैं।

बलविंदर साहू।

सोमवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान युवा किसान नेता बलविंदर साहू ने कहा कि पहले किसानों की मौसमी धान और फिर गेहूं की फसल दैवी आपदा में नष्ट हो गई। इसके बाद प्रशासन ने बेमौसम धान की फसल पर रोक लगा दी। किसानों ने अपनी आय बढ़ाने के लिए निकटवर्ती उत्तर प्रदेश के किसानों की मांग पर बिक्री हेतु बेमौसमी धान की पौध तैयार की।लेकिन प्रशासन ने किसानों की कोई बात सुने बिना ही पौध को जोतकर नष्ट कर दिया। युवा किसान नेता साहू ने बताया कि मात्र तीन माह की बेमौसमी धान की फसल के लिए यूरिया खाद न मिलने से किसान परेशान हैं। जबकि अधिकांश छोटी जोत के किसानों ने धान की पौध खरीदकर रोपाई की है। उनका आरोप है कि प्रशासन का उर्वरक विक्रेताओं पर कोई अंकुश नहीं है। खाद विक्रेता इसका लाभ उठाते हुए मनमानी मूल्यों पर यूरिया बेच रहे हैं। साहू ने कहा कि दैवी आपदा के चलते तराई का किसान काफी परेशान है। फसलों के उपज का समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पाने के कारण किसान कृषि के लिए लिया ऋण भी नहीं चुका पा रहे हैं। युवा किसान नेता साहू ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से तराई के किसानों की समस्या के समाधान के लिए सहकारी समितियों में उपलब्ध यूरिया खाद को समय से दिलवाने की मांग की।

डॉ. आशुतोष को निदेशक विधि का अतिरिक्त प्रभार

पंतनगरः गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि में कुलपति बदलते ही विभिन्न अधिकारियों और शिक्षकों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। जिनमें कुलपति की स्वीकृति के बाद जारी अलग-अलग कार्यालय आदेशों में विवि के प्रशासनिक ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में यह कदम उठाया गया है।

सोमवार को सबसे प्रमुख बदलावों में एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. आशुतोष सिंह को निदेशक विधि का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी डॉ. जयंत सिंह के पास थी। वहीं, प्रकाशन प्रभारी वीके सिंह को उप निदेशक विधि का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में पंतनगर एयरपोर्ट विस्तार कार्यों को गति देने के लिए सीजीएम (फार्म) डॉ. टीपी सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें विश्वविद्यालय, जिला प्रशासन और शासन के बीच समन्वय स्थापित कर विस्तार कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा विवि की प्लानिंग एंड टेक्निकल सेल को मजबूत करने के लिए चार शिक्षकों को सदस्य के रूप में अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नशे में पीएसी कर्मी ने की दुकान में तोड़फोड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः आदर्श कॉलोनी घासमंडी स्थित एक दुकानदार दंपति पर नशे की हालत में पीएसी कर्मी द्वारा हमलावर होने का मामला सामने आया है। आरोप यह भी है कि पीएसी कर्मी ने लोहे की राड से दुकान में घुसकर जमकर तोड़फोड़ भी की। सूचना मिलने पर सूबेदार मेजर ने बेकाबू पीएसी कर्मी को काबू किया और उसका मेडिकल परीक्षण कर विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। पीड़िता ने आदर्श कॉलोनी चौकी पुलिस को भी तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया है।

जानकारी के अनुसार आदर्श कॉलोनी घास मंडी की रहने वाली माया देवी 31वीं पीएसी मंदिर गेट के समीप खोखा डालकर परिवार की जीविका चलाती है। रोजमर्रा की भांति महिला दुकान पर बैठी थी। दोपहर के वक्त अचानक नशे में धुत्त पीएसी वाहिनी का सिपाही आया और महिला दुकानदार को देखकर अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर पहले कर्मी हाथापाई पर उतारू हो गया और जब महिला के पति ने पीएसी कर्मी को समझाने की कोशिश की तो नशेड़ी पीएसी कर्मी लोहे की सरिया लाकर दुकानदार दंपति पर हमलावर हो जाता है और दुकान में घुसकर तोड़फोड़ करने लगता है।

तोड़फोड़ के बाद क्षतिग्रस्त दुकान।

गेट पर तैनात पीएसी जवानों ने भी समझाने की कोशिश की, लेकिन बेकाबू सिपाही काबू नहीं आया। जिसकी जानकारी मिलते ही वाहिनी के सेनानायक देवेंद्र पींचा ने फौरन सूबेदार मेजर को जानकारी दी तो सूबेदार मेजर ने पीएसी कर्मियों के साथ मिलकर नशेड़ी सिपाही को काबू कर जिला अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया। विभागीय जांच भी शुरू कर दी। उधर, पीड़ित दंपति ने आदर्श कॉलोनी पुलिस चौकी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई का मुद्दा उठाया। सेनानायक देवेंद्र पींचा ने बताया कि पीएसी कर्मी को मेडिकल परीक्षण कराया गया है और विभागीय जांच के बाद कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हज यात्रियों का दूसरा जत्था हुआ रवाना

संवाददाता सितारगंज

- नई दिल्ली एयरपोर्ट से 103 हज यात्रियों ने भरी उड़ान

अमृत विचार : उत्तराखंड से हज-2026 के लिए यात्रियों का दूसरा जत्था रवाना हो गया है। सोमवार को एक फ्लाईटों से 103 यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-तीन से उड़ान भरी है। अध्यक्ष खतीब अहमद ने यात्रियों का स्वागत कर उन्हें हज के लिए रवाना किया।

उत्तराखंड राज्य हज समिति के अध्यक्ष खतीब अहमद ने बताया कि हज यात्रियों की सुविधा के लिए हज मंजिल, तुर्कमान गेट, नई दिल्ली में अस्थाई कैंप खोला गया है। जहां हज यात्रियों को किट और दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा यात्रियों को स्मार्ट वॉच भी दी गई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों के लगेज से लेकर बोर्डिंग तक की सुविधा उपलब्ध कराए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

ईओ मो. आरिफ ने बताया कि इससे पहले 2 मई को 305 हज यात्रियों ने दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उन्होंने बताया कि हज अधिकारी मो. अहसान, समिति के सदस्य तरन्नुम खान और अब्दुल कादिर ने सभी हज यात्रियों को फूल-मालाओं के साथ रवाना किया। इस दौरान यात्रियों से देश-प्रदेश की तरक्की खुशहाली व अमन-चैन की दुआ मांगने की अपील की गई। उन्होंने बताया कि हज यात्रा में गए सभी यात्रियों की रिहाइश आदि के संबंध में स्टेट हज इंस्पेक्टर से निरंतर रिपोर्ट ली जा रही है।

नई दिल्ली एयरपोर्ट पर हज यात्रियों को रवाना करते समिति के अध्यक्ष खतीब अहमद।

आम, सेब और अमरूद का लिया सैंपल

संवाददाता, रुद्रपुर

- सैंपल को जांच के लिए भेजा राजकीय प्रयोगशाला
- खाद्य संरक्षा विभाग की टीम ने शहर के मॉल में चलाया विशेष अभियान

अमृत विचारः खाद्य संरक्षा की टीम ने बगवाड़ा मंडी में फलों और सब्जियों में अप्राकृतिक रूप से रंगों का प्रयोग व कृत्रिम रूप से फल पकाने वाले एजेंट की जांच और रोकथाम के लिए मॉल में कार्रवाई की। इस दौरान टीम ने आम, सेब, अमरूद और गाजर का एक-एक नमूना लिया। जिसकी जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला को भेज दिया है।

सोमवार को खाद्य संरक्षा औषधि प्रशासन के आयुक्त सचिन कुर्वे के निर्देश पर कुमाऊं मंडल के उपायुक्त खाद्य संरक्षा डॉ. राजेंद्र सिंह कठायत के नेतृत्व में टीम ने रुद्रपुर के मॉल में स्थित सब्जी मंडी से फलों और सब्जियों में अप्राकृतिक रूप से रंगों का प्रयोग व कृत्रिम रूप से फल पकाने वाले एजेंट की जांच और रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने मंडी में फल एवं सब्जियों के आढ़तियों से नमूने लिए। जिसकी जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला को भेज दिया है। रिपोर्ट आने के संबंधित आढ़तियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

मॉल में फलों की जांच करते खाद्य संरक्षा विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

इस दौरान मंडल के उपायुक्त खाद्य संरक्षा डॉ. कठायत ने सभी फल और सब्जी आढ़तियों को खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार फलों को पकाने में कृत्रिम रूप से फल पकाने वाले एजेंट का प्रयोग नहीं करने और सब्जियों में अप्राकृतिक रंगों का प्रयोग नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर सहायक आयुक्त ललित मोहन पांडे, वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अपर्णा साह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशा आर्या आदि मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत नगरीय वितरण खण्ड, तिकोनिया नैनीताल रोड़, हल्द्वानी (नैनीताल)-263139,
फोन एवं फैक्स : 05946-220172, E-mail: eddhld@yahoo.com

विद्युत बाधित होने की सूचना

हल्द्वानी (नगर) खण्ड के अन्तर्गत समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित करना है कि जमरानी बॉध बहुउद्देश्यीय परियोजना के अन्तर्गत नैनीताल रोड स्थित नहर के पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य के दौरान नहर के किनारे स्थित विद्युत पोलों के स्थानान्तरण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। साथ ही टाउन-1 पोषक में विधायक निधि के अन्तर्गत पोल खड़ा करने का कार्य भी किया जाना है। उक्त कार्यों के दौरान सम्बन्धित पोषक की विद्युत आपूर्ति पूर्ण/आशिंक रूप से बाधित रहेगी –

क्र० सं०	दिनांक एवं दिन	उपसंस्थान का नाम	फीडरों के नाम	समय
01	05.05.2026 (मंगलवार)	33/11 के०वी० GIS उपसंस्थान, शीशमहल	कॉलटैक्स पोषक	प्रातः 10:00 से सांय 04:00 बजे तक
02		33/11 के०वी० उपसंस्थान, हाईडिल गेट	टाउन-1 पोषक	

अतः समस्त उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की जाती है।
"विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें"
पत्रांक: 3542/वि०न०वि०ख०/ दिनांक : 04/05/2026 अधिशासी अभियन्ता
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" कस्टमर केयर टोल फ्री नं० 1800-419-0405

पड़ोसी ने कमरे में बंधक बना कर किशोरी से किया दुष्कर्म

संवाददाता, रुद्रपुर

- आवाज दबाने को बजाया था स्पीकर, पीड़िता की मां ने सौंपी तहरीर

अमृत विचारः थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में एक पड़ोसी द्वारा किशोरी को बंधक बनाकर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता का आरोप था कि अभियुक्त ने बेटी के चिल्लाने की आवाज को दबाने के लिए स्पीकर लगाकर आवाज तेज कर दी और घिनौनी वारदात को अंजाम दे डाला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार थाना ट्रांजिट कैंप की रहने वाली एक महिला ने बताया कि 29 अप्रैल को पति रिश्तेदार की शादी में गए थे और उसकी तबीयत खराब थी। दोपहर के वक्त 14 वर्षीय किशोरी स्कूल से घर आई और कपड़े बदलकर कुछ सामान लेने के लिए बाजार गई थी। थोड़ी देर बाद जब उसने उठकर खोजबीन की और अचानक पड़ोसी द्वारा लिए गए उधार के पैसे मांगने उसके घर पर गई।

बच्चों ने बताया कि किशोरी कमरे के अंदर बंद है। दरवाजा खोलकर देखा तो पड़ोसी द्वारा बेटी को बंधक बनाया हुआ था और बेटी की चीखने चिल्लाने की आवाज को दबाने के लिए स्पीकर लगाया था। शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गया और किशोरी ने आपबीती बताई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और तहरीर आने के बाद किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

पंतनगर एयरपोर्ट पर रेंटल कार काउंटर शुरू, यात्रा होगी सुगम

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः पंतनगर एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुविधा को बड़ा विस्तार देते हुए सोमवार को कार रेंटल काउंटर का शुभारंभ कर दिया गया। जिससे अब एयरपोर्ट पर उतरते ही यात्रियों को सीधे वाहन उपलब्ध हो सकेंगे। इस पहल से उनकी यात्रा पहले से कहीं अधिक आसान और सुगम हो जाएगी। काउंटर का उद्घाटन पंतनगर विमानपत्तन निदेशक पवन कुमार ने किया।

इस मौके पर काउंटर के संस्थापक संजीव भट्ट सहित एयरपोर्ट प्राधिकरण के सिविल इंचार्ज अनूप गुप्ता, सीएनएस इंचार्ज पूरन सिंह बृजवाल और कमर्शियल इंचार्ज दिनेश मिश्रा भी मौजूद रहे। निदेशक पवन कुमार ने कहा इस सुविधा के शुरू होने से यात्रियों को अब बाहर वाहन तलाशने की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। उन्हें एयरपोर्ट परिसर में ही सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन विकल्प मिलेंगे। जिससे समय की बचत तो होगी ही, यात्रा भी आरामदायक बनेगी।

कार रेंटल काउंटर का शुभारंभ करते एयरपोर्ट के अधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय नगर पंचायत गूलरभोज (उधम सिंह नगर)
ई-मेल :-conpgularbhoj@gmail.com, टोल की नं० :- 18002573552

पत्रांक : 67/2026-27 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 28-04-2026

नगर पंचायत गूलरभोज द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय द्वारा गठित टीम द्वारा किये गये सर्वेक्षण के आधार पर निकाय क्षेत्रान्तर्गत समस्त 7 वार्डों को खुले में शौच मुक्त प्लस प्लस (ODF++) घोषित किया जाता है, सम्बन्ध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो यह नगर निकाय के कार्यालय में 07 दिवसों के भीतर आपत्ति दर्ज करा सकता है, निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

राजकुमार भारती, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत गूलरभोज, ऊधम सिंह नगर
सतीश चुघ, अध्यक्ष, नगर पंचायत गूलरभोज, ऊधम सिंह नगर

कार्यालय प्राचार्य, राजीव गांधी नवोदय विद्यालय खटीमा, ऊधम सिंह नगर

पत्रांक : 24/प्रवेश परीक्षा-2026/2026-27 दिनांक : 04-05-2026

कक्षा-6 में प्रवेश हेतु परीक्षा परिणाम-2026

अनुक्रमांक-2695060288, 2695060217, 2693060248, 2692060157, 2695060291, 2693060246, 2695060228, 2695060210, 2692060142, 2692060164, 2693060247, 2695060199, 2692060153, 2693060249, 2691060054, 2692060080, 2692060079, 2691060008, 2693060125, 2692060077, 2691060034, 2691060021, 2691060007, 2691060020, 2695060113, 2693060126, 2695060033, 2693060094, 2692060044, 2694060003

दिनांक : 04/05/26

प्राचार्य,
राजीव गांधी नवोदय विद्यालय खटीमा, ऊ० सिं० नगर

सितारगंज जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

संवाददाता सितारगंज

- रविवार शाम को खंड विकास कार्यालय सितारगंज के पास हुआ हादसा

अमृत विचारः सितारगंज जा रहें बाइक सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसका पोस्टमार्टम कराया है।

गांव लामाखेड़ा निवासी नरेंद्र सिंह (39) पुत्र अमर सिंह किसी कार्य से सितारगंज जा रहा था। तभी रास्ते में खंड विकास कार्यालय, सितारगंज के पास सामने से आए डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों वाहन अनियंत्रित हो गए। डंपर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया। जबकि, बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव सिसौना के पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष हरेंद्र सिंह की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उप जिला अस्पताल, सितारगंज में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, परिजनों ने बताया कि हरेंद्र सिंह खेती मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। उसके परिवार में माता-पिता पत्नी नंदिनी और दो बच्चें हैं। उसकी मौत की खबर से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

इधर, पुलिस ने हाइड्रा मशीन की मदद सड़क पर पलटे डंपर को उठाकर सिडकुल चौकी में खड़ा कर दिया है। साथ ही, क्षतिग्रस्त बाइक को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस डंपर चालक की तलाश कर रही है। उधर, हादसे के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट गया है।

9 मई को लगेगी लोक अदालत

रुद्रपुरः जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ममता पंत ने बताया कि उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के आदेश पर जिला जजी परिसर में 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हो रहा है। सुबह 10 बजे से प्रारंभ शाम पांच बजे तक चलेगी और अदालत में लंबित मामलों की सुनवाई कर वादों का निस्तारण किया जाएगा।

सोमवार को प्राधिकरण सचिव ममता पंत ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत रुद्रपुर जिला न्यायालय के अलावा काशीपुर, जसपुर, बाजपुर, खटीमा, सितारगंज और किच्छा न्यायालय में लगेगी। जिसके तहत प्री लिटिगेशन के अलावा अतिरिक्त न्यायालय में लंबित तमाम वादों का निदान होगा।

भोजन वितरण के दौरान भाजपा नेता प्रमोद मित्तल व अन्य। ● अमृत विचार

राहगीरों और श्रमिकों को किया भोजन वितरित

रुद्रपुर : जनसेवा अभियान के तहत भाजपा नेता व अधिवक्ता प्रमोद मित्तल ने भंडारे का कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने राहगीरों, श्रमिकों और जरूरतमंद लोगों को गर्म भोजन वितरित किया गया। सोमवार को अभियान के दौरान भाजपा नेता ने कहा कि जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हर परिस्थिति में जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं तो हम जैसे सामान्य कार्यकर्ताओं का भी कर्तव्य बनता है कि हम गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहें। इस दौरान समाजसेवी विकास गौरव शर्मा एवं पुनीत पंडित ने भी अपने जन्मदिन के अवसर पर इस जनसेवा अभियान में सहभागिता करते हुए सेवा कार्य में हाथ बंटाया। इस अवसर पर कुशल अग्रवाल, राजीव चौधरी, विकास गौरव शर्मा, नितिन अग्रवाल, मनीष मित्तल, दीपिका मित्तल, रवि अग्रवाल, प्रमोद यादव आदि मौजूद रहे।

अंधड़-बारिश से क्षतिग्रस्त हुई लाइन, गुल रही बिजली

रविवार देर रात हुई झमाझम बारिश से मौसम हुआ ठंडा, कर्मचारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद बिजली आपूर्ति सुचारू कराई, लाखों का नुकसान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: क्षेत्र में रविवार देर रात आंधी के साथ हुई झमाझम बारिश से मौसम सुहावना हो गया। लेकिन तेज हवाओं के चलते बिजली विभाग को नुकसान झेलना पड़ा। कई इलाकों में देर रात से बिजली गुल रही। विभाग के कर्मचारियों ने घंटों की मशक्कत के बाद बिजली आपूर्ति सुचारू कराई।

रविवार देर रात आई आंधी और अंधड़ बिजली विभाग पर भारी पड़ गया। कई जगह बिजली लाइनों में पेड़ टूटकर गिर गए। कई स्थानों पर पोल टेड़े हो गए और बिजली लाइन टूटकर गिर गई। एसडीओ टाउन महक मिश्रा ने बताया कि शहरी क्षेत्र में कुल आठ खंभे टूट गए। जिन्हें करीब चार घंटे बाद ठीक किया गया। सबसे ज्यादा नुकसान ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ। यहां पेड़ टूटकर बिजली लाइन में गिर गए। कई स्थानों पर पोल टेड़े हो गए। जिससे लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई। भीम नगर, खरमासा, गुलजारपुर, कुंडेश्वरी, गांधी नगर और प्रतापपुर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। रातभर बिजली गुल रही। सुबह होते-होते इनवर्टर भी जवाब दे गए।

वहीं रात हुई बारिश की वजह से रेलवे लाइन पर बने अंडरपास पर पानी भर गया। पानी भरने की वजह से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अंडरपास में जलभराव का सबसे सीधा असर स्कूली बच्चों को हुआ। स्कूली बच्चों की वैन और बस अंडरपास में पानी भरने की वजह से फंस भी गई थी। हालांकि किसी तरह स्कूली बच्चे स्कूल तक पहुंचे। स्थानीय लोग लंबे समय से अंडरपास से पानी की निकासी किए जाने की मांग करते आ रहे है। इसके अलावा अन्य अंडरपास में भी पानी भर जाने के कारण लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

काशीपुर में बारिश के बाद अंडरपास में भरा पानी। ● अमृत विचार

खटीमा में क्षतिग्रस्त विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर। ● अमृत विचार

तराई में हुई 49.2 मिलीमीटर बारिश

रुद्रपुर : तराई में पिछले चार दिन से हो रही बारिश से तापमान में 11 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आयी है। बारिश के चलते तराई का अधिकतम तापमान भी 29 .9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। जबकि विगत दिनों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। वहीं सुबह से करीब 49 .2 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गयी है। हालांकि जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों ने आने वाले दो–तीन आंधी–तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं के चलने की संभावना जताई है। यहां बता दें कि तराई में पिछले चार दिन से लगातार सुबह या सायं के समय बारिश हो रही है। इससे तापमान में भी गिरावट आ रही है। वहीं सोमवार की तड़के हुए बारिश से तापमान में और गिरावट आयी है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। सोमवार को अधिकतम तापमान 29 .9 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 18 .4 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक डॉ .एएस नैन ने बताया कि अभी दो–तीन बारिश के साथ आंधी की संभावना बनी हुई है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे अपने गेहूं की कटी हुई फसल को खुले में न रखे। इसे किसी शेड के नीचे सुरक्षित स्थान पर रखें। ताकि गेहूं को खराब होने से बचाया जा सके।

खटीमा क्षेत्र में पेड़ों के गिरने से आवागमन बाधित रहा

संवाददाता, खटीमा

● सुबह सर्द हुआ मौसम तो दोपहर बाद निकली कड़ी धूप

अमृत विचार: मौसम ने एकाएक करवट लेते हुए मौसम विभाग द्वारा पूर्व घोषित अनुमान के अनुसार सोमवार सुबह चार तेज आंधी और बरसात से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। सुबह सुबह हुई वर्षा से जहां बच्चे स्कूल नहीं पहुंच सके और स्कूलों में उपस्थिति नगण्य रही। जगह- जगह पेड़ों के गिरने से आवागमन बाधित रहा।

तेज आंधी और बेमौसमी बरसात से कोतवाली के पास पेड़ गिरने से लोगों को आवागमन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आंधी के चलते हल्दी घेरा पावर स्टेशन से जुड़ी मुख्य विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके चलते पावर स्टेशन से जुड़े दर्जनों गांव की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। कई स्थानों पर बिजली के तारों पर पेड़ गिरने से तार और बिजली के खंभे टूट गए।

विद्युत कर्मियों को फाल्ट ढूंढने और उन्हें ठीक करने में भरी मशक्कत उठानी पड़ी। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित हुई।

विद्युत विभाग को करीब 28 लाख का नुकसान

खटीमा : आज सुबह आई तेज आंधी और बारिश से विद्युत विभाग को भारी नुकसान हुआ है। आंधी से विद्युत पोल और ट्रांसफार्मर के साथ ही केबिल लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं जिससे कई क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। विद्युत उपखंड अधिकारी अंबिका यादव ने बताया कि आंधी से विभाग की 11 केवीए और 33 केवीए की विद्युत लाइनें कई जगह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उन्होंने कहा कि छेत्र में करीब 110 विद्युत पोल छात्रग्रस्त हुए हैं। वहीं पांच ट्रांसफार्मर भी गिर गए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को करीब 28 लाख से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 95 प्रतिशत क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति सुचारु की जा चुकी है शेष आज रात तक सुचारू कर दी जाएगी।

पिछले 48 घंटे में 76 मिमी वर्षा हुई

खटीमा : थारू राजकीय इंटर कालेज स्थित मौसम केंद्र में पिछले 48 घंटे में 76 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला ने बताया कि रविवार को 25 मिमी और आज सोमवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक 51 मिमी वर्षा रोकर की गई है। जबकि उसके बाद भी वर्षा होती रही।

ब्रीफ न्यूज

काशीपुर के रविंद्र सिंह नेगी हुए सम्मानित

काशीपुर : आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा देशभर में आयोजित की जा रही अनसुने नायक पुरस्कार श्रृंखला के अंतर्गत कुमाऊं मंडल के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम हल्द्वानी में सम्पन्न हुआ। जिसमें समाज के उन कर्मयोगियों को सम्मानित किया गया। इसी श्रृंखला में डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल, काशीपुर के प्रबंधक रविंद्र सिंह नेगी को अनसुने दैनिक नायक सम्मान से सम्मानित किया गया।

काशीपुर से लखनऊ ट्रेन चलाने की मांग

काशीपुर : केडीएफ अध्यक्ष ने यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए लखनऊ के लिये सीधी ट्रेन चलाने की मांग की है। केडीएफ अध्यक्ष राजीव घई ने रेल मंत्री को पत्र भेजकर कहा कि काशीपुर से लखनऊ के लिये सीधी ट्रेन चलाई जाए। यह काशीपुर की बेहतर कनेक्टिविटी और यात्रियों की सुविधा के लिए जरूरी है, क्योकि लखनऊ एक प्रशासनिक और व्यावसायिक केंद्र है। इसके अलावा काशीपुर में पूर्वांचल के काफी लोग नौकरी करते हैं। लखनऊ के लिए ट्रेन चलाने से उनको सुविधा होगी।

बन्नाखेड़ा में युवकों पर जानलेवा हमला

बाजपुर : कोतवाली क्षेत्र के बन्नाखेड़ा चौराहे के पास दबंगों ने एक युवक और उसके साथियों पर लाठी–डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। ग्राम इट्टवा निवासी पीड़ित गुरविंदर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने साथियों के साथ एक दुकान पर खड़ा था, तभी गुरसेवक, गुरलाल और रंजीत समेत करीब 20–25 लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में गुरविंदर के सिर और होंठ पर गंभीर चोटें आई हैं, जबकि उसके साथियों को भी पीटा गया। आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

किशोरी लापता

काशीपुर : कुंडा कोतवाली क्षेत्र निवासी 15 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। किशोरी की मां ने साथ रह रही महिला पर उसकी पुत्री को ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर किशोरी की गुमशुदगी दर्ज की है।

नदी किनारे 50 किलो प्रतिबंधित मांस पकड़ा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: किच्छा परिक्षेत्रीय कार्यालय गोवंश स्क्वायड की टीम ने गुलड़िया गांव के पास नदी किनारे से लगभग 50 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद किया है। पुलिस की भनक लगते ही दो आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे, जिनकी तलाश की जा रही है।

रविवार को गोवंश स्क्वाड के प्रभारी उप-निरीक्षक पंकज बेलवाल अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त पर थे। इसी दौरान गुलड़िया निवासी एक व्यक्ति ने सूचना दी कि गांव के ही जरीफ निवासी गुलड़िया और सद्दाम निवासी ठाकुरद्वारा, मुरादाबाद नदी के किनारे प्रतिबंधित मांस काटकर बेचने की फिराक में हैं। बताया कि उसे देखकर दोनों मांस की पोटली छोड़कर मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही टीम ने पैगा चौकी के पुलिसकर्मियों के साथ बताए गए स्थान पर छापेमारी की। मौके पर एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में लिपटा 50 किलो मांस बरामद हुआ। पुलिस ने तत्काल पशु चिकित्साधिकारी काशीपुर डॉ. मुकेश पांडे को मौके पर बुलाया। परीक्षण के बाद डॉक्टर ने पुष्टि की कि बरामद मांस प्रथम दृष्टया गोवंशीय पशु का है और करीब 8-9 घंटे पुराना है।

पुलिस ने सैंपल लेकर शेष मांस को कब्जे में ले लिया है। एसआई बेलवाल ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश में उनके घरों और संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई।

कमर्शियल गैस के दाम बढ़ने से रोष

काशीपुर: कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में 993 रुपये की बढ़ोतरी से व्यापारी वर्ग में भारी नाराजगी है। विभिन्न संगठन इसे छोटे कारोबारियों पर सीधा आर्थिक बोझ बताते हुए विरोध दर्ज कराकर कीमत वृद्धि वापस लेने की मांग कर रहे हैं। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता गौतम मेहरोत्रा का कहना है कि अचानक हुई इस बढ़ोत्तरी से ढाबों, ठेलों और छोटे व्यवसायों की लागत बढ़ जाएगी। जिससे आम जनता पर भी महंगाई का असर पड़ेगा। गौतम मेहरोत्रा ने कहा कि घर से बाहर रहने वाले लोगों का खाने का खर्च बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ छल हो रहा है। सरकार तेल कंपनियों के साथ मिलकर जनता की जेब काट रही है। उन्होंने कमर्शियल सिलेंडरों पर सब्सिडी देकर कारोबारियों को राहत देने की मांग भी उठाई है।

राज्य सरकार खोल रही शराब के शोरूम

संवाददाता, काशीपुर

● कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी ने भाजपा सरकार पर किया हमला

अमृत विचार: कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव और लोकसभा प्रत्याशी रहे प्रकाश जोशी ने प्रेस वार्ता कर भाजपा सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में चुनाव निपटने के तुरंत बाद सरकार ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि कर दी। अब पेट्रोल और डीजल के रेट बढ़ाने की तैयारी है। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है। जनता महंगाई से त्रस्त है और सरकार शराब के शोरूम खोल रही है।

सोमवार को कुंडेश्वरी रोड स्थित शगुन गार्डन में आयोजित प्रेस वार्ता में जोशी ने कहा कि उत्तराखंड की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पटरी से उतर गई है। पर्वतीय अंचल में 950 स्कूल बंद हो गए हैं। चार हजार स्कूलों में दस से कम बच्चे पढ़ रहे हैं। 1400 स्कूलों में छात्र संख्या शून्य है। ऐसे में सरकार अपनी विज्ञापन के माध्यम से उपलब्धि गिना रही है। प्रेस वार्ता के बाद आयोजित पार्टी की बैठक में पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी ने कहा है कि 2027 का चुनाव हम एकजुटता से लड़कर जीत कर दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि पहाड़ में कई गांव ऐसे हैं जहां सड़क पहुंची ही नहीं। हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल की हालत खस्ता है। अस्पतालों में स्पेशलिस्ट डॉक्टर नहीं हैं।

काशीपुर में पत्रकार वार्ता करते कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री आंदोलित हैं। लेकिन सरकार कोई सुनवाई नहीं कर रही है। हर बार परीक्षा होती है लेकिन पेपर लीक हो जाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से यह बातें जनता के बीच ले जाने की अपील की। देवभूमि कहलाने वाले उत्तराखंड में लिव इन रिलेशनशिप को भाजपा सरकार ने मान्यता दे दी है। यह भाजपा का चेहरा बताता है। जिन लोगों ने राज्य गठन के लिए कुर्बानी दी आज उनके सपने टूट चुके हैं। आज तक अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिल सका। पहाड़ों से पलायन तेजी से हो रहा है। इस मौके पर एआईसीसी सदस्य और कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अलका पाल, पूर्व अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, दीपिका गुड़िया, इंदुमान, मनोज जोशी, ब्रह्म पाल, सारिम सैफी, गौरव चौधरी, पार्षद अब्दुल कादिर, नौशाद हुसैन, राशिद फारूकी और सरफराज, रवि ढींगरा, प्रदीप जोशी मंसूर अली मंसूरी आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों की डीएफओ से वार्ता विफल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: ग्राम जुड़का में वन भूमि को लेकर चल रहे मामले में ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल की तराई पश्चिमी वन प्रभाग के डीएफओ के साथ हुई वार्ता विफल रही। वहीं बारिश में भी ग्रामीण धरने पर डटे रहे।

रामनगर रेंज के जुड़का बीट पर गांधीनगर खत्ता में वन विभाग की 58 हेक्टेयर भूमि पर प्लांटेशन किया जाना है। कोर्ट के आदेश पर वन विभाग की टीम ने दिसंबर माह में वन भूमि को कब्जे में लेकर तारबाड़ की थी। तारबाड़ के समय मौके पर कुछ ग्रामीणों ने गेहूं की फसल बोई हुई थी। तब ग्रामीणों के आग्रह पर वन विभाग ने भूमि को फसल कटाई तक छोड़ दिया था। 28 अप्रैल को वन विभाग की 58 हेक्टेयर भूमि पर प्लांटेशन करने पहुंची वन विभाग की टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा था। रविवार को ग्रामीणों ने 6 मई को एसडीएम कार्यालय में महापंचायत करने का निर्णय लिया था। भूमि बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष संतोष ने बताया कि सोमवार को ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल तराई पश्चिमी वन प्रभाग के डीएफओ पीसी आर्या से मिलने रामनगर गया था। जहां उनके साथ वन भूमि को लेकर वार्ता की गई। लेकिन वार्ता में डीएफओ द्वारा कोई सकारात्मक आश्वासन नहीं देने पर वार्ता विफल हो गई।

काशीपुर के ग्राम जुड़का में धरने पर बैठे ग्रामीण। ● अमृत विचार

साइकिल सवार दिव्यांग का शव नहर में मिला

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: स्थानीय निवासी साइकिल सवार एक दिव्यांग का शव नहर में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिव्यांग की मौत नहर में डूबकर होने के आशंका व्यक्त की जा रही है।

सोमवार को पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति का शव डॉ. एमपी सिंह नर्सिंग होम वाली नहर में पड़ा है। कोतवाल ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाया। साथ ही आसपास के लोगों से उसकी शिनाख्त कराई। शव की शिनाख्त 35 वर्षीय तरुण पुत्र बृजेश निवासी हीरा गार्डन के पीछे पुरानी सरकारी बिल्डिंग जसपुर के रूप में हुई। लोगों ने पुलिस को बताया कि मृतक एक पैर से दिव्यांग है। वह शराब पीने का आदी होने के कारण परिवार से अलग रहता था। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया कि मृतक एक पैर से दिव्यांग था। नशे में साइकिल सहित नहर में गिर गया। पानी में दम घुटने से उसकी मौत होना प्रतीत हो रही है। शव को बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों का पता लग सकेगा।

विधायक पांडेय का पुतला फूंका

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम सेमलपुरी स्थित जनजाति भूमि विवाद अब राजनीतिक रूप से गरमाने लगा है। सोमवार को आजाद समाज पार्टी (आसपा) के कार्यकर्ताओं ने गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए भगत सिंह चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया और उनका पुतला दहन किया।

आसपा के किसान प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कुंवरजीत सिंह पूनिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एक गरीब बुक्सा जनजाति परिवार की भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जनजाति समाज के हितों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन को और धार दी जाएगी।

प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के प्रदेश नेतृत्व से मांग की है कि विधायक अरविंद पांडेय को तत्काल पार्टी से निष्कासित किया जाए। साथ ही, उन्होंने विधायक से नैतिकता के आधार पर पद से इस्तीफा देने की मांग भी उठाई।

इस प्रदर्शन के दौरान कुमाऊं मंडल सचिव सतीश राज, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहेरूम खान उर्फ टोनी पठान, नगर अध्यक्ष सोनू जाटव और सरदार गुरमीत सिंह उपस्थित रहे।

गदरपुर विधायक अरविंद पांडेय का पुतला दहन करते आजाद समाज पार्टी कार्यकर्ता।

आक्रोश

उग्र आंदोलन की चेतावनी दी, दो घंटे चला धरना, सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

भूमि के हक के लिए किसानों ने घेरा एसडीएम दफ्तर

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: बाजपुर क्षेत्र में बहुचर्चित 20 गांवों की 5838 एकड़ भूमि का मालिकाना हक पाने का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) कार्यालय परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

उत्तराखंड किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में भारी संख्या में किसान और कार्यकर्ता एसडीएम कार्यालय पहुंचे। भीषण गर्मी को देखते हुए परिसर में ही टेंट लगाया गया, जहां दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक धरना सभा आयोजित की गई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने प्रदेश सरकार की नीतियों को ''किसान विरोधी'' बताते हुए जमकर नारेबाजी की। ढिल्लो ने आरोप लगाया कि सरकार वर्षों से लंबित इस गंभीर समस्या के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है और किसानों का शोषण हो रहा है। प्रदर्शन के उपरांत उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक आठ-सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में प्रमुख मांगें 20 गांवों की विवादित भूमि का स्थायी समाधान कर किसानों को मालिकाना हक देना, वर्ग ख, वर्ग 2, 4 और 6(2) की भूमि को संक्रमणीय भूमिधरी अधिकार में बदलना, सिंचाई हेतु ट्यूबवेल और मोटर के बिजली बिल माफ करना, गन्ना किसानों के बकाया भुगतान और खाद (यूरिया, डीएपी) की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना आदि रहीं।

विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता त्राहि-त्राहि कर रही है और अब परिवर्तन का समय आ गया है। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा, नगराध्यक्ष सत्यवान गर्ग, युवा कांग्रेस नेता वरुण कपूर, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नवदीप सिंह कंग, हरमीत सिंह बड़ैच, लीलाधर सैनी, मो.फुरकान रजा, ओमप्रकाश ठेकेदार, विश्वजीत सिंह, हरभजन सिंह, अनवर हुसैन, लाल सिंह, हरदेव सिंह, चंदन सिंह न्याल, भूपेंद्र कौर बेदी आदि मौजूद रहे।

बाजपुर के एसडीएम दफ्तर परिसर में धरना देते कांग्रेस कार्यकर्ता एवं किसान। ● अमृत विचार

प्रतिमा के स्थान चयन पर विवाद

बाजपुर: ग्राम पंचायत बरहैनी में श्रद्धेय राजा जगत देव की भव्य मूर्ति स्थापना के लिए लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग द्वारा चयनित स्थान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस प्रस्तावित स्थल को अनुपयुक्त बताते हुए उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपकर अपना विरोध दर्ज कराया है। सांसद अजय भट्ट के प्रयासों से प्रस्तावित इस परियोजना की सराहना करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि वर्तमान में चिह्नित स्थान हाईवे के अतिक्रमण क्षेत्र में आता है। ग्रामीणों के अनुसार, इस स्थल के समीप नालियों का गंदा पानी बहता है, जो बरसात में ओवरफ्लो होकर गंदगी फैलाता है। वहां पानी की टंकी और घने पेड़ होने के कारण सार्वजनिक आवाजाही अधिक रहती है, जिससे प्रतिमा की गरिमा प्रभावित होगी।

एक ही जगह पर सभी प्रशासनिक भवन होंगे

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक ही स्थान पर प्रशासनिक भवन बनाने की कवायद तेज हो गई है। टांडा तिराहे के पास राजस्व भूमि को भवन के लिए चिह्नित किया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस भूमि पर प्रस्तावित प्रोजेक्ट की लगभग 46 करोड़ की डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी है।

क्षेत्र में एसडीएम कार्यालय, चकबंदी कार्यालय, तहसील कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय समेत भी प्रशासनिक कार्यालय अलग-अलग स्थानों पर संचालित हो रहे हैं। ऐसे में लोगों को अपने कामकाज कराने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते हैं। जिससे समय की बर्बादी तो होती ही है साथ ही काम भी पूरा नहीं हो पाता है। आमजन को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए शासन-प्रशासन सभी प्रशासनिक कार्यालयों को एक ही छत के नीचे लाने के लिए प्रयासरत है। टांडा तिराहे के पास राजस्व भूमि को भवन के लिए चिह्नित किया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इस भूमि पर प्रस्तावित प्रोजेक्ट की लगभग 46 करोड़ की डीपीआर तैयार कराई है। लगभग पौने चार एकड़ भूमि पर चार मंजिला बहुउद्देशीय प्रशासनिक भवन बनाया जाएगा। जिसमें एसडीएम कार्यालय, चकबंदी कार्यालय, तहसील कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय समेत सभी प्रशासनिक कार्यालय होंगे।

अमृत विचार

मंगलवार, 5 मई 2026

दुखी मत हो, तुम जो भी खोते हो, वह किसी और रूप में वापस आ जाता है।
–रूमी, सूफी

परिवर्तन की नई बयार

पश्चिम बंगाल की राजनीतिक उर्वर भूमि ने एक बार फिर इतिहास रचा है। चुनाव परिणामों ने न केवल सत्ता का केंद्र बदल दिया है, बल्कि पिछले डेढ़ दशक से चले आ रहे एकक्षत्र राजनीतिक विमर्श पर भी विराम लगा दिया है। पिछले 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के अभेद्य दुर्ग में 'कमल' का यह उदय भारतीय लोकतंत्र की उस अंतर्निहित शक्ति का प्रमाण है, जहां जनता की खामोशी बड़े-बड़े किलों को ढहाने का माद्दा रखती है। किसी भी लोकतंत्र में 15 साल का समय एक लंबा कालखंड होता है।

टीएमसी के शासनकाल के शुरुआती वर्षों में जो परिवर्तन' का उत्साह था, वह धीरे-धीरे 'सत्ता विरोधी लहर में तब्दील होता गया। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने महिला सुरक्षा के दावों पर सवाल खड़े किए, तो वहीं शिक्षक भर्ती घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के मामलों ने राज्य के शिक्षित युवाओं और मध्यम वर्ग के भरोसे को हिलाकर रख दिया। भाजपा ने इन जख्मों को पहचानकर अपनी चुनावी रणनीति बुनी और भ्रष्टाचार मुक्त बंगाल के नारे को सीधे जन-जन तक पहुंचाया। इस जनादेश का एक महत्वपूर्ण पहलू मतों का ध्रुवीकरण और सामाजिक समीकरणों का बदलाव है। बंगाल की राजनीति पारंपरिक रूप से पहचान और अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। टीएमसी का मजबूत आधार माना जाने वाला मुस्लिम मतदाता वर्ग इस बार कुछ क्षेत्रों में बिखरे हुए नजर आए, वहीं दूसरी ओर मतुआ समुदाय और आदिवासी बेल्ट में भाजपा की पकड़ और अधिक मजबूत हुई। यह इस बात का संकेत है कि मतदाता अब केवल लोकलुभावन योजनाओं के सहारे नहीं, बल्कि स्थायी बुनियादी ढांचे और रोजगार के ठोस अवसरों की तलाश में हैं। बंगाल की राजनीति का एक काला पक्ष हमेशा चुनावी हिंसा रहा है। इस बार के चुनावों में भी हिंसा की खबरें सुर्खियों में रहीं, लेकिन जनता ने भारी मतदान के जरिए यह संदेश दे दिया कि वे भयमुक्त वातावरण चाहते हैं। ममता बनर्जी की हार के पीछे एक बड़ा कारण उनके कैडरों पर लगे दबंगई के आरोप भी रहे। भाजपा के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती इस राजनीतिक हिंसा के चक्र को तोड़कर एक शांतिपूर्ण शासन व्यवस्था स्थापित करना होगा। 15 साल बाद सत्ता में आए इस बदलाव को संभालना नई सरकार के लिए आसान नहीं होगा। बंगाल पर चढ़ा भारी कर्ज, औद्योगिक पिछड़ापन और केंद्र के साथ राज्य के रिश्तों को पटरी पर लाना प्राथमिकता होगी।

ममता बनर्जी ने विपक्ष में रहकर जिस आक्रामकता की राजनीति की है, वही आक्रामकता अब वे एक सशक्त विपक्षी नेता के तौर पर सदन में दिखाएंगी। ऐसे में नई सत्ता को सुशासन की कसौटी पर खुद को हर दिन साबित करना होगा। जनादेश से स्पष्ट है बंगाल विकास की एक नई पटकथा लिखना चाहता है। यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि उस आम बंगाली मानस की है, जिसने बदलाव के लिए अपना मत दिया। सत्ता का यह हस्तांतरण केवल कुर्सियों का बदलाव नहीं होना चाहिए, बल्कि यह बंगाल के गौरव और आर्थिक पुनरुद्धार की नई शुरुआत होनी चाहिए।

प्रसंगवश

रिश्तों के ताने-बाने में पनपती विकृतियां

हाल ही में कानपुर में एक पिता ने अपनी 11 साल की दो मासूम जुड़वां बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन समाज में पनपती विकृतियां अब आपसी रिश्तों पर भी हावी होती प्रतीत हो रही हैं। यह बर्बादी की एक नई कहानी है, जो अब धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। ये अपने-आप में पहली घटना नहीं है, बल्कि ऐसे सैकड़ों मामले दरकते रिश्तों की अपनी दास्तां बयान करते हैं। जिन रिश्तों और संबंधों को किसी समय प्रेम, विश्वास और सुरक्षा से बांधा जाता था, वही अब स्वार्थपरक अनैतिक आचरण में लिप्त हो, कलयुग कहे जाने वाले समय की कालिख बनने का काम कर रहे हैं। यह हमें सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि आखिर ये समाज कहा जा रहा है और हम कहां जा रहे हैं?

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

कानपुर घटनाक्रम में हत्या के पीछे तनाव और नशे को जांच का आधार बनाया गया है, लेकिन देश का कोई भी कोना ऐसे मामलों से शायद ही अब अछूता हो। इससे पहले दिल्ली के नोएडा में आरुषि तलवार और गुरुग्राम में राधिका यादव की अपने ही पिता द्वारा जघन्य हत्या जैसे मामले भरोसे के इन रिश्तों की कहानी बयां करते हैं। राजस्थान के अलवर और मेरठ में पत्नी के प्रेमी संग पति की हत्या, लखनऊ में बेटे द्वारा कारोबारी पिता की हत्या कर टुकड़े ड्रम में रखने जैसे दिल दहला देने वाले प्रकरणों ने जनमानस को हिला कर रख दिया है।

असल में अब समाज में रिश्तों का कत्ल एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिनके स्वरूप अलग-अलग देखे जा सकते हैं। जहां आपसी विवाद, प्रॉपर्टी और पैसा, अनैतिक संबंध, अहंकार और भरोसे की कमी के कारण भाई-भाई, बेटे-पिता, पिता-बेटी और पति-पत्नी के रिश्ते तार-तार हो रहे हैं। पिछले सालों में बढ़ने वाला नशे का प्रचलन भी इसका एक बड़ा कारण बन रहा है, जिसमें व्यक्ति अपराध करने से पहले यह नहीं समझ पाता कि सामने सगे-संबंधी हैं या कोई और। ऐसा लगता है जैसे कि रिश्तों का कत्ल करने की होड़ मची हुई है। ऐसा करने में कोई भी रिश्ता किसी भी रिश्ते से पीछे नहीं है।

इस तरह की अनैतिक घटनाएं जैसे सगे-संबंधियों को मार देना या संपत्ति के लिए अपनों की हत्या सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। अत्यधिक स्वार्थ, लालच और अहंकार के कारण व्यक्ति अपनों के प्रति संवेदनहीन हो रहा है। रिश्तों में प्यार और भरोसे की कमी के कारण वे बोझ बन कर अंततः टूट जाते हैं। आपसी सम्मान और प्रेम में कमी आ रही है, जिससे रिश्तों की परिभाषा बदल रही है और सामाजिक सौहार्द खत्म हो रहा है। परिणाम स्वरूप परिवार तबाह हो रहे हैं और समाज शर्मसार हो रहा है। इस तरह के मामले बताते हैं कि भौतिक सुख-सुविधाओं की चाह में इंसानियत खत्म हो रही है।

देश में हर रोज कहीं न कहीं हो रही इस तरह की घटनाएं बता रही हैं कि परिवार और समाज में सुरक्षा का भाव दिनों-दिन कम हो रहा है। तनाव के चलते रिश्तों में खटास होने से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। मानवता पर सवाल उठने लगे हैं। प्यार और स्नेह की जगह अब नफरत ले रही है, जो समाज के लिए खतरनाक है। यह आवश्यक है कि हम अपने रिश्तों में आपसी विश्वास, समझ और प्रेम को बहाल करें, ताकि समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहे।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

बीजेपी का विस्तार और क्षेत्रीय क्षत्रपों का नया स्वरूप

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता वापसी की घटना मात्र नहीं हैं, बल्कि ये देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज हैं, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं। इन परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या पारंपरिक वोट बैंक के गणित में उलझने वाला नहीं है, बल्कि वह शासन की जवाबदेही, नेतृत्व की विश्वसनीयता और विकास के ठोस धरातल पर अपना निर्णय सुना रहा है।

पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर दक्षिण के तटीय मैदानों तक फैली इस राजनीतिक हलचल का यदि सूक्ष्म विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखाई देता है कि 'भगवा' राजनीति का पूर्वी विस्तार अब अपने चरम पर है, जबकि दक्षिण में क्षेत्रीय अस्मिता और नए राजनीतिक विजन के बीच एक दिलचस्प संघर्ष छिड़ गया है। ये चुनाव परिणाम उन तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए एक सबक हैं, जो केवल पुराने आंकड़ों के आधार पर भविष्यवाणियां करते थे, क्योंकि इस बार मतदाताओं ने एक ऐसी 'परिवर्तन की आंधी' का सूत्रपात किया है, जिसने कई दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

2026 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम देश की राजनीतिक दिशा और मतदाता के बदलते मनोविज्ञान का एक ऐसा विस्तृत दस्तावेज है, जिसने भविष्य की राजनीति के लिए नए प्रतिमान स्थापित कर दिए हैं।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आए 'महाभूकंप' को देखे बिना 2026 के इस जनादेश की व्याख्या अधूरी है। लगभग डेढ़ दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस का ढहना और भाजपा का 150 सीटों के पार जाना यह दर्शाता है कि बंगाल की जनता 'सिंडिकेट राज' और 'कट मनी' की संस्कृति से ऊब चुकी थी। बंगाल का यह परिणाम केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है, जहां मतदाताओं ने 'बंगाली अस्मिता' के साथ 'राष्ट्रीय विकास' के समन्वय को स्वीकार किया है।

संदेशखाली जैसी घटनाओं ने शासन के प्रति जो आक्रोश पैदा किया था, वह ईवीएम के माध्यम से ज्वालामुखी की तरह फटा। भाजपा ने यहां जिस प्रकार से हिंदू मतों का ध्रुवीकरण किया और साथ ही मतुआ एवं राजवंशी समुदायों को अपने पक्ष में संगठित किया, उसने टीएमसी के अभेद्य दुर्ग की ईंट से ईंट बजा दी। ग्रामीण बंगाल में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' और 'जल जीवन मिशन' जैसी केंद्रीय योजनाओं ने एक नया 'लाभार्थी वर्ग' तैयार किया, जिसने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की पारदर्शिता को राज्य सरकार की भ्रष्टाचार युक्त मशीनरी से बेहतर पाया। यह चुनाव परिणाम ममता बनर्जी के उस करिश्मे के अंत का भी संकेत है, जो कभी अपराजेय माना जाता था और अब बंगाल की राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सुशासन और कानून-व्यवस्था ही सत्ता की एकमात्र कसौटी रह गई है।

असम की ओर रुख करें तो यहां की स्थिति बंगाल से बिल्कुल भिन्न, लेकिन उतनी ही प्रभावशाली है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा की 'हैट्रिक' ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब विकास को सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जोड़ दिया जाता है, तो वह एक अजेय फॉर्मूला बन जाता है। असम में भाजपा की जीत केवल सत्ता की निरंतरता नहीं है, बल्कि यह उस विश्वास की पुष्टि है, जो जनता ने सरमा के प्रभावी और साहसी नेतृत्व में दिखाया है। असम का जनादेश संदेश देता है कि यदि नेतृत्व के पास विजन हो और वह जमीनी मुद्दों पर आक्रामक तरीके से कार्य करे तो जनता उसे फिर सेवा का अवसर प्रदान करती है। यहां विपक्ष की बिखरी हुई ताकत और कांग्रेस की वैचारिक शून्यता ने भाजपा की राह को और भी आसान बना दिया।

दक्षिण भारत के राजनीतिक परिदृश्य में तमिलनाडु ने इस बार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। थलपति विजय के रूप में एक नए राजनीतिक सूर्य का उदय यह बताता है कि तमिलनाडु की जनता अब डीएमके और एआईएडीएमके के दशकों पुराने द्वंद्व से मुक्ति चाहती थी। विजय की पार्टी 'तमिलगा वेत्री कड़गम' द्वारा 100 सीटों का आंकड़ा पार करना एक राजनीतिक चमत्कार है, जिसने एमजीआर के उस दौर की याद ताजा कर दी, जब सिनेमा और राजनीति का संगम सत्ता की चाबी बन गया था। विजय ने खुद को केवल एक फिल्मी सितारे के रूप में नहीं, एक 'संकटमोचक' और 'युवा आइकन' के रूप में पेश किया। उन्होंने गठबंधन की राजनीति को ठेंगा दिखाते हुए 'अकेले शेर' की तरह चुनावी मैदान में उतरने का जो साहस दिखाया, उसने तमिल युवाओं के बीच एक नई ऊर्जा का संचार किया।

केरल का चुनाव परिणाम भी कम दिलचस्प नहीं रहा, जहां 'एक बार इधर, एक बार उधर' की पारंपरिक रीत ने पिनाराई विजयन की तमाम कोशिशों के बावजूद एलडीएफ को सत्ता से बाहर कर दिया। यूडीएफ की प्रचंड वापसी दर्शाती है कि केरल का शिक्षित मतदाता भ्रष्टाचार और राजकोषीय कुप्रबंधन को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं था। विभिन्न घोटालों ने एलडीएफ की साख को जो चोट पहुंचाई, उसकी भरपाई उसकी जनहितैषी योजनाओं से भी नहीं हो सकी। राहुल गांधी की वायनाड में सक्रियता और 'न्याय' जैसी योजनाओं के वादे ने कांग्रेस नीत यूडीएफ के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाइयों और मुस्लिमों के बीच उपजे असंतोष ने सत्ता के संतुलन को पूरी तरह बिगाड़ दिया।

पुडुचेरी जैसे छोटे केंद्र शासित प्रदेश ने भी यह दिखाया कि राजनीति में स्थिरता और केंद्र के साथ तालमेल का कितना महत्व है। एन रंगासामी की सहज छवि और भाजपा के साथ उनके गठबंधन ने मतदाताओं को यह भरोसा दिलाया कि विकास के लिए केंद्र और स्थानीय सरकार का एक पटरी पर होना जरूरी है। नतीजों ने साबित किया कि छोटे क्षेत्रों में व्यक्तिगत संपर्क और सामाजिक समीकरण ही हार-जीत की रेखा खींचते हैं। यहां का मतदाता प्रशासनिक गतिरोध के बजाय स्थिरता को अधिक महत्व देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

बंगाल और असम में जनादेश को प्रभावित किया गया है। ED, CBI, चुनाव आयोग, पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर चुनाव को प्रभावित किया गया। भारी संख्या में केंद्रीय बल तैनात कर पहली बार इस तरह जनादेश 'चुराया' गया है। चुनाव प्रक्रिया को बीजेपी के पक्ष में मोड़ा गया है।

–दीपक बैज
छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष

देश की नजर इन चुनाव परिणामों पर है। पश्चिम बंगाल की जनता ने बदलाव का संकेत दिया है। बंगाल में टीएमसी को जनता ने नकार दिया है। असम में कांग्रेस के तमाम प्रयासों के बावजूद बीजेपी सरकार बना रही है। साथ ही पुडुचेरी और तमिलनाडु में भी बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई है।

–अरुण साव
उपमुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मौसम का दोष जलवायु परिवर्तन पर मत मढ़ो!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में मौसम का बदलता मिजाज और बैसाख के महीने में जेठ जैसी तपिश का अहसास होना, अब केवल एक प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि एक गहरे पारिस्थितिक संकट की चेतावनी है। अक्सर भीषण गर्मी और लू के लिए अल नीनो या वैश्विक जलवायु परिवर्तन को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह संकट काफी हद तक मानव-निर्मित है। आज हम जिस भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं, वह वैश्विक वायुमंडलीय बदलावों और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण के प्रति बरती गई नीतिगत लापरवाही का एक मिला-जुला परिणाम है।

जब हम अपनी विकास योजनाओं के नाम पर हज़ारों हेक्टेयर प्राथमिक जंगलों, पहाड़ियों और जल निकायों को नष्ट करते हैं, तो हम अनजाने में उन प्राकृतिक 'कूलिंग एजेंटों' को खत्म कर देते हैं, जो इस तपिश के खिलाफ हमारी एकमात्र सुरक्षा थे। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, जहां तापमान अब नियमित रूप से 48C के स्तर को छूने लगा है, यह स्पष्ट है कि हमारी विकास की भूख ने धरती के प्राकृतिक थर्मोस्टेट को बिगाड़ दिया है।

गर्मी का घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं।

इस मानव-निर्मित गर्मी की सबसे प्रत्यक्ष और क्रूर मार उन मजदूरों और सड़क किनारे काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ती है, जो इस ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। भारत के करोड़ों निर्माण श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले और गिग-इकोनॉमी के कर्मचारी इस गर्मी को केवल एक आंकड़े के रूप में नहीं, बल्कि एक शारीरिक हमले के रूप में महसूस करते हैं। आंकड़ों के अनुसार, गर्मी के कारण भारत को 2030 तक अपने कुल कामकाजी घंटों का 5.8% हिस्सा खोना पड़ सकता है, जो लगभग 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियों के बराबर है।

बांदा जैसे शहरों में, कंक्रीट और कोलतार की सड़कें गर्मी को सोखकर रात में भी उसे वापस छोड़ती हैं, जिससे 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव पैदा होता है और स्थानीय तापमान ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 5C से 7C तक अधिक बना रहता है। नीतिगत स्तर पर मजदूरों के लिए 'छाया का अधिकार' या लू के दौरान काम के घंटों में बदलाव जैसे नियम केवल कागजों तक सीमित हैं, जो हमारे विकास के उस अंधेपन को दर्शाते हैं, जहां श्रम को एक जैविक इकाई के बजाय केवल एक मशीन समझा जाता है।

गर्मी का यह घातक रूप हमारी खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रहा है। 'थर्मल शॉक' के कारण गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के दाने दूध भरने की अवस्था में ही सूख रहे हैं, जिससे पैदावार में 15% से 25% तक की गिरावट दर्ज की जा रही है। मिट्टी की नमी खत्म होने से उपजाऊ जमीन अब मरुस्थल में बदल रही है, फिर भी हमारी नीतियां सूखे क्षेत्रों में अधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा दे रही हैं। इसी तरह, जंगलों के विखंडन और अवैध खनन ने वन्यजीवों के लिए भोजन का संकट पैदा कर दिया है।

छतरपुर और पन्ना टाइगर रिजर्व के आसपास के इलाकों में, खनन के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूख चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप जंगली जानवरों का बस्तियों की ओर आना 40% तक बढ़ गया है। यह केवल मानव-पशु संघर्ष नहीं है, बल्कि उस पारिस्थितिक सुरक्षा चक्र का टूटना है, जो इंसानों और जानवरों को एक साथ सुरक्षित रखता था।

वर्तमान 'हीट एक्शन प्लान' (एचएपी) की सबसे बड़ी विफलता यह है कि वे केवल शहरों में मौतों को रोकने पर केंद्रित हैं, जबकि जमीन, जल और मिट्टी के गिरते स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। अब समय आ गया है कि नीतिगत स्तर पर 'वन हेल्थ' के दृष्टिकोण को अपनाया जाए, जहां मिट्टी की नमी, पशुधन का स्वास्थ्य और वन्यजीवों का संरक्षण एक ही इकाई के रूप में देखा जाए। हमें केवल वृक्षारोपण की रस्म अदायगी से ऊपर उठकर बुंदेलखंड के चंदेलकालीन तालाबों जैसे पारंपरिक जल-प्रबंधन तंत्र को पुनर्जीवित करना होगा। ये तालाब केवल पानी का स्रोत नहीं थे, बल्कि वे स्थानीय पारिस्थितिकी को ठंडा रखने के विकेंद्रीकृत साधन थे। नीति निर्माताओं को यह समझना होगा कि राजमार्गों के लिए काटे गए पेड़ केवल लकड़ी नहीं थे, बल्कि वे उस सूक्ष्म-जलवायु का हिस्सा थे, जो फसलों को झुलसने से बचाती थी।

हमें विकास की अपनी परिभाषा को बदलना होगा। बुंदेलखंड में पत्थर खनन के लिए काटी गई हर पहाड़ी और उत्तराखंड में कंक्रीट के विस्तार के लिए नष्ट की गई हरियाली हमारे भविष्य की ठंडी हवाओं को रोक रही है। आर्थिक लाभ की तुलना में गर्मी के कारण होने वाला स्वास्थ्य और कृषि का नुकसान कहीं अधिक है। भविष्य की नीतियों की सफलता अब इस जवाबदेही पर टिकी है कि हम बुनियादी ढांचे के निर्माण में 'ग्रीन इंजीनियरिंग' को कितनी प्राथमिकता देते हैं और पर्यावरण नियमों की अनदेखी को कब बंद करते हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

'गोल्डन फ्यूचर' की ओर

जब कोई राष्ट्र भविष्य की तकनीक और विज्ञान के बजाय 'मिथकों' और 'विभाजन' की राजनीति में अपनी ऊर्जा झोंक देता है, तो वह आत्मघाती रास्ते पर होता है। क्या हम केवल अतीत के गौरव में ही जिंदा रहेंगे? टीके अरुण का हाल में छपा लेख 'Enough With Mythologies' हमारे गाल पर एक तमाचा है। वे सही कहते हैं कि भारत की युवा ऊर्जा आज 'सांप्रदायिक नफरत' और 'प्रतिगमन की विचारधारा' (Ideology of Regression) में बर्बाद की जा रही है। हम एक ऐसे 'स्वर्ण युग' की कल्पना में पीछे की ओर भाग रहे हैं, जिसका अस्तित्व ही संदिग्ध है, जबकि दुनिया 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'क्वांटम कंप्यूटिंग' के युद्ध जीत रही है।

ज्ञानेंद्र अवस्थी
डाटा एनालिस्ट

भारत के पास 24.5 करोड़ युवाओं (20-30 वर्ष) की वह शक्ति है, जो दुनिया में किसी के पास नहीं है, लेकिन हकीकत क्या है? हमारे बेहतरीन दिमाग या तो विदेशों में बस रहे हैं या फिर 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' (GCCs) में विदेशी कंपनियों के लिए 'मजदूरी' कर रहे हैं। जो युवा हाथ तकनीक और नवाचार (Innovation) के लिए होने चाहिए थे, वे आज सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने और डिजिटल पहरों का हिस्सा बनने में खर्च हो रहे हैं।

एक लीटर एथेनॉल के लिए 10,000 लीटर पानी फूंकना विकास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के खिलाफ युद्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कच्चा तेल तीन वर्षों के औसत 45/लीटर उपलब्ध रहा है, लेकिन 'सेठों' के मुनाफे के लिए हम रुपये -65/लीटर का एथेनॉल बना रहे हैं और वह भी अपने मुख्य भोजन (चावल) को जलाकर।

जहां हम 'मिथकों' की राजनीति में उलझे रहे, चीन ने अपनी नींव पत्थर की कर ली। चीन का रणनीतिक तेल भंडार 1,397 मिलियन बैरल पहुंच गया, जबकि भारत मात्र 21 मिलियन बैरल (0% वृद्धि) पर खड़ा है। हमारा चीन के साथ व्यापार घाटा 155% बढ़कर $112.1 बिलियन हो गया है। दुखद यह है कि हम चीन से खिलौने नहीं, बल्कि अपनी इंडस्ट्री के लिए 'ऑर्गेनिक केमिकल्स' और 'मशीनरी' मांग रहे हैं। हम उत्पादन के लिए पूरी तरह चीन के 'तकनीकी गुलाम' बन चुके हैं।

हमें तकनीक चाहिए, हमें पानी चाहिए और हमें वह 'विजन' चाहिए, जो हमें 21वीं सदी का नेतृत्व दिला सके, न कि वह विचारधारा जो हमें 11वीं सदी में वापस ले जाए।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ग्रामीण स्वास्थ्य की चुनौतियां व जरूरत

उत्तराखंड के दूर-दराज़ पहाड़ी गांव दिखने में जितने सुंदर होते हैं, वहां का जीवन उतनी ही जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और घुमावदार रास्तों के बीच सीमित संसाधनों के साथ यहां के लोगों का जीवन अपनी रफ्तार से चलता है। वैसे तो यहां के दूर-दराज गांवों में लगभग सभी बुनियादी सुविधाओं का अभाव दिख जाता है, लेकिन जब बात स्वास्थ्य सुविधाओं की आती है, तो यह मुश्किल पहाड़ जैसी बड़ी नजर आती है। खासकर महिलाओं, किशोरियों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आज भी यहां के कई ग्रामीण क्षेत्रों में एक संघर्ष की तरह है, हालांकि बीते कुछ वर्षों में इस दिशा में काफी सुधार भी हुए हैं, लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। इसका सबसे अधिक असर महिलाओं और किशोरियों पर पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को नियमित जांच और प्रसव के लिए दूर जाना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य जोखिम बढ़ जाता है।

कविता बिष्ट
एक्टिविस्ट

अगर पिछले पांच वर्षों पर नज़र डालें, तो उत्तराखंड के ग्रामीण स्वास्थ्य तंत्र में कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं। राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्तमान में उत्तराखंड के ग्रामीण इलाकों में लगभग 250 से अधिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 60 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं। इसके अलावा उप-केंद्रों की संख्या भी हजारों में है, जो गांव-स्तर पर बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं। पिछले पांच वर्षों में संस्थागत प्रसव दर में वृद्धि हुई है और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में गिरावट आई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत आशा कार्यकर्ताओं और आंगनबाड़ी सेवाओं ने गांव-गांव तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाई है। टीकाकरण अभियान और पोषण कार्यक्रमों ने बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वर्ष 2026-27 के बजट में केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए लगभग 90,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है, जिसमें ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया है। वहीं उत्तराखंड सरकार ने भी अपने बजट में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इसमें ग्रामीण अस्पतालों के उन्नयन, नए स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना और चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता पर ध्यान दिया गया है।

नई योजनाओं के तहत 'आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' को और मजबूत किया जा रहा है, जिससे गांव स्तर पर ही प्राथमिक उपचार और जांच की सुविधा उपलब्ध हो सके। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और डिजिटल हेल्थ मिशन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं और किशोरियों के स्वास्थ्य पर केंद्रित कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

केवल योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही जरूरी है। जब एक महिला को अपने स्वास्थ्य के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, तो यह केवल उसकी शारीरिक परेशानी नहीं होती, बल्कि यह उसके अधिकारों की भी अनदेखी होती है। एक सशक्त समाज वही होता है, जहां हर व्यक्ति को बुनियादी सुविधाएं समान रूप से उपलब्ध हों, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में क्यों न रहता हो।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अंतस

सा धना का सार है समाधि। सर्वस्व है, उपसंहार है। निष्कर्ष है। फल है। प्रतिफल है। परिणाम है। समाधि दो शब्दों से मिलकर बना है- सम और धी। सम यानी सम्यक या एक जैसा होना। धी यानी बुद्धि या प्रज्ञा। इस प्रकार समाधि का अर्थ हुआ बुद्धि का एक समान स्तर पर होना। समत्व की स्थिति में होना। समदर्शी होना। समदृष्टि होना। स्थिर बुद्धि होना। इसका एक अर्थ है समय आधि अर्थात समय के पार जाना। योग-साधना की चरम अवस्था है समाधि, लेकिन ध्यान रहे समाधि मंजिल नहीं है, यह केवल एक पड़ाव है। आध्यात्म की असली यात्रा इसके बाद ही शुरू होती है।

आचार्य प्रदीप द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक

योग-साधना की चरम अवस्था है समाधि

त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे

यदि कोई साधक समाधि की अवस्था को उपलब्ध है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि साधक सम अवस्था में है। वह सुख-दुख, हानि-लाभ, मान-अपमान आदि द्वंदों से मुक्त है, परे है। उस स्थिति में साधक का कोई पृथक अस्तित्व नहीं रहता। साधक का ब्रह्म में अवस्थान हो जाता है। भगवान की सत्ता, चैतन्य और आनंद अपने आप साधक की वाणी, भाव और कार्य के द्वारा पूर्ण रूप से प्रस्फुटित होने लगते हैं। समाधि की अवस्था में प्रमाण, विपर्यय, विकल्प, निद्रा, स्मृति आदि चित्तवृत्तियां मिट जाती हैं। समाधि की अवस्था को पा लेने पर साधक जीवमात्र को जीवन-मरण और संसारचक्र में घुमाने वाले दुःखदायक अविद्या, अस्मिता, राग, द्वेष और अभिनिवेश आदि पंचक्लेशों से मुक्त हो जाता है, पर यह अवस्था पाना आसान नहीं है। कई पड़ाव पार करने होते हैं। एक लंबी अवधी की प्रक्रिया है। आत्मा के ऊपर से अविद्या, अज्ञान का आवरण हट जाता है। जिस प्रकार बादलों के आवरण से मुक्त होते ही सूर्य का तेज प्रकट हो जाता है, वैसे ही अविद्या, अज्ञान का आवरण हटते ही, मिटते ही आत्मा अपने यर्थास्वरूप को पहचानकर परमात्मा में स्थित हो जाती है। साधक सत, रज, तम आदि त्रिगुणात्मक प्रकृति के प्रभाव से परे हो जाता है। वह शब्द, रूप, रस, गंध आदि तन्मात्राओं के प्रभाव से भी परे हो जाता है।

समाधि के चरण

- समाधि के दो चरण या स्तर बताए गए हैं- संप्रज्ञता व असंप्रज्ञता। संप्रज्ञता समाधि के 4 प्रकार हैं- पहला है सवितर्क समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें स्थूल विषय पर ध्यान लगाया जाता है। उदाहरणस्वरूप मूर्ति पर ध्यान जमाने को सवितर्क समाधि कहा जाता है। दूसरी है सविचार समाधि। यह समाधि का वह रूप है, जिसमें सूक्ष्म विषय पर ध्यान लगाया जाता है। इस समाधि में कभी-कभी तन्मात्रा भी ध्यान का विषय होती है। तीसरी है सानंद समाधि। इस समाधि में ध्यान का विषय इंद्रियां रहती हैं। हमारी इंद्रियां 11 हैं- 5 ज्ञानेन्द्रियां, 5 कर्मेन्द्रियां और मन। इन्हीं पर ध्यान लगाया जाता है। चौथी है सस्मित समाधि। इस अवस्था में ध्यान का विषय अहंकार है। अहंकार को अस्मिता कहा जाता है। कुछ विद्वानों का कहना है कि संप्रज्ञता समाधि वैराग्य से धुले हुए निर्मल चित्त की परिणीति है। इस समाधि में चित्त शुद्ध तो होता है, पर चित्त में कर्मों के संस्कारों के बीज अभी भी शेष रहते हैं। इसलिए इसे सबीज समाधि भी कहते हैं। इसलिए इस सबीज को निर्बीज करने के लिए समाधि के अगले चरण में प्रवेश करना होता है, जिसे असंप्रज्ञता या निर्बीज समाधि कहते हैं। असंप्रज्ञता समाधि में सारी मानसिक क्रिया की समाप्ति हो जाती है। मन केवल अप्रकट संस्कारों को धारण किए रहता है।

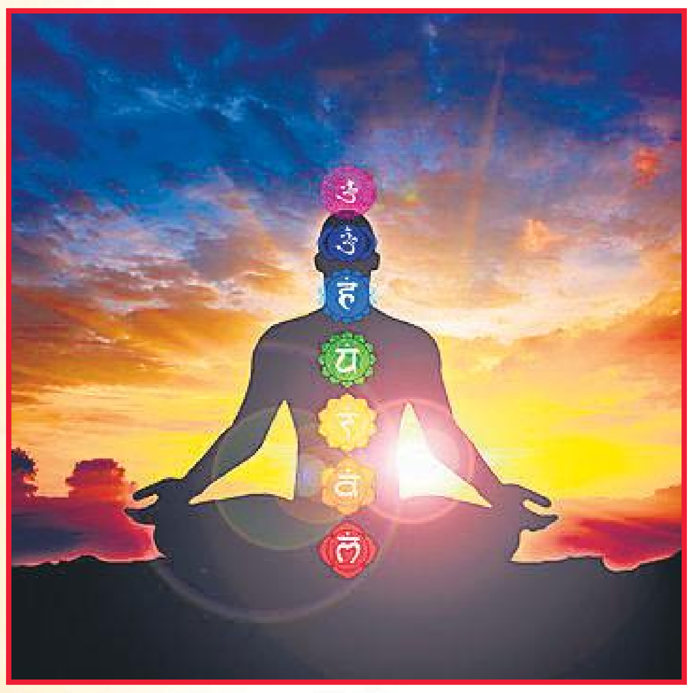

- इस प्रकार समाधि का पहला चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि-शुचिता का है। समाधि का दूसरा चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि-विलीनता का है। समाधि के प्रथम चरण अर्थात संप्रज्ञता समाधि में साधक के मन की सारी अशुद्धि तिरोहित हो जाती है। सभी विकार व बुराइयां मिट जाती हैं। पर चित्त में कर्म संस्कारों के बीज बने रहते हैं। समाधि के दूसरे चरण अर्थात असंप्रज्ञता समाधि में कर्म संस्कारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं और चित्तवृत्तियों का पूर्णतः निरोध हो जाता है। असंप्रज्ञता समाधि की अवस्था में बुराई भी गिर जाती है और अच्छाई भी। यहां तक कि अच्छाई या शुद्ध अवस्था को धारण करने वाला मन भी समाप्त हो जाता है। यह अ-मन की अवस्था है। मन की यह समाप्ति प्रकारांतर से देहबोध की समाप्ति है। इस अवस्था में देह के पृथक होने का एहसास होता है। इस अवस्था में आत्मा अपने यथार्थस्वरूप को पहचान लेती है और आत्मा का संपर्क विभिन्न विषयों से छूट जाता है। यही मोक्ष की अवस्था है। नियत समय, नियम स्थान, नियमित साधना व सात्विक आहार-विहार व संयम का पालन करते हुए कोई भी साधक इस परम आनंद, परम सुख की अवस्था को पा सकता है। बशर्ते उसे पूर्णगुरू का सानिध्य मिले तब। अन्यथा भटकाव निश्चित है।

पौराणिक कथा

गांधारी को 100 पुत्रों का वरदान

हस्तिनापुर समय के साथ आगे बढ़ रहा था। माता सत्यवती और पितामह भीष्म अब अतीत की स्मृतियों को पीछे छोड़ वर्तमान में स्थिर हो चुके थे। भीष्म ने अपनी महान प्रतिज्ञा के अनुसार स्वयं को पूरी तरह हस्तिनापुर और उसके सिंहासन की रक्षा में समर्पित कर दिया था, वहीं सत्यवती भी इस गौरवशाली कुरुवंश की मर्यादा और सुरक्षा में तल्लीन थीं। धृतराष्ट्र और पांडु दोनों का विवाह संपन्न हो चुका था और अब राजवंश में नई पीढ़ी के आगमन की आशा जाग उठी थी।

वैशंपायन ने वर्णन किया कि महाराज पांडु ने अपनी पत्नियों कुंती और माद्री के साथ कुछ समय सुखपूर्वक व्यतीत किया, किंतु शीघ्र ही उन्होंने राज्य की बागडोर भीष्म के संरक्षण में सौंपकर दिग्विजय के लिए प्रस्थान किया। वे जिस दिशा में गए, वहां के अनेक राज्यों को अपने पराक्रम से जीत लिया। कहीं उन्होंने मैत्री संधियां स्थापित कीं, तो कहीं अन्यायी राजाओं को हटाकर न्यायपूर्ण शासन की स्थापना की। कई महीनों तक चले इस अभियान के बाद वे अपार धन-संपदा, स्वर्ण और रत्न लेकर हस्तिनापुर लौटे।

उनके लौटने पर नगर में उत्सव का वातावरण था। भीष्म ने उन्हें स्नेहपूर्वक आलिंगन किया, विदुर ने आशीर्वाद दिया और धृतराष्ट्र ने उनके पराक्रम की सराहना की। माताओं ने स्नेह बरसाया और कुंती-माद्री ने आरती उतारकर उनका स्वागत किया। पांडु द्वारा लाया गया धन राजकोष को समृद्ध कर गया। उन्होंने बड़ों को आभूषण भेंट किए और प्रजा में भी उदारता से दान वितरित किया। इसके बाद पांडु अपनी पत्नियों के साथ वन की ओर चले गए, जहां वे सरल और शांत जीवन व्यतीत करने लगे। उन्हें शिकार का विशेष शौक था और जब वे धनुष-बाण तथा शस्त्रों से सुसज्जित होकर वन में निकलते, तो उनका तेज किसी देवता के समान प्रतीत होता। नगरवासी और वनवासी दोनों ही उनसे अत्यंत प्रेम और सम्मान करते थे। धृतराष्ट्र की अनुमति से उन्हें वन में सभी आवश्यक सुख-सुविधाएं भी भेजी जाती थीं।

इधर हस्तिनापुर में भी घटनाएं चलती रहीं। भीष्म ने एक सुशील कन्या से विदुर का विवाह कराया, जिनसे आगे चलकर बुद्धिमान संतानों का जन्म हुआ। उसी समय गांधारी भी गर्भवती हुईं। उनके विषय में कहा जाता है कि उन्हें शिव से सौ पुत्रों का वरदान प्राप्त था। एक दिन जब वे इस वरदान के विषय में चिंतन कर रही थीं, तभी महर्षि वेदव्यास महल में पधारे। थकान और कष्ट के बावजूद गांधारी ने उनकी अत्यंत श्रद्धा से सेवा की। प्रसन्न होकर व्यास ने उन्हें वर मांगने को कहा। तब गांधारी ने अपने पति के समान सौ पुत्रों की कामना व्यक्त की। व्यास के आशीर्वाद से उन्होंने गर्भ धारण किया और अपने सौ पुत्रों के जन्म की प्रतीक्षा करने लगीं।

पीपल के नीचे दीपक जलाने से जीवन में आती है समृद्धि

पीपल के पेड़ के नीचे पांच मुखी (पंचमुखी) दीपक जलाना ज्योतिषीय और धार्मिक रूप से अत्यंत शुभ माना जाता है, जो मुख्य रूप से शनि दोष, साढ़ेसाती और ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करता है। यह शनिवार को धन-समृद्धि, सुख-शांति और पितृ दोष से मुक्ति पाने का एक उपाय है, जिससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

शनि दोष और साढ़ेसाती में राहत - पीपल को शनिदेव का प्रतीक माना जाता है, इसलिए शनिवार को सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और मानसिक शांति मिलती है।

धन और सुख-समृद्धि- मान्यता है कि पीपल के पेड़ के नीचे नियमित या शनिवार को दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती। पितृ दोष से मुक्ति, पीपल के नीचे शाम के समय दीपक जलाने से पितर शांत होते हैं और पितृ दोष दूर हो सकता है।

पंच तत्वों का संतुलन- पंचमुखी दीपक (5 मुखी) पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) का प्रतीक माना जाता है, जो जीवन में संतुलन लाता है।

दीपक जलाने के नियम

समय- शाम के समय (गोधूलि बेला) दीपक जलाना सबसे उत्तम है।
तेल- सरसों के तेल या घी का उपयोग करें।
परिक्रमा- दीपक जलाने के बाद पीपल के पेड़ की 7 बार परिक्रमा करना शुभ माना जाता है।
पीपल के पेड़ के नीचे पंचमुखी दीपक जलाना एक बेहद असरदार उपाय माना गया है, दीपक की लौ सिर्फ रौशनी नहीं देती, ये सूर्य तत्व का प्रतीक है। यही लौ जब पीपल के नीचे जलती है, तो ये सूर्य, शनि, राहु-केतु जैसे ग्रहों के बीच संतुलन बनाती है। इससे जीवन में स्थिरता और शांति आती है। हिंदू धर्म में पंचमुखी दीपक (पांच मुख वाला दीपक) का विशेष आध्यात्मिक और वास्तु महत्व है। यह पांच तत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) और दिशाओं का प्रतीक है। इसे जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार, वास्तु दोष का निवारण, सुख-समृद्धि की वृद्धि और शत्रु-बाधा से मुक्ति मिलती है।

पंचमुखी दीपक का महत्व और लाभ

- **लक्ष्मी और बरकत :** यह दीपक अष्ट लक्ष्मी (धन, समृद्धि आदि) को आकर्षित करता है, जिससे घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं रहती।
- **वास्तु दोष दूर करना :** घर के मुख्य द्वार पर या पूजा घर में इस दीपक को जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।
- **हनुमान जी की कृपा :** विशेष रूप से मंगलवार या शनिवार को हनुमान जी के सामने पंचमुखी दीपक जलाने से हनुमान जी के पंचमुखी अवतार की कृपा प्राप्त होती है, जिससे कष्ट दूर होते हैं और साहस व सुरक्षा मिलती है।
- **पांच दिशाओं की सुरक्षा :** यह दीपक पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और ईशान कोण, इन पांचों दिशाओं से आने वाली बाधाओं को दूर करता है।
- **प्रयोग विधि :** इसे आमतौर पर शाम के समय (प्रदोष काल) में गाय के शुद्ध घी या सरसों के तेल में जलाना सबसे उत्तम माना जाता है।
- **सावधानी :** पंचमुखी दीपक को जलाते समय ध्यान रखें कि सभी पांचों मुख अलग-अलग दिशाओं में हों।
- **सरसों का तेल :** पीपल की जड़ में या उसके नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना सबसे महत्वपूर्ण है, इसमें कुछ काले तिल भी डालें।
- **काला कपड़ा :** पीपल के पेड़ में काला कपड़ा या मौली (कलावा) बांधने से पितृ दोष, शनि और राहु-केतु के अशुभ प्रभाव कम होते हैं। काले तिल और उड़द की दाल : जल में काले तिल मिलाकर अर्पित करें।
- **गुड़ :** गुड़ मिला जल या गुड़ का भोग अर्पित करने से सूर्य-शनि का दोष कम होता है।

कच्चा सूत : पीपल के पेड़ के चारों ओर 5 या 7 बार कच्चा सूत लपेटें। धूप/अगरबत्ती : सुगंधित धूप से नकारात्मकता दूर होती है।

बोध कथा

पत्थर और बांसुरी

एक बहुत ही कुशल मूर्तिकार था, जो पहाड़ों से पत्थर चुनकर सुंदर मूर्तियां बनाया करता था। एक दिन वह जंगल में गया और उसे दो बड़े पत्थर मिले। उसने सोचा, इनसे मैं दो महान कलाकृतियां बनाऊंगा। उसने पहले पत्थर पर अपनी छेनी से वार करना शुरू किया। जैसे ही पहली चोट पड़ी, पत्थर के भीतर से एक दर्द भरी कराह निकली- "रुको! मुझे बहुत दर्द हो रहा है। कृपया मुझ पर वार मत करो, मुझे वैसे ही रहने दो जैसा मैं हूं।" मूर्तिकार दयालु था, उसने उस पत्थर को छोड़ दिया। वह दूसरे पत्थर के पास गया। जब उसने उस पर काम शुरू किया, तो वह पत्थर भी कांप रहा था, लेकिन उसने एक शब्द नहीं कहा। मूर्तिकार ने उसे तराशना जारी रखा। हफ्तों की कड़ी मेहनत, चोट और घर्षण के बाद, उस साधारण पत्थर ने एक अत्यंत सुंदर बांसुरी बजाते हुए बालक की मूर्ति का रूप ले लिया।

कुछ समय बाद, उस जंगल के पास एक भव्य मंदिर बना। मूर्तिकार ने वह 'बांसुरी बजाते बालक' की मूर्ति मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर दी। लोग दूर-दूर से उस मूर्ति की सुंदरता देखने और दर्शन करने आने लगे। तभी मंदिर के कर्मचारियों को अहसास हुआ कि मंदिर के द्वार पर एक ऐसे पत्थर की जरूरत है, जिस पर लोग अपने जूते-चप्पल उतार सकें। मूर्तिकार को याद आया कि जंगल में एक पत्थर उसने बीच में ही छोड़ दिया था। वह उसे उठा लाया और मंदिर की सीढ़ियों के पास रख दिया।

एक रात, जब मंदिर के पट बंद हो गए, तो नीचे रखे उस पत्थर ने ऊपर विराजमान मूर्ति से पूछा-"यह कैसा अन्याय है? हम दोनों एक ही पहाड़ के टुकड़े थे, एक ही दिन यहां लाए गए, लेकिन आज लोग तुम्हारी पूजा कर रहे हैं, तुम्हें फूलों का हार पहना रहे हैं और मुझ पर धूल-मिट्टी झाड़कर निकल जाते हैं। ऐसा क्यों?"

मूर्ति ने बड़ी शालीनता से उत्तर दिया- "मित्र, याद करो वह दिन जब कलाकार ने पहली चोट तुम पर की थी। तुमने दर्द से बचने के लिए संघर्ष को ठुकरा दिया और उसी अवस्था में रहना चुना, जिसमें तुम थे। मैंने उस हर चोट को सहा, हर घाव को अपनी प्रगति माना और खुद को तराशने दिया। आज मैं इसलिए पूजा जा रहा हूं, क्योंकि मैंने 'चोट' सहने का साहस दिखाया और तुम इसलिए पैर रखने के काम आ रहे हो, क्योंकि तुमने आराम को विकास से ऊपर रखा।"

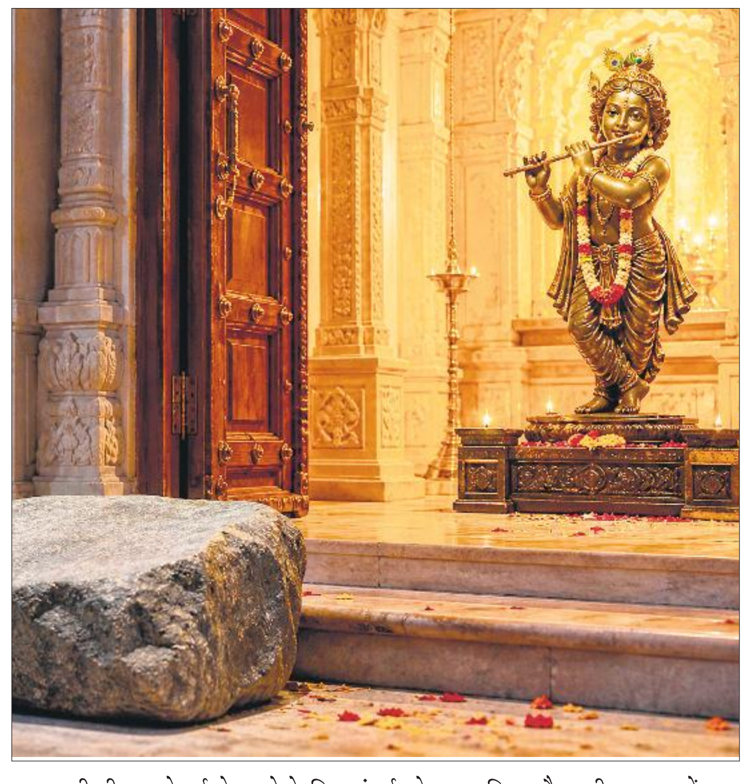

कथा से सीख मिलती है कि जीवन में आने वाली कठिनाइयां और संघर्ष वास्तव में ईश्वर की 'छेनी और हथौड़ी' हैं, जो हमें एक बेहतर इंसान के रूप में तराश रही होती हैं। यदि हम आज के संघर्ष से भागेंगे, तो हम कल की ऊंचाई कभी नहीं छू पाएंगे।

-प्रमोद श्रीवास्तव

सिटी ब्रीफ

छात्रवृत्ति पंजीकरण की तिथि 20 मई तक बढ़ी

बाजपुर : उत्तराखंड राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद ने मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को 3 मई से बढ़ाकर 20 मई कर दिया है। यह विस्तार कक्षा 6 और कक्षा 9 के उन पात्र छात्रों को राहत देने के लिए किया गया है जो अब तक आवेदन नहीं कर पाए थे। जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में कुल पंजीकृत 1,15,910 छात्रों के सापेक्ष अब तक केवल 62,614 (लगभग 54%) विद्यार्थियों ने ही ऑनलाइन आवेदन पूर्ण किया है। पंजीकरण की अवधि बढ़ने के कारण परीक्षा कार्यक्रम में भी आंशिक संशोधन किया गया है। अब परीक्षा का आयोजन जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है।

तहसील दिवस आज डीएम सुनेंगे समस्याएं

खटीमा : ब्लॉक सभागार में आज मंगलवार को जिलाधिकारी नितिन भदौरिया की अध्यक्षता में तहसील दिवस आयोजित किया जाएगा। सुबह 11 बजे से लगने वाले तहसील दिवस पर समस्त सरकारी विभागों के स्लटॉल लगेंगे। जहां संबंधित अधिकारी जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे। यह जानकारी देते हुए उप जिलाधिकारी तुषार सैनी ने जनता और जनप्रतिनिधियों से अधिक से अधिक पहुंचकर समस्याओं का समाधान करने की अपील की है।

वारंटी को दबोचा

खटीमा : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत सत्रहमील चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट ने रविवार देर शाम वारंटी मझोला निवासी विशाल पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर सोमवार को न्यायालय में पेश कर दिया। टीम में पूरन चन्द्र पांडे और जगदीश नगरकोटी शामिल रहे।

पश्चिम बंगाल में जीत की खुशी में भाजपाइयों ने मनाया जश्न

विधायक शिव अरोरा ने कार्यकर्ताओं के साथ आतिशबाजी कर मनाई खुशी, कार्यकर्ताओं के कंधे पर बैठकर झूमे विधायक, एक दूसरे को खिलाई मिठाई

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: असम, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल में जीत की खुशी में भाजपाइयों ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान विधायक शिव अरोरा ने ढोल नगाड़ों के साथ कार्यकर्ताओं के साथ जश्न मनाया और आतिशबाजी कर कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाई। वहीं जीत की खुशी में कार्यकर्ताओं ने विधायक अरोरा को कंधे पर बैठा लिया।

सोमवार को विधायक शिव अरोरा के आवास पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए। इस दौरान विधायक अरोरा ने कहा कि असम, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल में भाजपा की अविस्मरणीय विजय ने साबित कर दिया कि देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व के साथ है। उन्होंने कहा कि यह विजय उन विपक्षियों के मुंह पर तमाचा है जो देश में तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास रखते हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के गुंडों के तिलिस्म अराजकता को समाप्त करते हुए भाजपा ने एकतरफा प्रचंड विजय का परचम लहराया है।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल, जिला महामंत्री तरुण दत्ता, पूर्व पालिका अध्यक्ष मीना शर्मा, अनिल शर्मा, शालनी बोरा, रश्मि रस्तोगी, उपेंद्र चौधरी, प्रीत ग्रोवर, जगदीश विश्वास, धीरेश गुप्ता, राजेश बजाज, केके दास, हिमांशु शुक्ला, मीना शर्मा, पुष्पा ग्रोवर, राधेश शर्मा, जितेंद्र संधू, गीता भरद्वाज, संदीप राव, गणेश सरकार, सतनाम सिंह, मोर सिंह, दिलीप अधिकारी, संजय हलदार, इंद्रपाल चौधरी, राजीव शुक्ला, आयुष चिलाना, मनमोहन वाधवा, रोबिन विश्वास, मयंक कक्कड़, शिवकुमार राय, अखिल विश्वास, एसपी यादव, मनोज मदान, रेनू जुनेजा, एमपी मौर्य, वेद ठुकराल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रुद्रपुर में जीत की खुशी में जश्न मनाते विधायक शिव अरोरा और भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

तीन राज्यों में भाजपा की जीत पर खटीमा में खुशी का इजहार करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

गोघाट से भाजपा प्रत्याशी प्रशांत दीघर के साथ जिला महामंत्री विशाल चौहान।

गोघाट में भाजपा की जीत पर किच्छा में जश्न

किच्छा : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आरामबाग की गोघाट सीट पर भाजपा प्रत्याशी प्रशांत दीघर की ऐतिहासिक जीत से ऊधम सिंह नगर भाजयुमो में खुशी की लहर है। इस सीट के चुनाव प्रभारी रहे जिला महामंत्री विशाल सिंह चौहान ने क्षेत्र में मिष्ठान वितरण कर अपनी खुशी का इजहार किया। भाजयुमो प्रदेश नेतृत्व द्वारा मनोनीत विशाल चौहान ने करीब दो महीने तक गोघाट में रहकर चुनाव प्रचार की कमान संभाली थी। जीत पर उत्साहित चौहान ने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह की कुशल रणनीति और कार्यकर्ताओं के कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने फोन पर विजयी प्रत्याशी को बधाई देते हुए इसे बंगाल की जनता की जीत बताया।

खटीमा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर मुख्य चौक पर पहुंचकर विजय उत्सव मनाया और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, नगर अध्यक्ष जीवन धामी, महिला मोर्चा ज़िलाध्यक्ष डॉ. विनीता सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे, गोपाल बोरा, सतीश गोयल, रविन्द्र राणा, शोभनाथ मौर्या, रवीश भटनागर, रणदीप पोखरिया, नीलू गुप्ता, तारा बिष्ट, इंद्रा चंद, भागीरथी खोलिया, बिमला मुंडेला, अंजू देवी, अनीता ज्याला आदि मौजूद रहे।

भाजपा की जीत पर बाजपुर में 'विजय उत्सव'

बाजपुर : बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत की खुशी में बाजपुर के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को भगत सिंह चौक पर "विजय उत्सव" मनाया। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेताओं की उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष सुखदेव सिंह नामधारी और किसान आयोग के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नामधारी सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्र की जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ "अगली सरकार फिर हमारी है" के नारे लगाते हुए दावा किया कि अब उत्तराखंड में भी भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने जा रही है। इस मौके पर बिट्टू चौहान, टिंकू तोमर, खीम सिंह दानू, उशांत सभरवाल, महिला मोर्चा की अध्यक्ष कुसुम सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तुष्टिकरण की राजनीति को जनता ने नकार दिया

संवाददाता, रुद्रपुर

भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल।

- अब विकास और भय के साथ होगा सुरक्षा का राज
- जिलाध्यक्ष बोले-इस प्रचंड जीत का सकारात्मक असर उत्तराखंड समेत देश पर पड़ेगा

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार सफलता और स्पष्ट बहुमत मिलने पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमल जिंदल ने खुशी जाहिर की। साथ ही इस जीत को राष्ट्रवाद की जीत बताया है।

सोमवार को जिलाध्यक्ष जिंदल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के संगठन कौशल पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने का सीधा अर्थ है कि वहां अब तुष्टिकरण की जगह विकास और भय के स्थान पर सुरक्षा का राज होगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जिस संघर्ष और बलिदान के साथ पार्टी के विचार को आगे बढ़ाया। आज यह जीत उन सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं के परिश्रम का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता भ्रष्टाचार, सिंडिकेट राज और कट मनी की संस्कृति से त्रस्त हो चुकी थी। चुनाव परिणामों ने साबित कर दिया है कि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है वह अब विकास विरोधी ताकतों को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है। बंगाल की इस प्रचंड जीत का सकारात्मक असर उत्तराखंड सहित पूरे देश पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बंगाल ने विभाजनकारी शक्तियों को धूल चटाई है, उसी प्रकार उत्तराखंड में भी भाजपा की रीति-नीतियों को जन-जन का समर्थन मिल रहा है।

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रवाद और विकास की जीत

महापौर विकास शर्मा।

रुद्रपुर : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों में भाजपा को मिले बहुमत पर महापौर विकास शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, गृह मंत्री अमित शाह की अटूट रणनीति और भाजपा कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बंगाल की महान जनता ने आतंक, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को पूरी तरह नकार कर 'सोनार बांग्ला' के संकल्प पर अपनी मुहर लगा दी है। सोमवार को महापौर शर्मा ने कहा कि बंगाल लंबे समय से अराजकता और राजनीतिक हिंसा के दौर से गुजर रहा था। वहां की मातृशक्ति, युवा और किसान एक ऐसे परिवर्तन की प्रतीक्षा कर रहे थे जो उन्हें भयमुक्त वातावरण और प्रगति की मुख्यधारा से जोड़ सके। आज के परिणाम दर्शाते हैं कि जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र में अपना पूर्ण विश्वास जताया। अब पश्चिम बंगाल में भी केंद्र सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचेगा।

ढोल-नगाड़े बजाकर मनाई खुशी

संवाददाता, काशीपुर/जसपुर

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल समेत असम और पुडुचेरी के चुनाव परिणामों में भाजपा के शानदार प्रदर्शन और जीत की लहर का असर यहां भी साफ तौर पर देखने को मिला। ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।

इससे पहले लोग दिनभर टीवी और मोबाइल पर चुनाव के नतीजों पर नजर टिकाए बैठे रहे। चुनाव नतीजों के बाद सोमवार की शाम महाराणा प्रताप चौक पर एकत्रित होकर जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। वहां पर महापौर दीपक बाली, पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, सुशील शर्मा, लवीश अरोरा, ईश्वर चंद्र गुप्ता, शशांक सिंह, प्रशांत पंडित समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। उधर जसपुर में सुभाष चौक पर एकत्रित हुए भाजपाइयों ने जमकर आतिशबाजी की। साथ ही एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। पूर्व विधायक डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल ने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों पर जनता के अटूट विश्वास की जीत है।

यहां भाजपा नगर अध्यक्ष राजकुमार, तरुण पधान, सुधीर विश्नोई, सनी पधान, विशाल कश्यप, रणवीर चौधरी, शिव किशोर आदि मौजूद रहे।

जसपुर में खुशी मनाते भाजपाई। ● अमृत विचार

दिनेशपुर में भाजपाइयों ने निकाला जुलूस

- भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाई

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी में भाजपा की जीत पर राधाकांतापुर में आतिशबाजी करते हुए विजय जुलूस निकाल मिष्ठान वितरण किया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

सोमवार को भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राधाकांतापुर में जमकर आतिशबाजी कर मनाया जश्न मनाया। जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीनों राज्यों में भाजपा की सरकार बनी है।

उन्होंने कहा पश्चिम बंगाल में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी जाकर प्रचार किया और सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जगजीत सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य पवित्र ढाली, अरविंद मंडल, रजत वैध, गौरव विश्वास, तपस वैध, आरती विश्वास, देव साना, अनीता विश्वास, ज्योति विश्वास, विनय वैध, सूरज विश्वास, सरोज सरकार, अभिषेक वैध आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित नारंग के नेतृत्व में विजय जुलूस निकालते कार्यकर्ता।

शक्तिफार्म में झालमुड़ी का वितरण करते भाजपा कार्यकर्ता।

झालमुड़ी बांटकर भाजपाइयों ने जताई खुशी

शक्तिफार्म : पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के उपलक्ष्य में, क्षेत्र में भाजपा मंडल कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को "झालमुड़ी" एवं मिष्ठान खिलाकर खुशी का इजहार किया। भाजपा मंडल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह जीत जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किए गए विकास कार्यों की जीत है। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष गोविंद तालुकदार, नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल, सांसद प्रतिनिधि कार्तिक राय, अजय जायसवाल, विष्णु प्रमाणिक, जगदीश डालमिया, कृष्ण पद मंडल, संजय बाछाड़, महेश कुमार, राजेंद्र सिंह डसीला, बिस्वजीत हालदार, कृपा सिंधु हीरा, गोविंद पोखरिया मौजूद रहे।

घर में घुसकर गाली-गलौज और मारपीट की

बाजपुर : युवती ने घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा छह लोगों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगरीय क्षेत्र निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि तीन मई की सायं वह घर पर अकेली थी और अपने बच्चों को खाना खिला रही थी। आरोप है कि तभी कालोनी में निवासरत एक ही परिवार के छह महिला-पुरुष एकजुट होकर उसके घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए, जिससे उसकी जान बच सकी। आरोप है कि जाते समय आरोपितों ने उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने बताया कि वह नौकरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती है।

देहरादून कार्यालय में नियुक्ति पत्र ग्रहण करते नितिन वाल्मीकि।

नितिन वाल्मीकि ने संभाला राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य का पदभार

किच्छा : किच्छा निवासी नितिन चरण वाल्मीकि ने देहरादून स्थित उत्तराखंड राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के कार्यालय में विधिवत सदस्य के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। आयोग सचिव मनीष कुमार ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर आयोग उपाध्यक्ष भगवत प्रसाद मकवाना सहित कई पदाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। पदभार संभालने के बाद नितिन वाल्मीकि ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताते हुए कहा कि वह सफाई कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के निस्तारण के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। इस दौरान देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों व समर्थकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पीड़ित ने दी आत्मदाह की चेतावनी

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: मारपीट के एक पुराने मामले में आरोपितों पर सख्त कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर एक पीड़ित ने सोमवार को क्षेत्राधिकारी (सीओ) कार्यालय पहुंचकर आत्मदाह की चेतावनी दे दी। इस घटना से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह पीड़ित को समझा-कर शांत किया और कोतवाली ले जाकर सुनवाई की।

जानकारी के अनुसार, बाजपुर निवासी शाकिर रजा सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे अपने परिजनों के साथ तहसील भवन स्थित सीओ कार्यालय पहुंचे। शाकिर का आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस आरोपितों के विरुद्ध उचित कार्रवाई नहीं कर रही है।

इसी से आक्रोशित होकर उन्होंने परिवार सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दी और धरने पर बैठने का प्रयास किया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसआई विक्रम सिंह धामी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। बाद में कोतवाल नरेश चौहान ने पीड़ित पक्ष को निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। पीड़ित का आरोप है कि पूर्व विवेचक मामले में लापरवाही बरत रहे थे, जिसके बाद अब विवेचना उपनिरीक्षक प्रहलाद बिष्ट को सौंप दी गई है।

सीओ कार्यालय में धरना देने पहुंचे युवक को समझाते एसएसआई विक्रम सिंह धामी।

जलभराव की समस्या पर बिफरे विधायक बेहड़

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: विधायक तिलक राज बेहड़ ने नगर में लेफ्ट पाहा नहर कवरिंग कार्य के कारण हो रहे गंभीर जल भराव पर कड़ी नाराजगी जताई है। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों ने शिकायत की कि नहर का काम रुकने से गंदा पानी उनके घरों में घुस रहा है और गलियां जलमग्न हो गई हैं।

विधायक बेहड़ ने नगरपालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद जल निकासी का उचित प्रबंध नहीं किया गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान सड़क, नाली और सौंदर्यीकरण जैसी अन्य समस्याओं का भी निराकरण करने का भरोसा दिया गया। मौके पर पूर्व पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, गुलशन सिंधी, राजेश प्रताप सिंह, संजीव चौधरी, रिंकू मल्होत्रा, हरभजन सिंह, दानिश मलिक, गौरव चावला, नितिन शर्मा, सादात खान, इसरार, जैद अली आदि मौजूद रहे।

किच्छा में जनता की समस्याएं सुनते विधायक तिलक राज बेहड़।

उर्दू डिप्लोमा परीक्षा संपन्न, लाइब्रेरी की तैयारी

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: कौमी काउंसिल बराये फ़रोगे उर्दू ज़बान (एनसीपीयूएल) के तत्वाधान में नगर के सेंट मैरी जूनियर हाई स्कूल केंद्र पर ''डिप्लोमा इन उर्दू लैंग्वेज'' की फाइनल परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

केंद्र प्रभारी एम. रहमान अंसारी ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से यह केंद्र पिछले 17 वर्षों से संचालित है, जहां से अब तक 1000 से अधिक विद्यार्थी डिप्लोमा प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने घोषणा की कि उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार हेतु वर्ष 2027 से पूर्व यहां एक आधुनिक उर्दू लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर हाफिज अकरम अंसारी, मौलाना इफ्तिखार, मौलाना मोहसिन, मौलाना इरशाद, हाफिज अख्तर, कारी हामिद अंसारी, कशिश मलिक, मंतशा अंसारी, अर्शिफा सैफी, इल्मा मलिक, शबीना मलिक, किरण कोहली, मीना ढाली, हिमानी, नेहा, पूजा, निशा, सीमा आदि मौजूद रहे। इस दौरान छात्राओं में उत्साह रहा।

किच्छा में उर्दू की परीक्षा देते प्रतिभागी छात्र-छात्राएं।

ब्रीफ न्यूज

सुवालतोक लिंक मोटर मार्ग निर्माण की मांग

अल्मोड़ा : लमगड़ा के लोधिया चौमू मोटर मार्ग के लिंक सुवालतोक के निर्माण की मांग को लेकर लोग मुखर हो गए है। सोमवार को ग्रामीणों ने डीएम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। जल्द लिंक रोड कार्य शुरू करवाने की मांग उठाई। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि दो साल पूर्व लोधिया चौमू मोटर मार्ग के लिंक सुवालतोक के लिए तीन किमी सड़क स्वीकृत हुई थी। बताया कि मोटर मार्ग का सर्वे होने के बाद भी अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जल्द सड़क का कार्य शुरू करने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने वालों में देवेंद्र सिंह राणा, गोविंद सिंह राणा, पुष्कर सिंह राणा, राजेंद्र सिंह राणा, दिनेश सिंह राणा, ललित सिंह राणा, नंदन सिंह कनवाल, तारा राणा, पुष्पा देवी रहे।

महिला का सुराग नहीं जंगलों में सर्च जारी

बागेश्वर : बागेश्वर जिले के कमेड़ीदेवी चौकी क्षेत्र से लापता हुई महिला का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस टीम परिजनों के साथ मिलकर लगातार घने जंगलों में सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। जानकारी के अनुसार, कमेड़ीदेवी क्षेत्र की निवासी रेवती देवी 20 अप्रैल से लापता हैं। सोमवार को पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से कई संभावित स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस उपाधीक्षक जीएल साह ने बताया कि महिला की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और जल्द ही कोई सुराग मिलने की उम्मीद है।

पर्यावरण मित्रों के वेतन बढ़ाने की मांग

बनबसा : मोहल्ला स्वच्छता समिति एवं आउटसोर्स पर्यावरण मित्रों के वेतन में बढ़ोतरी को लेकर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दीपक चंद्र बुढलाकोटी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि नगर निगम देहरादून और नगर पालिका परिषद उत्तरकाशी की तर्ज पर यहां भी कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि होनी चाहिए। संघ ने कहा कि 29 अप्रैल को बोर्ड बैठक में मोहल्ला स्वच्छता समिति व आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन को 805 रुपये प्रतिदिन करने का प्रस्ताव पारित किया जा चुका है लेकिन नगर पंचायत बनबसा में प्रस्ताव को लागू नहीं किया गया है। इस दौरान संघ के अध्यक्ष प्रमोद रत्नाकर, मुकेश कुमार, महेंद्र पाल, सुनील, अर्जुन, नीरज रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ पूजन, छोलिया नृत्य ने बांधा समां, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शक

भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ 'गोल्ज्यू महोत्सव-2026' का शुभारम्भ

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचारः जनपद चम्पावत में आस्था, संस्कृति और परंपरा के प्रतीक 'गोल्ज्यू महोत्सव-2026' का शुभारम्भ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ विधिवत रूप से हुआ। महोत्सव के प्रथम दिवस पर गौरलचौड़ मैदान स्थित नगर पालिका कार्यालय से श्री गोल्ज्यू मंदिर तक पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं द्वारा निकाली गई कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया।

कलश यात्रा के दौरान कुमाऊं की प्रसिद्ध छोलिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष रंग भर दिया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुनों और श्रद्धालुओं की जयकारों के बीच यात्रा आगे बढ़ी, जिससे वातावरण पूरी तरह धार्मिक आस्था से ओतप्रोत नजर आया। श्री गोल्ज्यू महाराज मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर महोत्सव का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गोल्ज्यू महाराज से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

चम्पावत में गोल्ज्यू महोत्सव कार्यक्रम में पूजा अर्चना करते डीएम मनीष कुमार।

मौसम खराब होने के कारण मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने अपने संदेश के माध्यम से प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्री गोल्ज्यू महाराज से राज्य के विकास, समृद्धि और जनकल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मंदिर पहुंचकर वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा जनपद की शांति, समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी संबंधित विभागों और आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी भरत त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए महोत्सव के कार्यक्रमों और समयावधि में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जाएगा। इसके लिए महोत्सव समिति के साथ समन्वय स्थापित कर निर्णय लिए जाएंगे, ताकि आमजन की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चम्पावत में छोलिया नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडे, मुकेश महाराना, हेमा जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, मुकेश कलखुड़िया, निर्मल माहरा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस. खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्ण नाथ गोस्वामी, उपजिलाधिकारी विपिन पंत, नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, शंकर पांडे, हिमेश कलखुड़िया, विकास शाह, कैलाश अधिकारी, सूरज प्रहरी, प्रेमा चिलकोटी, रोहित बिष्ट सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि से भड़के व्यापारी

अल्मोड़ा में देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल ने किया प्रदर्शन, केंद्र सरकार से जल्द बढ़ाई गई कीमतों को वापस लेने की मांग उठाई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों की बढ़ोत्तरी पर व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। जल्द सिलेंडरों की बड़ी कीमतों को वापस लेने की मांग उठाई।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि गैस सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि ने दुकानदारों, होटल-ढाबा संचालकों और अन्य आम व्यापारियों की कमर तोड़कर रख दी है। कहा कि पहले ही महंगाई की मार झेल रहे व्यापारियों के लिए व्यावसाय करना मुश्किल हो चुका है। व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार संवेदनहीन होने का आरोप लगाया। कहा कि सरकार की नीतियां व्यापारियों के हित में नहीं हैं। उन्होंने जल्द सरकार से कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों को वापस लेने की मांग की। यहां प्रदर्शन करने वालों में व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष मनोज सिंह पवार, नगर अध्यक्ष संजय साह रिक्खू, दीपक जोशी, मन्नू गुप्ता, दीपू कांडपाल, सुधीर गुप्ता, हरिकृष्ण खत्री, नितिन गुप्ता, अरुण गुप्ता, प्रमोद साह, रमेश चंद्र गुप्ता, कमलेश गुप्ता, मोहम्मद यासीन, दानिश, अक्षत गुप्ता, असगर अंसारी, अनिल भट्ट, संतोष साह, भानू साह, अख्तर अंसारी समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में सोमवार को प्रदर्शन करते देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारी। ● अमृत विचार

रानीखेत में केंद्र सरकार का पुतला फूंकते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा होने पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

रानीखेत : कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस कमेटी रानीखेत ने केंद्र सरकार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि गैस सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि से छोटे दुकानदारों, होटल-ढाबा संचालकों और अन्य व्यापारियों की स्थिति बेहद खराब हो गई है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे व्यापारियों के लिए अब व्यवसाय चलाना मुश्किल हो गया है, जिससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आम व्यापारी और मध्यम वर्ग की समस्याओं के प्रति संवेदनहीन हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकारी नीतियों के कारण व्यापारियों की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि आमदनी घटती जा रही है। कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कमर्शियल सिलेंडर के दामों में कमी नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी आम व्यापारियों के साथ मिलकर व्यापक जन आंदोलन छेड़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट ने की। इस दौरान महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, कार्यालय प्रबंधक रमेश पंत, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने एकजुट होकर मूल्य वृद्धि का विरोध किया।

संस्थान को बदनाम करने का आरोप

अल्मोड़ाः मां अंबे इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के प्रबंधक और एक पत्रकार के बीच विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है।

संस्थान के अध्यक्ष संदीप सिंह यदुवंशी ने जारी बयान में अपने ऊपर लगाए आरोपों को निराधार बताते हुए इसे संस्थान को बदनाम करने की साजिश बताया है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों उन्हें एक विवाद के संबंध में कोतवाली अल्मोड़ा बुलाया गया था, जहां पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई। इस दौरान आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने और राजीनामा करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस के सुझाव पर अफवाहों को रोकने के लिए दोनों पक्षों ने एक संयुक्त वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसे बाद में दूसरे पक्ष के अनुरोध पर हटा दिया गया।

यदुवंशी ने कहा कि इसके बावजूद उनके खिलाफ धमकी देने और जबरन वीडियो बनवाने की शिकायत दर्ज कराई गई, जो पूरी तरह असत्य है। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा ने की योजनाओं की समीक्षा, दिए निर्देश

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः केंद्रीय राज्यमंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग अजय टम्टा ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेकर केंद्र पोषित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को समन्वय बनाकर योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण और समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वच्छ भारत मिशन एवं सामाजिक पेंशन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 309ए के दो लेन चौड़ीकरण कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा प्रभावितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को गुणवत्ता के साथ समय पर सड़क निर्माण कार्य पूर्ण करने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अंधे मोड़ों में सुधार करने को कहा। स्वास्थ्य सेवाओं के तहत मुख्य चिकित्साधिकारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने को कहा गया। प्रभागीय वनाधिकारी को जंगली जानवरों से होने वाले नुकसान की रोकथाम के उपाय करने तथा कार्यरत महिलाओं के लिए प्रस्तावित छात्रावासों हेतु भूमि चिन्हांकन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में डीएम आकांक्षा कोंडे ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान जनप्रतिनिधि और सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बागेश्वर में दिशा की बैठक लेते केन्द्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा। ● अमृत विचार

कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राओं ने सीखी ऐपण कला

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में दो माह तक संचालित ऐपण कला प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को पारंपरिक ऐपण कला का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उन्होंने विभिन्न सजावटी और उपयोगी वस्तुएं बनाना सीखा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षिका कुमारी लता पांडे ने करीब 50 छात्राओं को ऐपण कला की बारीकियां सिखाईं। इस दौरान छात्राओं को चौकियां सजाना, करवा चौथ के लिए थाली तैयार करना, लोटा, छन्नी सहित अन्य सजावटी सामग्री बनाना सिखाया गया। साथ ही क्रोशिया से बनने वाली वस्तुओं का भी विशेष प्रशिक्षण दिया गया। विद्यालय की

- दो माह तक चला प्रशिक्षण कार्यक्रम, पारंपरिक कला से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं छात्राएं

वार्डन प्रेमा ठाकुर ने बताया कि छात्राओं ने पूरे प्रशिक्षण के दौरान अत्यंत रुचि और लगन के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। भविष्य में छात्राएं इन कौशलों को अपनाकर स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकती हैं।

इस पहल की मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी भारत जोशी ने भी सराहना की और इसे छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी बताया।

बंगाल में भाजपा की जीत पर जश्न

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ता यहां मालरोड स्थित चौघानपाटा में एकत्र हुए। जहां उन्होंने बंगाल और असम में भाजपा की जीत पर मिष्ठान वितरित कर जमकर आतिशबाजी की।

वक्ताओं ने कहा कि पश्चिम बंगाल में टीएमसी को करारा जवाब दिया हैं। कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाएं जन-जन तक पहुंची है, भाजपा की जीत इस बात का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में आगामी समय में होने वाले चुनाव में भाजपा तीसरी बार अपना परचम लहराएगी। जिलाध्यक्ष महेश नयाल, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, दर्जा राज्य मंत्री गोविंद सिंह पिलख्वाल, जिला महामंत्री दर्शन रावत, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला, मनीष जोशी, कैलाश गुरुरानी, हरीश कनवाल, आनंद सिंह कनवाल, मनोज तिवारी, संदीप श्रीवास्तव, अर्जुन बिष्ट, नवीन बिष्ट, मदन बिष्ट मौजूद रहे।

बंगाल और असम में भाजपा की जीत पर अल्मोड़ा में जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

विस चुनावों में जीत पर भाजपाइयों ने मनाया जश्न

रानीखेत : भाजपा के मंडल कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी के विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत पर गांधी चौक पर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर और एक-दूसरे को जलेबी खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पार्टी की जीत को जनसमर्थन और विकास नीतियों की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों पर भरोसा जताते हुए यह जनादेश दिया है, जो भविष्य में देश के विकास को नई दिशा देगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर दीप भगत, मोहन नेगी, विमल भट्ट, दर्जा राज्य मंत्री कैलाश पंत, विमला रावत, रमेश खनायत, ललित मेहरा, उमेश पंत, दर्शन मेहरा, नीरज तिवारी रहे।

बारिश के बीच स्वाला पहुंचे डीएम, कार्य में तेजी के निर्देश

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः टनकपुर-चम्पावत राष्ट्रीय राजमार्ग के स्वाला क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्यों का डीएम मनीष कुमार ने बारिश के बीच निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और यातायात प्रबंधन की स्थिति की गहन समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों को तेज गति से पूर्ण किया जाए, ताकि लोगों को बेहतर व सुरक्षित आवागमन सुविधा मिल सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण कार्य तकनीकी मानकों और उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। बारिश को ध्यान में रखते हुए डीएम ने यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान किसी भी स्थिति में मार्ग बाधित नहीं होना चाहिए और यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र (हिल साइड) में बैंच निर्माण और डाउन साइड में सुरक्षा दीवार (सेफ्टी वॉल) के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से सड़क की मजबूती बढ़ेगी और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

आस्था | नगर के सिद्धनौला से नंदादेवी तक निकाली गई यात्रा, बड़ी संख्या में शामिल रहे श्रद्धालु

अल्मोड़ा में गोल्ज्यू संदेश यात्रा का भव्य स्वागत

- लोगों ने शोभायात्रा पर जगह जगह की पुष्प वर्षा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः अल्मोड़ा में सोमवार को गोल्ज्यू संदेश यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। इस मौके पर सिद्धनौला मंदिर से भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। शोभा यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

सोमवार को गोल्ज्यू संदेश यात्रा चितई स्थित गोलू देवता मंदिर से शुरू होकर नगर के धारानौला, दुगालखोला, खत्याड़ी होता हुए पलटन बाजार सिद्धनौला मंदिर पहुंची। सिद्धनौला के पास ही स्थानीय लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। सिद्धनौला मंदिर से बाजार में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। काफी संख्या में श्रद्धालु शोभायात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे। लोगों की ओर से गोल्ज्यू देवता के रथ पर पुष्पवर्षा की गई। वहीं, महिलाएं पास्त्ररिक परिधानों में सजधजकर यात्रा में शामिल हुई और यात्रा का स्वागत किया। साथ ही छोलिया नृत्य के कलाकारों ने भी मौके पर प्रस्तुति दी। इसके बाद यात्रा नंदादेवी मंदिर और फिर भैरव देवता मंदिर में पहुंची। मंदिर में देव इंगरियों की ओर से देवों का अवतरण किया गया। साथ ही जनता को भी आशीर्वाद दिया। वहीं, देर शाम यात्रा गैराड़ मंदिर को रवाना हुई।

यहां यात्रा में मेयर अजय वर्मा, विधायक मनोज तिवारी, दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान, मनोज सनवाल, हरीश कनवाल, अमित साह मोनू, विक्रम बिष्ट, अर्जुन बिष्ट, मनोज जोशी, बिट्टू कर्नाटक, ललित लटवाल, त्रिलोचन जोशी, बिना नयाल, तारा चंद्र जोशी, संजय दुर्गापाल, देवेंद्र भट्ट आदि रहे।

अल्मोड़ा में सोमवार को गोल्ज्यू संदेश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

आश्वासन के बाद रोडवेज कर्मियों का धरना स्थगित

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः रोडवेज संयुक्त कर्मचारी परिषद ने ऑफ रोड बसों को ऑन रोड करने के आश्वासन के बाद धरना स्थगित कर दिया है।

कर्मचारियों को यह भरोसा भी दिया गया है कि टनकपुर डिपो में बसों के संचालन न होने से हुए नुकसान के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

वित्त नियंत्रक आनंद सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक में महाप्रबंधक (संचालन/तकनीकी/कार्मिक), उप महाप्रबंधक (तकनीकी), भवन अभियंता सहित संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महामंत्री और उप महामंत्री मौजूद रहे। बैठक में मंडलीय प्रबंधक (संचालन) आलोक बर्नवाल और सहायक महाप्रबंधक (संचालन) केएस राणा भी शामिल हुए।

बैठक में कर्मचारियों की शिकायतों पर विचार करते हुए सहायक महाप्रबंधक (तकनीकी) टनकपुर को निर्देश दिए गए कि लंबे समय से ऑफ रोड पड़ी बसों को शीघ्र ऑन रोड किया जाए। साथ ही हुई आर्थिक हानि के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को भी कहा गया।

निगम के अनुरोध पर कर्मचारियों ने धरना 15 दिन के लिए स्थगित किया है। शाखा मंत्री पंकज पंत ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी न होने पर 20 मई से मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में पुनः धरना शुरू किया जाएगा।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन – तुलसी 2580, राज श्री 1960, फ़ॉर्चून कि. 2705, रविन्द्रा 2420, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2140, सचिन 2345, सूरज 2140, अवसर 2125, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2185, क्लासिक (kg) 2460, मोर 2330, चक्र टिन 2550, ब्लू 2425, आशीर्वाद मस्टर्ड 2420, स्वास्तिक 2535
किराना–निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150
चावल– (प्रति कु0)–डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400
दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600
चीनी– द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 151500, गिन्नी जेवर 147500, **चांदी प्रति किलो** : पक्की 246000 अनुमानित

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में
चावल : शरबती– 6000–7800 बासमती– 10000–12500 परमल– 3000–3600
दाल दलहन–काला चना– 5600–6600 साबुत चना दाल– 6200 मूंग साबुत– 10400 राजमा– 11000–12500 दाल उड़द– 9000–11300 साबुत मसूर दाल– 7000–7800 मसूर दाल– 9000 10400 उड़द साबुत– 10200 काबुली चना– 10000–10400 अरहर दाल– 9000 –11000 लोबिया/करमानी– 1500–2600

बिजनेस ब्रीफ

बजाज ऑटो ने अप्रैल में बेचे 5,13,792 वाहन

नई दिल्ली। बजाज ऑटो लिमिटेड की अप्रैल में कुल बिक्री 40 प्रतिशत बढ़कर 5,13,792 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के इसी महीने में 3,65,810 इकाई थी। वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री 13 % बढ़कर 2,48,210 इकाई हो गईअप्रैल 2025 में यह 2,20,615 इकाई थी। निर्यात में 83 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई और यह 2,65,582 इकाई रहा। अप्रैल 2025 में यह 1,45,195 इकाई रहा था। घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री 11 % बढ़कर 2,10,063 इकाई हो गई।

चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

उम्मीदों के अनुरूप चुनाव परिणाम और कंपनियों के बेहतर नतीजों ने बढ़ाया निवेशकों का भरोसा

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के अनुकूल रुझान और चौथी तिमाही के बेहतर नतीजों से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए जबकि जापान में अवकाश के कारण कारोबार बंद रहा। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

घरेलू शेयर बाजार महाराष्ट्र दिवस पर शुक्रवार को बंद थे। गुरुवार को सेंसेक्स 582.86 अंक गिरकर 76,913.50 और निफ्टी 180.10 घटकर 23,997.55 अंक पर बंद हुए थे।

निफ्टी भी 122 अंक चढ़कर 24100 के पार

बढ़त के साथ बंद हुए शेयर : सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

नुकसान में रहे शेयर : भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

स्मॉलकैप में 0.79, मिडकैप में 0.75 प्रतिशत की तेजी

बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.75 प्रतिशत की तेजी रही। रियल्टी खंड, सेवा, पूंजीगत उत्पाद और औद्योगिक खंड एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, आईटी और बैंक खंड में गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में से 2,607 शेयर बढ़कर बंद हुए जबकि 1,735 शेयरों में गिरावट रही।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 % बढ़कर 109.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- विदेशी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 8,047.86 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,487.10 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

आगे भी बढ़त का रुख रहने की उम्मीद

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बने रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्पष्टता पर आधारित रहेगा।

चांदी 6,800 रुपये उछली, सोना 2,000 रुपये टूटा

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। गुरुवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच सोमवार को कम कारोबार वाले सत्र में सोने की कीमत में गिरावट आई। तेल की बढ़ती कीमतों ने इस आशंका को और मजबूत किया है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं।

निवेश की पाठशाला

सावधान! आपका ATM कार्ड भी हो सकता है कॉपी

कारोबार डेस्क

डिजिटल दौर में बैंकिंग आसान है, लेकिन इसके खतरे भी उतने ही अधिक हैं। एटीएम से कैश निकालना हो, पेट्रोल पंप पर पेमेंट करनी हो या रेस्टोरेंट में बिल चुकाना हो, हम इस सबके लिए डेबिट या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं। लेकिन इसी कार्ड को कॉपी करके अपराधी आपका बैंक अकाउंट खाली कर देते हैं। इसे कार्ड क्लोनिंग कहते हैं। जरा सी लापरवाही बड़ी चोट पहुंचा सकती है। ऐसे में जानते हैं बचाव के तरीके और जरूरी सावधानियां ...

क्यों बढ़ रहे मामले

ज्यादा ट्रांजैक्शन का अर्थ है अपराधियों के लिए ज्यादा मौके। साइबर ठग फ्रॉड के लिए नित नए तरीके ढूंढ रहे हैं। इसमें कार्ड क्लोनिंग से लेकर डार्क वेब पर आपका डेटा बेचा जाना तक शामिल है। वहां से इस डेटा का गलत इस्तेमाल करके ये अपराधी आपके अकाउंट में सेंधमारी करते हैं। आपकी सावधानी ही मुख्य बचाव है।

क्या है कार्ड क्लोनिंग?

- अंतरराष्ट्रीय असल में आप किसी भी स्वाइप मशीन या एटीएम मशीन में कार्ड यूज करते हैं तो कार्ड कापी हो जाता है। कार्ड क्लोनिंग में ठग एटीएम या स्वाइप मशीन पर छोटा डिवाइस लगा देते हैं। इसको ही डिवाइस को 'स्किमर' कहा जाता है।
- जब आप मशीन में कार्ड डालते या स्वाइप करते हैं, तो यह डेटा कॉपी कर लेता है। यह आपकी मैग्नेटिक स्ट्रिप की जानकारी चुरा लेता है। साथ में छिपा कैमरा या नकली कीपैड लगाया जाता है। इससे आपका एटीएम पिन भी रिकॉर्ड कर लिया जाता है।

कहां-कहां है जोखिम

- एटीएम मशीन
- पेट्रोल पंप
- रेस्टोरेंट
- पीओएस या स्वैप मशीन
- अनजान भीड़भाड़ वाले स्थान

इन संकेतों से पहचानें खतरा

- बिना ट्रांजेक्शन किए पैसे कटने का मैसेज
- खाते से अचानक बड़ी रकम निकलना
- एटीएम के कार्ड स्लॉट में ढीलापन
- मशीन के आसपास अजीब-सा छोटा डिवाइस या वायर
- कीपैड पर एक्स्ट्रा परत या चिपका हुआ हिस्सा
- मशीन देखकर जरा भी शक हो, तो इस्तेमाल न करें

कैसे बचें कार्ड क्लोनिंग से

- पिन डालते समय कीपैड हाथ से ढकें।
- अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर कार्ड डिटेल शेयर न करें।

3. बैंक की SMS और ईमेल अलर्ट सर्विस हमेशा एक्टिव रखें।
4. जरूरत न हो तो इंटरनेशनल और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बंद रखें।
5. अपना एटीएम पिन बदलते रहें।
6. मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड हो तो बदलकर चिप कार्ड जारी करवा लें।

काम की बात

- अगर आपके खाते से बिना अनुमति पैसे निकल जाएं, तो घबराएं नहीं, तुरंत बैंक के कस्टमर केयर पर कॉल कर कार्ड ब्लॉक कराएं।
- तत्काल नजदीकी ब्रांच में लिखित शिकायत दें।
- राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत दर्ज करें।
- ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट और मैसेज सुरक्षित रखें। रिपोर्ट जल्दी करने से पैसे वापस मिलने के चांस रहते हैं।

कमोडिटी डेरिवेटिव्स में बैंकों, बीमा कंपनियों की एंट्री के पक्ष में नहीं सेबी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के नियामक अपने विनियमित संस्थानों को जिंस डेरिवेटिव खंड में निवेश की अनुमति देने के पक्ष में नहीं हैं।

श्री पांडेय ने यहां 'आईएमसी कैपिटल मार्केट कॉन्फ्रेंस 2026' में एक संवाद सत्र के दौरान कहा कि संबंधित नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) बैंकों और बीमा कंपनियों को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने को लेकर बहुत सकारात्मक नहीं हैं और इसके पीछे उनके पास ठोस कारण हैं।

सेबी प्रमुख ने कहा कि भारत में पेंशन कोष विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने भी पेंशन कोष को जिंस डेरिवेटिव में निवेश की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार किया है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय का खुलासा नहीं किया है। जिंस डेरिवेटिव खंड वित्तीय बाजार का वह हिस्सा है जहां सोना, चांदी, कच्चा तेल या कृषि उत्पादों जैसी वस्तुओं की भविष्य की कीमतों पर आधारित वायदा एवं विकल्प अनुबंधों में कारोबार होता है। सेबी इस खंड का नियमन करता है।

सेबी चेयरमैन बोले- जल्दी ही एंथ्रोपिक माइथोस जैसे एआई टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेंगे

उन्होंने कहा कि सेबी जल्द ही बाजार मध्यस्थों के लिए एंथ्रोपिक माइथोस जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) टूल की वजह से उभर रहे जोखिमों को लेकर परामर्श जारी करेगा।

पांडेय ने कहा कि हमने इस संबंध में सभी संबंधित पक्षों के साथ बातचीत की है और जल्द ही हम यह सलाह जारी करेंगे कि संभावित कमजोरियों के प्रति सतर्क रहने और सक्रिय रूप से जोखिम प्रबंधन करने की आवश्यकता है।

पूंजी बाजार विनियामक के मुखिया ने कहा कि भारत को दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत है और बाजार-आधारित वित्त को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को बेहतर विकल्प देने के लिए बाजार के विकास और निवेशक संरक्षण को साथ-साथ आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) उद्योग के लिए समयबद्ध तरीके से कोष जारी करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए हाल में बदलाव किए गए हैं, जिसमें पर्याप्त निगरानी भी सुनिश्चित की गई है।

एनसीएलएटी ने जेपी मामले में खारिज की अदाणी के खिलाफ वेदांता की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने उद्योगपति अनिल अग्रवाल नीत वेदांता लिमिटेड की दो याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं।

कंपनी ने इनमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए गौतम अदाणी नीत अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की बोली के चयन को चुनौती दी थी। एनसीएलएटी ने वेदांता द्वारा उठाए गए मुद्दों में कोई आधार नहीं पाया और उसकी दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया। एनसीएलएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने पाया कि ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) ने जेएएल के लिए वेदांता की समाधान योजना के मुकाबले अदाणी समूह की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को प्राथमिकता देकर सही फैसला किया था। इस फैसले को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंजूरी दे दी थी, जिसके खिलाफ वेदांता ने एनसीएलएटी में अपील दायर की थी।

एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि अपीलकर्ता (वेदांता) द्वारा ऐसा कोई आधार नहीं बनाया गया है जिससे एनसीएलटी के निर्णय में हस्तक्षेप किया जा सके। अपील में कोई दम नहीं है। दोनों अपीलें खारिज की जाती हैं। कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

टाटा समूह की कंपनियों के निदेशक करें टाटा संस की सूचीबद्धता की पहल

- संस्थागत निवेशकों को परामर्श देने वाली कंपनी इनगवर्न रिसर्च ने किया आग्रह
- कंपनी के निजी बने रहने पर जोखिम पैदा कर सकते हैं आरबीआई के नियामकीय बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। संस्थागत निवेशकों को परामर्श देने वाली इनगवर्न रिसर्च सर्विसेज ने टाटा समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशकों से टाटा संस को सूचीबद्ध कराने के लिए पहल करने का आग्रह किया है, ताकि शेयरधारकों के हितों की रक्षा हो सके।

इनगवर्न रिसर्च के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक श्रीराम सुब्रमण्यन ने टाटा समूह की सात कंपनियों के स्वतंत्र निदेशकों एवं बोर्ड सदस्यों को लिखे पत्र में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के 2026 के नियामकीय बदलाव टाटा संस के निजी बने रहने पर प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकते हैं। यह पत्र टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स, टाटा पावर, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन को संबोधित है, जिनकी टाटा संस में संयुक्त हिस्सेदारी करीब 12 प्रतिशत है। पत्र में कहा गया है कि बोर्ड (निदेशक मंडल) का यह दायित्व है कि वह टाटा संस की सूचीबद्धता के लिए प्रयास करे और इस पर स्पष्ट रुख सार्वजनिक रूप से रखे। इनगवर्न ने तीन-स्तरीय रणनीति सुझाते हुए कहा कि कंपनियां सूचीबद्धता के लिए स्पष्ट रूपरेखा की मांग करें, टाटा संस में अपनी हिस्सेदारी का बाजार आधारित पुनर्मूल्यांकन कराएं और कंपनी संचालन सुधारों को आगे बढ़ाएं। टाटा संस को सूचीबद्ध करना न केवल नियामकीय जरूरत है, बल्कि समूह के विस्तार में निवेश करने वाले शेयरधारकों के प्रति जिम्मेदारी भी है।

इनगवर्न रिसर्च ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में रिजर्व बैंक से आग्रह किया था कि वह टाटा संस को उच्चस्तरीय एनबीएफसी के रूप में मार्च 2027 तक सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी करे।

भारत कमजोरियां पहचान कर जोखिम प्रबंधन करे: ईएसी-पीएम चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने सोमवार को कहा कि देश को भविष्य में पश्चिम एशिया जैसे संकट का असर कम करने के लिए ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु एवं महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी आर्थिक कमजोरियों को चिह्नित कर उन पर निगाह रखनी चाहिए। देव ने बातचीत में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने जोखिम प्रबंधन के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी है।

- आपूर्ति बाधाओं और कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रिय रणनीति अपनानी जरूरी

देव ने कहा कि इसके लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के विस्तार और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण जैसी भौतिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। केवल विदेशी मुद्रा भंडार और खाद्यान्न भंडार पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को ऊर्जा, खाद्य, उर्वरक, धातु और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रमुख आर्थिक कमजोरियों की पहचान कर उनकी निगरानी करनी चाहिए और आपूर्ति में बाधाओं एवं कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सक्रियता दिखाते हुए कदम उठाने चाहिए।

ईएसी-पीएम के प्रमुख ने आयात पर अत्यधिक निर्भरता को घटाने पर जोर देते हुए कहा कि आपूर्ति स्रोतों और व्यापार मार्गों में विविधता लाने के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी उपयोग करना जरूरी है। दीर्घावधि में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना स्थायी समाधान होगा।

यूपीआई के जरिए अप्रैल में हुए 22.35 अरब लेनदेन: डीएफएस

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये लेनदेन इस साल अप्रैल सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 22.35 अरब रहा। वित्तीय सेवा विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। वित्तीय सेवा विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिये 22.35 अरब लेनदेन हुए। यूपीआई के उपयोग में आसानी के साथ मजबूत सुरक्षा व्यवस्था भी है। इसके तहत आरबीआई के दो-स्तरीय प्रमाणीकरण नियम है। इसमें पहला स्तर उपयोगकर्ता के बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर और दूसरा यूपीआई पिन होता है, जिससे लेनदेन तेज और सुरक्षित बनते हैं। वर्तमान में भारत में कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी लगभग 85 प्रतिशत है। इसका प्रभाव देश की सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय पर डिजिटल भुगतान में करीब 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यूपीआई संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ देशों में सक्रिय है, जिससे वहां रहने या यात्रा करने वाले भारतीयों को बिना किसी अतिरिक्त जटिलता के भुगतान करने की सुविधा मिलती है।

भारत-कनाडा ने फिर शुरू की एफटीए पर दूसरे दौर की वार्ता, यात्रा पर जाएंगे गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई। वार्ता का पहला दौर

मार्च में आयोजित किया गया था। यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे। यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था। हालांकि अब दोनों ने बातचीत को नए सिरे से शुरू करने का निर्णय लिया है। यह

- मार्च में हुई थी पहले दौर की बातचीत, द्विपक्षीय व्यापार 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य

वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

भारत से कनाडा को प्रमुख निर्यात में दवाइयां, लोहा एवं इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती परिधान, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं। वहीं प्रमुख आयात में दालें, मोती एवं अर्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, कागज तथा कच्चा पेट्रोलियम शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट | उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव ने अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा

बजट अनुमान से अधिक रह सकती है उर्वरक सब्सिडी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण आयातित यूरिया और अन्य उर्वरकों की बढ़ती कीमतों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सरकार का उर्वरक सब्सिडी खर्च 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से अधिक होने का अनुमान है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही।

उर्वरक विभाग में अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर एक अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम जानते हैं कि कीमतें

बढ़ी हैं। यूरिया और अन्य उर्वरकों दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है...। निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी, लेकिन अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। श्री शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों के बावजूद, खरीफ 2026 सत्र में उर्वरकों की उपलब्धता 'अच्छी' और स्थिर बनी हुई है।

मार्च-अप्रैल के लिए घरेलू उत्पादन 67.76 लाख टन रहा। इसमें यूरिया (40.72 लाख टन), डाई अमोनियम फॉस्फेट (5.39 लाख टन), एनपीके (13.65 लाख टन) और एसएसपी (8 लाख टन) शामिल हैं। इसके अलावा 17 लाख टन का आयात भी किया गया। यह आयात बंदरगाह और विदेश मंत्रालयों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया। विभाग ने मई महीने के लिए 22 लाख टन यूरिया, 4 लाख टन डीएपी और 8 लाख टन एनपीके के घरेलू उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि यूरिया के कुछ ऐसे संयंत्र जो अस्थायी रूप से बंद हो गए थे, वे अब फिर से चालू होने वाले हैं। उनके लिए गैस की आपूर्ति पहले ही सुनिश्चित कर ली गई है। यूरिया के आयात के लिए एक वैश्विक निविदा की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और मई-जून तक इसकी आपूर्ति होने की उम्मीद है। उर्वरकों की बढ़ती मांग पूरा करने के लिए 19 लाख टन एनपीके उर्वरकों के आयात हेतु एक अलग वैश्विक निविदा भी जारी किया गया है।

खरीफ सत्र में 390 लाख टन उर्वरकों की जरूरत

कृषि विभाग ने खरीफ 2026 सत्र के लिए उर्वरकों की आवश्यकता 390.54 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। इसके मुकाबले, राज्यों ने पहले ही 195.71 लाख टन उर्वरक का स्टॉक जमा कर लिया है। यह कुल आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत है। अधिकारियों के अनुसार यह 'बेहतर योजना और समय से पहले स्टॉक जमा करने' की रणनीति है। कृषि मंत्रालय के आकलन के आधार पर राज्यों के हिसाब से मांग का खाका तैयार कर लिया गया है और इसके लिए स्टॉक जमा करने तथा अग्रिम योजना बनाने का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

केन्या में बाढ़ से 18 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या में लगातार जारी भारी बारिश के कारण हाल में आई बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार, देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

हंता वायरस से दंपति समेत तीन की मौत

केपटाउन। अटलांटिक महासागर में एक क्रूज जहाज पर संदिग्ध हंता वायरस के प्रकोप के कारण एक बुजुर्ग दंपति समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम तीन अन्य के बीमार होने की सूचना है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है और कम से कम एक मामले में हंता वायरस के संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की इस स्वास्थ्य एजेंसी ने बताया कि एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है, जबकि जहाज पर इसके लक्षण वाले दो अन्य मरीजों को वहां से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऑर्बिटल डेटा सेंटर उपग्रह को साझेदारी

नई दिल्ली। अमेरिकी-भारतीय अंतरिक्ष कंपनी पिक्सल ने बेंगलुरु स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनी सर्वम के साथ मिलकर एक ऑर्बिटल डेटा सेंटर सैटेलाइट बनाने के लिए साझेदारी की है। पिक्सल उपग्रह को डिजाइन, निर्माण, प्रक्षेपण और संचालित करेगा, जबकि सर्वम कक्षा में सीधे प्रशिक्षण और इन्फरेंस दोनों संभालेगा। सोमवार को पिक्सल के सीईओ अवैस अहमद ने कहा कि जमीन पर आधारित डेटा सेंटर ऊर्जा, भूमि, विनियमन और पैमाने के संबंध में बढ़ती बाधाओं का सामना कर रहे हैं और वर्तमान मॉडल को पर्यावरण की दृष्टि से बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑर्बिटल डेटा सेंटर एक नया आयाम खोलते हैं।

नेपाल ने लिपुलेख दर्रे पर अपना क्षेत्रीय दावा दोहराया

काठमांडू, एजेंसी

- नेपाल की सरकार ने की भारत से बातचीत करने की मांग

नेपाल ने लिपुलेख पर अपने क्षेत्रीय दावे को सोमवार को दोहराया और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए भारत के साथ बातचीत की वकालत की। एक दिन पहले भारत ने इस क्षेत्र पर नेपाल के रुख को दृढ़ता से खारिज कर दिया था।

भारत ने उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से दशकों से आयोजित होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर नेपाल की आपत्ति को रविवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा एकतरफा कृत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है। भारत की इस प्रतिक्रिया के पहले नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर आपत्ति जताई और दावा किया कि यह उसका क्षेत्र है। नेपाल सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने कहा कि नेपाल का अपनी सीमा बढ़ाने का इरादा नहीं है, यह क्षेत्र नेपाल का है।

भारत-जमैका संबंधों में निरंतरता और परिवर्तन जैसी विशेषता

किंग्सटन, एजेंसी

- कैरिबियाई देश की पहली यात्रा पर बोले विदेशमंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और जमैका के बीच संबंध 'निरंतरता और बदलाव' से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध साझा इतिहास पर आधारित हैं जो वर्तमान सहयोग से मजबूत हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर अग्रसर है।

जमैकन ग्लीनर अखबार में रविवार को प्रकाशित एक लेख में जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों को एक गहरी और अधिक लचीली साझेदारी बनाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए जो दोनों देशों के लोगों के लिए काम करे और एक अधिक न्यायपूर्ण विश्व के निर्माण में योगदान दे। भारत और जमैका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयशंकर शनिवार को कैरेबियाई देश की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का जमैका के साथ 180 वर्षों से संबंध है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रवासी समुदाय का यही रिश्ता हमारे संबंधों को एक विशेष रंग प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि कई भारतीयों के लिए जमैका का नाम सुनते ही माइकल होल्डिंग और क्रिस गेल का क्रिकेट, बॉब मार्ले और जिमी क्लिफ का संगीत, उसेन बोल्ट और एलेन थॉम्पसन-हेराह का एथलेटिक्स तथा सांस्कृतिक हस्ती मिस लू के लेखन की याद आ जाती है।

जयशंकर ने कहा कि ये संबंध दोनों देशों के बीच गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं, जिसमें ग्लोबल साउथ और राष्ट्रमंडल की सदस्यता शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत और जमैका दोनों बहुलवादी समाज, राजनीतिक लोकतंत्र और बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता अंततः निरंतरता और परिवर्तन की एक कहानी है, जो एक साझा अतीत में निहित है, वर्तमान सहयोग से प्रगाढ़ हो रहा है और भविष्य में अधिक संभावनाओं की ओर उन्मुख है। भारत और जमैका के संबंधों की कहानी 19वीं और 20वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में भारतीय गिरमिटिया श्रमिकों की इस भूमि की यात्रा से शुरू हुई। उन्होंने कहा कि 1845 में 'ब्लंडेल हंटर' जहाज पर सवार होकर भारतीयों का पहली बार 'ओल्ड हार्बर बे' में उतरना इस यात्रा की शुरुआत थी। उन्होंने कहा कि आज, लगभग 70,000 भारतीय मूल के लोगों का एक समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवंत सेतु का काम करता है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय-जमैका समुदाय एक सक्रिय और गतिशील शक्ति है जो दोनों देशों के संबंधों को आधार प्रदान करती है और आगे बढ़ाती है। जब दोनों देशों के बीच 1962 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए तो हमने उस चीज को औपचारिक रूप दिया जिसकी नींव दोनों देशों के लोग पहले ही डाल चुके थे।

जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए अमेरिका ने होर्मुज में बनाया अलग मार्ग

ईरान द्वारा समुद्र में बिछाए गए बारूदी सुरंगों के चलते जहाजों से मार्ग बदलने को कहा

दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने सोमवार को ईरान के प्रभाव वाले होर्मुज जलडमरूमध्य से फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन देने के प्रयास की शुरुआत की, ताकि क्षेत्र में जारी आर्थिक व्यवधान को कम किया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक दिन पहले घोषित प्रोजेक्ट फ्रीडम के बाद ज्वाइंट मैरीटाइम इंफॉर्मेशन सेंटर ने बताया कि अमेरिका ने मुख्य शिपिंग मार्गों के दक्षिण में एक उन्नत सुरक्षा क्षेत्र स्थापित किया है और समुद्री यात्रियों से ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय करने को कहा है।

सेंटर ने चेतावनी दी कि सामान्य यातायात मार्ग के पास से गुजरना अत्यंत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि वहां बारूदी सुरंगों की मौजूदगी की आशंका है। अमेरिका के नेतृत्व वाले समुद्री कार्य बल की यह घोषणा जलमार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही बहाल करने और विश्वास बहाल करने के प्रयास की शुरुआत मानी जा रही है। इस जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग 20 फीसदी तेल का परिवहन होता है, लेकिन यह युद्ध के बाद गंभीर रूप से बाधित हुआ है। इस युद्ध की शुरुआत 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा की गई थी, जिसके बाद वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में इस अभियान को प्रोजेक्ट फ्रीडम बताते हुए कहा कि अमेरिका तटस्थ और बेकसूर देशों के जहाजों को सुरक्षित मार्ग देगा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार इस अभियान में गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर, 100 से अधिक विमान और लगभग 15,000 सैनिक शामिल होंगे। हालांकि पेंटागन ने तैनाती को लेकर विस्तृत जानकारी नहीं दी। खबरों के अनुसार कई जहाज, विशेषकर तेल और गैस टैंकर, युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए हैं। चालक दल ने मिसाइलों और ड्रोन हमलों के बीच पानी, भोजन और अन्य आवश्यकताओं की कमी की स्थिति का सामना करने की बात कही है। ट्रंप ने इसे मानवीय पहल बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य ईरान सहित पश्चिम एशिया के देशों की मदद करना है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ईरान के सरकारी मीडिया ने ट्रंप की घोषणा को भ्रमपूर्ण बताया है। ईरान के संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति ने भी चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य में किसी भी हस्तक्षेप को संघर्षविराम का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं, ईरान ने यह भी कहा है कि वह युद्ध समाप्त करने के उसके प्रस्ताव पर अमेरिका के जवाब की समीक्षा कर रहा है।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाज पर मिसाइल से हमला

दुबई। ब्रिटेन की सेना ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में एक जहाज पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया। ईरान और अमेरिका के मध्य तनाव के बीच कुछ ही घंटों में इस तरह का यह दूसरा हमला है। ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि रविवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर जलडमरूमध्य में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैरा के पास एक टैंकर को निशाना बनाया गया था। सेना ने कहा कि टैंकर पर अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला हुआ है। सेना के केंद्र ने कहा कि चालक दल सुरक्षित हैं। पर्यावरण पर कोई असर नहीं पड़ा है। रविवार को जलडमरूमध्य में एक अन्य जहाज पर भी हमला हुआ था।

अमेरिकी पोत पर ईरानी हमले के दावे खारिज

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान ने उसके नौसैन्य पोत पर हमला किया है। अमेरिका फारस की खाड़ी के निकटवर्ती क्षेत्र में सक्रिय है और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को रास्ता देने तथा ईरान द्वारा उन जहाजों पर नाकेबंदी को हटाने की पेशकश कर रहा है जिन्हें नौवहन की अनुमति प्राप्त नहीं है। ईरानी समाचार एजेंसियों ने दावा किया कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण-पूर्व में अमेरिकी नौसेना के एक पोत पर हमला किया, और उस पर समुद्री सुरक्षा और नौवहन मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

अमेरिकी झंडे वाले दो जहाज होर्मुज से गुजरे

दुबई। अमेरिकी सेना ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के झंडे वाले दो वाणिज्यिक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सफलतापूर्वक गुजरे हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई, जब होर्मुज से वाणिज्यिक जहाजों के सुरक्षित आवागमन को लेकर तनाव बढ़ गया है।

जब्त ईरानी जहाज के चालक दल को पाकिस्तान पहुंचाया

इस्लामाबाद। अमेरिका ने अपने सुरक्षा बलों द्वारा जब्त किए गए एक ईरानी जहाज पर हिरासत में रखे गए चालक दल के 22 सदस्यों को विश्वास-बहाली उपाय के तहत पाकिस्तान भेज दिया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान शिपिंग लाइन्स समूह के जहाज एमवी टौस्का को 19 अप्रैल को ओमान की खाड़ी में ईरान के चाबहार बंदरगाह के तट पर अमेरिकी सेना ने अपने कब्जे में ले लिया। इस जहाज पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखे हैं। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा, अमेरिका द्वारा विश्वास बढ़ाने के उपाय के रूप में, जब्त किए गए ईरानी कंटेनर जहाज एमवी टौस्का पर बंधक बनाए गए चालक दल के 22 सदस्यों को पाकिस्तान लाया गया है।

एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई छात्रों के परिवारों से लिए थे 20 से 30 लाख रुपये

दिल्ली पुलिस ने एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो नीट अभ्यर्थियों और उनके परिवारों को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के नाम पर कथित रूप से ठगी करता था। इस बाबत संदिग्ध सरगना और एक डॉक्टर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 परीक्षा से पहले कुछ नाबालिग समेत 18 विद्यार्थियों को इन ठगों के चंगुल से बचाया। आरोपी उन्हें प्रश्न उपलब्ध कराने के बहाने अज्ञात स्थानों पर ले जा गए थे।

आरोप है कि फर्जी प्रश्न पत्र पिछले वर्षों की सामग्री और कोचिंग संस्थानों की सामग्री का उपयोग करके बनाए गए थे। आरोपियों ने छात्रों के परिवारों से कथित रूप से 20 से 30 लाख रुपये की मांग की और मेडिकल कॉलेजों में सीट दिलाने की गारंटी देते हुए कुछ पैसा ले भी लिया। अधिकारी ने बताया कि सूरत पुलिस से दो मई को सूचना मिली कि दिल्ली में एक संदिग्ध गिरोह नीट के माध्यम से मेडकिल कॉलेजों में प्रवेश दिलाने का दावा कर रहा है जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई और तकनीकी निगरानी के आधार पर जांचकर्ता महिपालपुर एक्सटेंशन के कई होटलों की तलाशी ली। होटल में ठहरे चार आरोपियों को पकड़ा।

तेजाब हमले चिंता का विषय, सजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने तेजाब पीड़िता की जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार को दिए निर्देश

उच्चतम न्यायालय ने बर्बर तेजाब हमलों के मामलों में चिंताजनक वृद्धि को देखते हुए सोमवार को केंद्र से ऐसे अपराधों के लिए सजा बढ़ाने पर विचार करने और बेगुनाही साबित करने का भार आरोपी पर डालने का सुझाव दिया। आपराधिक न्यायशास्त्र के तहत, जब तक कानून में अन्य प्रावधान नहीं हों, आरोपी के खिलाफ दोष साबित करने का भार अभियोजन पक्ष पर होता है।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि उपयुक्त संशोधन होने तक, जिन लोगों को जबरन तेजाब पिलाया गया हो या जिन्हें बाहरी विकृति के बिना आंतरिक चोटें आई हों, वे दिव्यांग व्यक्तियों का अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत तेजाब हमलों के पीड़ितों के दायरे में आएंगे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह स्पष्टीकरण 2016 के अधिनियम के लागू होने के समय से ही शामिल माना जाएगा। पीठ ने कहा कि यदि संबंधित मंत्रालय औपचारिक रूप से इस संशोधन को अधिसूचित करता है तो इसका स्वागत किया जाएगा।

अपने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ करेंगे भारत-बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को यहां विदेश मंत्री कहलिलुर रहमान से भेंट की जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने की उम्मीद जतायी। भारतीय उच्चायोग के बयान का हवाला देते हुए सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने कहा है कि

- बांग्लादेश के विदेशमंत्री से मिले भारतीय उच्चायुक्त

भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से ढाका में विदेश मंत्रालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बेहतर संबंधों को लेकर उम्मीद जतायी। दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत करने और आगे बढ़ाने पर भरोसा जताया। वर्मा ने भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह बांग्लादेश की जनता और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा ताकि दोनों देशों के विकास की प्राथमिकताओं और आपसी हित तथा लाभ के आधार पर सभी क्षेत्रों में जन केंद्रित सहयोग को और मजबूत किया जा सके। एजेंसी की खबरों में कहा गया है कि रहमान ने 21 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश में उच्चायुक्त का पद संभालने वाले वर्मा का धन्यवाद किया और उनके कार्यकाल के दौरान दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की।

पक्षियों का जीपीएस

क्रिप्टोक्रोम के सहारे करते मीलों का सटीक सफर

हर साल, करोड़ों पक्षी बिना नक्शे या स्मार्टफोन के हजारों मील का सफर तय करते हैं और ठीक उसी

जगह पहुंचते हैं जहां उनके पूर्वज गए थे। वर्षों तक वैज्ञानिकों के लिए यह एक पहेली थी कि ये नन्हे जीव समुद्रों, पहाड़ों और घने जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए अपना रास्ता कैसे खोज लेते हैं। हालिया शोधों ने एक क्रांतिकारी सच्चाई को उजागर किया है। पक्षी केवल दिशा का अनुमान नहीं लगाते, बल्कि वे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अपनी आंखों से देख सकते हैं। इस अद्भुत क्षमता के पीछे क्रिप्टोक्रोम नामक विशेष प्रोटीन है। यह प्रोटीन पक्षियों की रेटिना में पाया जाता है और नीली रोशनी के प्रति संवेदनशील होता है।

नेविगेशन के अन्य सहयोगी कारक

- सौर और नक्षत्र नेविगेशन : दिन में सूरज और रात में तारों की स्थिति
- घ्राण शक्ति : कुछ पक्षी गंध के जरिए अपने घोंसले पहचानते हैं।
- चोंच में आयरन : कई पक्षियों की चोंच में मैग्नेटाइट के कण पाए जाते हैं, जो चुंबकीय क्षेत्र की तीव्रता मापने में मैग्नेटोमीटर की तरह काम करते हैं।

यह कोई साधारण दृष्टि नहीं

यह क्वांटम भौतिकी के सिद्धांतों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। जब प्रकाश की किरणें पक्षी की आंख में प्रवेश करती हैं, तो क्रिप्टोक्रोम सक्रिय हो जाता है, जिससे उनके मस्तिष्क में एक दृश्य मानचित्र उभरता है। यह मानचित्र उन्हें उत्तर और दक्षिण दिशा के बीच के सूक्ष्म चुंबकीय अंतर को पहचानने में मदद करता है। कल्पना कीजिए कि आपके चश्मे पर एक ऐसी परत चढ़ी हो जो आपको हवा में तैरती अदृश्य रेखाएं दिखा दे, पक्षियों के लिए पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र ठीक वैसा ही है। यह क्षमता उन्हें घने कोहरे या अंधेरी रातों में भी रास्ता भटकने नहीं देती। पक्षियों का यह 'जैविक जीपीएस' न केवल जीव विज्ञान, बल्कि भविष्य की नेविगेशन तकनीक के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

क्रिप्टोक्रोम क्या है

- क्रिप्टोक्रोम प्रोटीन का एक परिवार है जो पौधों से लेकर मनुष्यों तक लगभग सभी जीवित जीवों में पाया जाता है। पौधों में यह प्रकाश के प्रति प्रतिक्रिया देता है, जबकि मनुष्यों में यह हमारी सर्कैडियन रिदम (सोने-जागने का चक्र) को नियंत्रित करता है। हालांकि पक्षियों (विशेषकर प्रवासी पक्षियों जैसे 'यूरोपीय रॉबिन') में क्रिप्टोक्रोम 4 नामक एक विशेष संस्करण विकसित हुआ है जो चुंबकीय संवेदनशीलता के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

यह कैसे काम करता है

- क्वांटम एंटैंगलमेंट का खेल पक्षियों की दृष्टि साधारण कैमरों जैसी नहीं होती। क्रिप्टोक्रोम के भीतर होने वाली प्रक्रिया को रैडिकल पेयर मैकेनिज्म कहा जाता है।
- प्रकाश का प्रभाव : जब नीली रोशनी पक्षी की आंख पर पड़ती है, तो वह क्रिप्टोक्रोम के एक इलेक्ट्रॉन को उत्तेजित कर देती है।
- रैडिकल पेयर का निर्माण : यह उत्तेजना दो अलग-अलग अणुओं के बीच एक क्वांटम संबंध बनाती है।
- चुंबकीय प्रतिक्रिया : ये अणु पृथ्वी के अत्यंत कमजोर चुंबकीय क्षेत्र के प्रति भी बहुत संवेदनशील होते हैं। चुंबकीय क्षेत्र के कोण के आधार पर, इन अणुओं के रासायनिक गुणों में बदलाव आता है।
- दृश्य संकेत : मस्तिष्क इन रासायनिक परिवर्तनों को 'प्रकाश और छाया' के पैटर्न के रूप में पढ़ता है, जिससे पक्षी को दिशा का आभास होता है। है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र

- पृथ्वी के ध्रुवों से निकलने वाली चुंबकीय रेखाएं पूरे ग्रह को घेरे रहती हैं। पक्षी इन रेखाओं की 'तीव्रता' और 'झुकाव' दोनों को महसूस कर सकते हैं।
- इन्क्लिनेशन कंपास : पक्षी यह पहचान लेते हैं कि चुंबकीय रेखाएं सतह के सापेक्ष किस कोण पर हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज दिन की शुरुआत अच्छी होगी। धन-संबंधी परेशानियों में घिरे रहेंगे। रात के समय सड़क यात्रा करने से बचें।

तुला – आज आपके जीवनस्तर में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेमभाव बढ़ेगा। विरोधी भी आपकी प्रतिभा का उत्साह बढ़ाएंगे।

वृष – आज कार्यक्षेत्र के विघ्नों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण की भावना में वृद्धि होगी। घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

वृश्चिक – आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अपने व्यवहार में लचीलापन रखें। संपत्ति के मामलों में विजय प्राप्त हो सकती है।

मिथुन – आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ प्राप्त होगा। विदेश यात्रा से धन लाभ मिलेगा। पाचन तंत्र में कुछ परेशानी हो सकती है।

धनु – आज स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की संभावना बन रही है। नए दोस्तों पर अधिक विश्वास न करें। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप न करें।

कर्क – आज व्यर्थ के प्रपंचों से आपको दूर रहना चाहिए। शेयर और जोखिम भरे निवेशों से थोड़ी परेशानी होगी। यात्रा के कारण थकान रहेगी।

मकर – आज नकदी की समस्या दूर होने की संभावना है। व्यवसाय में धन-लाभ प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण वस्तुओं को संभालकर रखें।

सिंह – आज व्यावसायिक क्षेत्र में नए विरोधी उभर सकते हैं। प्रेम संबंधों में शंका की भावना न पनपने दें। बच्चों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ – आज आपकी सलाह दूसरों के लिए हितकारी रहेगी। आपकी कलात्मक क्षमताओं का विकास होगा। बच्चों के लिए कुछ उपहार ले सकते हैं।

कन्या – आज मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिलेगा। सरकारी नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा।

मीन – आज नए कार्यों को आरंभ करने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक हानि हो सकती है। आपकी प्रतिभा को सम्मान मिलेगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

आज की ग्रह स्थिति : 5 मई, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी पूर्ण रात्रि।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 12 .55 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

सुडोकू -140

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

प्रतिरक्षा तैयारी

प्रयागराज के न्यू कैंट क्षेत्र में नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम में बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाईं भारत की सैन्य क्षमताएं

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के दौरान रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उत्तरी कमान के जेओसी लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा और अन्य।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभियान को भारतीय सेना द्वारा उन्नत तकनीक का उपयोग करके आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार करने का एक अद्वितीय उदाहरण बताया।

प्रयागराज में न्यू कैंट क्षेत्र में आयोजित नॉर्थ टेक सिंपोजियम के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने धैर्य दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास कराया। भारत ने पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थित आतंकी ढांचे को निशाना बनाना था। इन हमलों के कारण चार दिन तक भीषण सैन्य संघर्ष हुआ और इसे 10 मई को रोकने पर सहमति बनी। सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो निर्णायक जवाब दिया, उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया, अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। सिंह ने कहा कि इससे साबित होता है कि हमारी सेनाएं बदलावों को समझती हैं और आत्मविश्वास के साथ उनका उपयोग करती हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में प्रद्योगिकी जबरदस्त ढंग से बदल रही है और मानव इतिहास में शायद ही कभी इतनी अधिक तेजी से प्रौद्योगिकी बदली है।

अमेरिका में पार्टी में हुई गोलीबारी 12 लोग घायल

एडमंड। अमेरिका के ओक्लाहोमा सिटी के पास एक झील पर आयोजित पार्टी में रविवार रात हुई गोलीबारी में कम से कम 12 लोग घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एडमंड पुलिस की प्रवक्ता एमिली वार्ड ने बताया कि रात करीब नौ बजे आर्केडिया झील के पास युवाओं के एक जमावड़े में गोली चलने की सूचना मिली। उन्होंने रविवार देर रात बताया कि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, यह बेहद भयावह स्थिति है और हम जनता तथा प्रभावित लोगों की चिंता को समझते हैं।

> गुजरात टाइटंस ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और आईपीएल के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।
> –जेसन होल्डर

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
हल्द्वानी, मंगलवार, 5 मई 2026

IPL 2026

आज के मुकाबले

दिल्ली कैपिटल्स **बनाम** चेन्नई सुपर किंग्स

समय - शाम 7:30 बजे

मार्श और पूरन की तूफानी पारियों से लखनऊ ने दिया 229 रनों का लक्ष्य

आईपीएल-2026 : मुंबई इंडियंस के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

निकोलस पूरन के तूफानी अर्धशतक से लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ पांच विकेट पर 228 रन बनाए। पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़कर सुपर जाइंट्स को ठोस मंच प्रदान किया।

हिम्मत सिंह (नाबाद 40, 31 गेंद, दो चौके, दो छक्के) और एडेन मारक्रम (नाबाद 31, 25 गेंद, एक छक्का, एक चौका) ने अंत में छठे विकेट के लिए 49 गेंद में 68 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहे।

मुंबई की ओर से कोर्बिन बॉश सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए। अल्लाह गजनफर (50 रन पर एक विकेट), विल जैक्स (34 रन पर एक विकेट) और रघु शर्मा (36 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम ने तीसरे ओवर में ही जोस इंग्लिस (13) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने स्पिनर गजनफर की गेंद पर सूर्यकुमार यादव को कैच थमाया।

उन्होंने इससे पहले इस स्पिनर पर लगातार दो चौके मारे। मार्श ने दीपक चाहर की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके से शुरुआती की और फिर जसप्रीत बुमराह की लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौके मारे। पूरन ने विल जैक्स पर तीन छक्कों के साथ फॉर्म में वापसी के संकेत दिए। उन्होंने गजनफर पर भी दो छक्के और एक चौका जड़ा।

सुपर जाइंट्स ने पावर प्ले में एक विकेट पर 90 रन बनाए। पूरन ने चाहर पर फाइन लेग पर छक्के के साथ सिर्फ 16 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। पूरन हालांकि इसके बाद बॉश की गेंद पर विकेटकीपर रेयान रिकेल्टन को कैच दे बैठे। बॉश ने इसी ओवर में मार्श को भी नमन के हाथों कैच कराके सुपर जाइंट्स को दोहरा झटका दिया। कप्तान ऋषभ का खराब प्रदर्शन जारी रहा और वह 15 रन बनाने के बाद जैक्स की गेंद पर रिकेल्टन के हाथों लपके गए। अक्षत रघुवंशी भी 11 रन बनाने के बाद रघु सिंह की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे जिससे सुपर जाइंट्स का स्कोर पांच विकेट पर 160 रन हो गया। हिम्मत सिंह ने धीमी शुरुआत के बाद गजनफर की गेंद पर लगातार गेंद पर छक्का और चौका जड़ा और फिर रघु पर चौके के साथ 17वें ओवर में टीम के रनों का दोहरा शतक पूरा किया।सुपर जाइंट्स की टीम अंतिम तीन ओवर में 22 रन ही जुटा सकी।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते लखनऊ सुपर जाएंट्स के मिचेल मार्श। एजेंसी

लखनऊ सुपर जाएंट्स

228/5 (20 ओवर)

मिचेल मार्श का नमन बो बॉश	44
जोश इंग्लिस का सूर्यकुमार बो गजनफर	13
निकोलस पूरन का रिकेल्टन बो बॉश	63
ऋषभ पंत का रिकेल्टन बो जैक्स	15
एडेन मार्करम नाबाद	31
अक्षत रघुवंशी का एवं बो रघु	11
हिम्मत सिंह नाबाद	40

अतिरिक्त : 11, **विकेट पतन :** 1-29, 1-123, 3-125, 4-148, 5-160, **गेंदबाजी :** चाहर 4-0-43-0, बुमराह 4-0-45-0, गजनफर 4-0-50-1, जैक्स 2-0-34-1, बॉश 2-0-20-2, रघु 4-0-36-1

मुंबई इंडियंस ने बीच में बदला कप्तान रोहित की वापसी

मुंबई। खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या सोमवार को पीठ में जकड़न के कारण लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम से बाहर हो गए जबकि रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है। भारत के टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए आए और बताया कि वह बीमार पंड्या की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टीम के बयान में कहा गया हार्दिक पंड्या पीठ में खिंचाव के कारण अस्वस्थ हैं इसलिए आज के मैच के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव हैं। कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर पंड्या के लिए आईपीएल 2026 भुला देने वाला रहा है।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	9	6	2	1	13	0.855
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	4	0	12	0.644
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	10	6	4	0	12	-0.147
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	9	4	5	0	8	0.005
7.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	-0.539
9.	मुंबई इंडियंस	9	2	7	0	4	-0.803
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- **अभिषेक शर्मा** हैदराबाद - 440 रन
- केएल राहुल दिल्ली- 433 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद- 425 रन

पर्पल कैप

- **भुवनेश्वर कुमार** बेंगलुरु- 17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई- 17 विकेट
- कगिसो रबाडा गुजरात- 16 विकेट

धोनी के बारे में जानकारी देना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर, वह लगातार कर रहे सुधार : सिमंस

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने सोमवार को कहा कि दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच के लिए टीम के साथ नहीं आए हैं, लेकिन उनकी सेहत में लगातार सुधार हो रहा है। धोनी पिंडली की चोट के कारण इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। इस सत्र का आधे से अधिक हिस्सा बीत चुका है और सीएसके अपना 10वां मैच खेलने जा रही है। टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से हर सत्र में 44 वर्षीय इस महान भारतीय खिलाड़ी के भविष्य को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। सिमंस मंगलवार को यहां खेले जाने वाले मैच से एक दिन पहले मीडिया से बातचीत के लिए पहुंचे, तो पहला सवाल धोनी के बारे में ही पूछा गया। धोनी पिछले कुछ दिनों से नेट सत्र में बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे हैं। सिमंस ने कहा धोनी को लेकर अपडेट (जानकारी) देना मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है। वह इस समय हमारे साथ दिल्ली में नहीं हैं, लेकिन धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। वह कब खेलने के लिए तैयार होंगे, यह उन्हें खुद बेहतर पता है। गेंदबाजों के प्रदर्शन पर बात करते हुए सिमंस ने अंशुल कंबोज की जमकर सराहना की। कंबोज ने खेल के हर चरण में प्रभावित किया है और 17 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं। सिमंस ने कहा अंशुल ने शानदार प्रदर्शन किया है। आज आप जिस अंशुल को देख रहे हैं, वह केवल इस सत्र का परिणाम नहीं है। उसने पिछले साल से ही इसकी शुरुआत कर दी थी। हमने कुछ चीजों पर काम किया था। उसने घरेलू सत्र में अपनी गेंदबाजी के कोण और यॉर्कर की सटीकता पर खास काम किया।

हाईलाइट

मियामी फॉर्मूला वन ग्रैंड प्रिक्स ऑटो रेस के बाद विनर्स पोडियम पर दूसरे स्थान पर रहने वाले ब्रिटेन के मैकलारेन ड्राइवर लैंडो नोरिस (बाएं); पहले स्थान पर रहने वाले इटली के मर्सिडीज ड्राइवर किमी एंटोनेली (दाएं से दूसरे) और तीसरे स्थान पर रहने वाले ऑस्ट्रेलिया के मैकलारेन ड्राइवर ऑस्कर पियास्त्री (दाएं)। एजेंसी

पेशावर ने पीएसएल का खिताब जीता

लाहौर। आरोन हार्डी के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को फाइनल में पांच विकेट से हराकर 2017 के बाद पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीता। हार्डी ने 27 रन देकर चार विकेट लिए जिससे पेशावर ने हैदराबाद को 18 ओवर में केवल 129 रन पर आउट कर दिया। पेशावर की तरफ से साइम अयूब (54) ने जुझारू अर्धशतक बनाया। इसके बाद हार्डी ने 39 गेंदों पर 56 रन की नाबाद पारी खेली जिससे पेशावर ने गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 15.2 ओवर में पांच विकेट पर 130 रन बनाकर जीत दर्ज की। पेशावर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने चार विकेट 40 रन पर खो दिए। इनमें कप्तान बाबर आजम का विकेट भी शामिल था जो खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद हार्डी ने अब्दुल समद (46) के साथ पांचवें विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को जीत दिलाई।

चोटिल फिल साल्ट स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट पिछले महीने उंगली में लगी चोट का स्कैन कराने के लिए इंग्लैंड लौट गए हैं। इस चोट के कारण साल्ट आरसीबी के पिछले तीन मैचों में नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह उनके हमवतन जैकब बेथेल ने विराट कोहली के साथ पारी का आगाज किया। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी 18 अप्रैल को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर बाउंड्री बचाने के लिए डाइव लगाते समय चोटिल हो गया था। उनकी बाएं हाथ की उंगली में चोट लग गई थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, ईसीबी (इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से अनुबंधित साल्ट इंग्लैंड के टीम प्रबंधन के अनुरोध पर स्वदेश लौट गए हैं और उनकी उंगली का स्कैन किया गया है।

भारतीय तीरंदाजों के सामने शंघाई विश्व कप में कड़ी चुनौती

शंघाई, एजेंसी

- **खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से जूझ रही टीम**

भारतीय तीरंदाज मंगलवार से यहां शुरू होने वाले विश्व कप के दूसरे चरण में खराब योजना, दिशाहीनता और पूर्णकालिक विदेशी कोच की अनुपस्थिति से घिरे माहौल में उतर रही है। इस विश्व कप में मजबूत टीमों की मौजूदगी और इस साल होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जापान के ऐची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेल तेजी से नजदीक आ रहे हैं, लेकिन भारत की तैयारी बिल्कुल भी भरोसेमंद नहीं दिख रही है।

सत्र की शुरुआत मेक्सिको में हुए विश्व कप के पहले चरण से हुई, जहां भारतीयों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारत के लिए एकमात्र सकारात्मक पहलू महिलाओं की कंपाउंड टीम का स्वर्ण पदक था। दक्षिण कोरिया जैसी दिग्गज टीम की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय रिकर्व तीरंदाज उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। यह प्रदर्शन हकीकत का आईना साबित हुआ, जहां तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा, दीपिका कुमारी और अंकिता भकत जैसे बड़े नाम भी पदक दौर तक नहीं पहुंच सके। पुरुष रिकर्व टीम पहले ही दौर में बाहर हो गई। महिला टीम ने शुरुआती मुकाबला जीता, लेकिन क्वार्टर फाइनल में तुर्की से हार गई। व्यक्तिगत स्पर्धा में देश की सबसे सफल तीरंदाज दीपिका कुमारी दूसरे दौर में ही बाहर हो गईं, जबकि अंकिता, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़ तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद भारतीय तीरंदाजी महासंघ ने शुरुआती विश्व कप के इस चरण के लिए भी वही टीम बरकरार रखी है। एशियाई खेलों और आगामी विश्व कप चरणों के लिए चयन ट्रायल 15 मई से सोनीपत में प्रस्तावित हैं। शंघाई में एक बार फिर भारत को अनुभवी लेकिन फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों पर निर्भर रहना होगा।

भारतीय टीम

रिकर्व पुरुष : तरुणदीप राय, अतनु दास, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे। **रिकर्व महिला :** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत, सिमरनजीत कौर और कुमकुम मोहोड़। **कंपाउंड पुरुष :** अभिषेक वर्मा, कुशल दलाल, ओजस देवताले और साहिल जाधव। **कंपाउंड महिला :** ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी, प्रगति और मधुरा धमांगांवकर।

घरेलू मैदान का लाभ लेना चाहेगा दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी

- **चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबला आज**

दिल्ली कैपिटल्स को अपने घरेलू मैदान पर लगातार तीन हार झेलने के सिलसिले को खत्म करने के लिए मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले मैच में खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली और चेन्नई दोनों टीम के नौ मैचों में आठ-आठ अंक हैं। अब जबकि उनके पांच मैच बचे हुए हैं तब छोटी सी गलती भी भारी पड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स ने लगातार तीन हार के बाद शुक्रवार को जयपुर में खेले गए मैच में महत्वपूर्ण जीत हासिल की। उसने इससे पहले जो तीन मैच गंवाए थे उनमें से दो हार उसे घरेलू मैदान पर मिलीं थी।

कोटला में पंजाब किंग्स के खिलाफ उसकी टीम 264 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाई थी जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ उसके बल्लेबाज नहीं चल पाए थे। इससे पहले दिल्ली को कोटला में गुजरात टाइटंस से भी एक रन से हार का सामना करना पड़ा था। सीएसके के खिलाफ मैच से पहले दिल्ली के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका अपनी लय में आ गए हैं। केएल राहुल अच्छी फॉर्म में हैं, जबकि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के आने से उसका गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

जयपुर में अपने आखिरी ओवर में तीन छक्के खाने के बाद कुलदीप यादव अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहेंगे। वह अभी तक टूर्नामेंट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने नौ मैचों में केवल सात विकेट लिए हैं और प्रति ओवर 10.26 रन लुटाए हैं। डेथ ओवरों के विशेषज्ञ टी नटराजन का भी इकोनॉमी रेट अच्छा नहीं है। उन्होंने नौ मैचों में केवल पांच विकेट लिए हैं। उतार-चढ़ाव भरे दौर के बावजूद कप्तान अक्षर पटेल शांत और व्यावहारिक बने रहने में कामयाब रहे हैं। अक्षर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जीत के बाद कहा था, आपको हर दिन अभ्यास करते रहना होगा। आप हमेशा परिस्थितियों को बदल सकते हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिज़वी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, साहिल पारख, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, अजय जादव मंडल, करुण नायर, टी नटराजन।

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, अकील होसेन, प्रशांत वीर, मैथ्यू शॉर्ट, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक शर्मा, अमन खान।

विशेष शिविर | आयरलैंड के गोलकीपिंग विशेषज्ञ डेविड विलियम्सन ने दिए टिप्स

महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों का निखरा कौशल

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसरी सोलंकी और माधुरी किंडो ने आयरलैंड के डेविड विलियम्सन द्वारा आयोजित एक विशेष गोलकीपिंग शिविर में हिस्सा लिया।

यह शिविर मुख्य कोच शोर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित किया गया था और दो मई को यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में समाप्त हुआ। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के 'आनंदना' के सहयोग से आयोजित यह 11 दिवसीय शिविर 22 अप्रैल को शुरू हुआ था जिसमें गोलकीपरों को केंद्रित और उच्च-प्रदर्शन वाला प्रशिक्षण दिया गया। विलियमसन उत्तरी आयरलैंड के एक अत्यंत अनुभवी फील्ड हॉकी कोच और पूर्व खिलाड़ी हैं। वह एक जाने-माने गोलकीपिंग विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अमेरिकी महिला राष्ट्रीय टीम के साथ बड़े पैमाने पर काम किया है। सीनियर गोलकीपरों सविता, बिचू देवी, बंसरी और माधुरी ने इन सत्र में भाग लिया जिससे उन्हें तकनीकी बुनियादी बातों, निर्णय लेने की क्षमता, रक्षात्मक पहलुओं और मैच की स्थितियों में रणनीतिक जागरूकता पर गहनता से ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला।

यह ऐसे समय में हुआ जब टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है।

बहुत कुछ सीखने को मिला : सविता

गोलकीपरों के लिए ऐसे केंद्रित शिविरों के लाभ के बारे में बात करते हुए सविता ने कहा, एक गोलकीपर होने के नाते मैंने हमेशा यह अनुभव किया है कि इस तरह के शिविर आपको बहुत कुछ सीखने में मदद करते हैं। साथ ही आपके कौशल को निखारते और बेहतर बनाते हैं। हम ट्रेनिंग के दौरान मैच जैसी स्थितियां बनाते हैं और उन पर खूब चर्चा करते हैं। इसलिए ये विशेष शिविर हमेशा महत्वपूर्ण होते हैं। शिविर में अपने अनुभव को साझा करते हुए सविता ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उन्होंने युवा गोलकीपरों का मार्गदर्शन करने की भूमिका को किस तरह अपनाया।

इंटर मिलान ने इटालवी लीग का खिताब जीता

मिलान। इंटर मिलान ने परमा को 2-0 से हराकर तीन दौर के मैच शेष रहते ही इटालवी लीग फुटबॉल टूर्नामेंट सीरी ए का खिताब अपने नाम कर लिया।

इंटर मिलान को ट्रॉफी हासिल करने के लिए केवल एक ड्रॉ की जरूरत थी। उसने परमा पर जीत से 2025 के चैंपियन और दूसरे स्थान पर काबिज नेपोली पर 12 अंकों की अजेय बढ़त बना ली है। यह इंटर मिलान का 21वां सीरी ए खिताब है। वह सर्वाधिक खिताब जीतने के मामले में युवेंटस (36) के बाद दूसरे स्थान पर है।

इंटर मिलान की तरफ से पहला गोल पहले हाफ में मार्कस थुरम ने किया जबकि 37 वर्षीय हेनरिक मखितार्यान ने 80वें मिनट दूसरा गोल दागा।

शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन की पुरस्कार राशि पर जताई नाखुशी

पेरिस, एजेंसी

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, एरीना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि को लेकर 'अपनी गहरी निराशा' व्यक्त की है। यह क्ले कोर्ट ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता इस महीने के आखिर में पेरिस में शुरू होगी। खिलाड़ियों का कहना है कि उनकी कुछ अन्य मांगें भी हैं जिन पर आयोजकों ने ध्यान नहीं दिया है। इनमें बेहतर प्रतिनिधित्व, स्वास्थ्य और पेंशन शामिल हैं।

खिलाड़ियों की यह मांग तब आई जब फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि रोलां गैरां पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में लगभग 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल पुरस्कार राशि 61.7 मिलियन यूरो (72.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.3 मिलियन यूरो अधिक है। फ्रेंच ओपन 24 मई से शुरू होगा। पुरुष और महिला एकल चैंपियन को 28 लाख यूरो और उपविजेता खिलाड़ियों को 14 लाख यूरो मिलेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचने वालों को सात लाख 50 हजार यूरो जबकि पहले दौर में हारने वाले खिलाड़ियों को 87000 यूरो मिलेंगे। पुरुष और महिला युगल विजेताओं को 600,000 यूरो और मिश्रित युगल चैंपियन को 122,000 यूरो मिलेंगे। खिलाड़ियों ने हालांकि बयान में कहा असली आंकड़े बिल्कुल अलग कहानी बयां करते हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों के अनुसार फ्रेंच ओपन ने 2025 में 395 मिलियन यूरो का राजस्व प्राप्त किया, जो उससे पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक था। इसके बावजूद पुरस्कार राशि में केवल 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

खिलाड़ियों की मांग

खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी बयान में कहा फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट के राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी 2024 में 15.5 प्रतिशत से घट गई है और 2026 में इसके 14.9 प्रतिशत रहने की संभावना है।